mediaauditornews@gmail.com Epaperdainikmediaauditor.in वर्ष-1 अंक-165 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

मनेन्द्रगढ़
16 दिसंबर 2025 मंगलवार

दैनिक मीडिया ऑडीटर

दैनिक मीडियाऑडीटर

मनेन्द्रगढ़, रीवा एवं सतना से एक साथ प्रकाशित

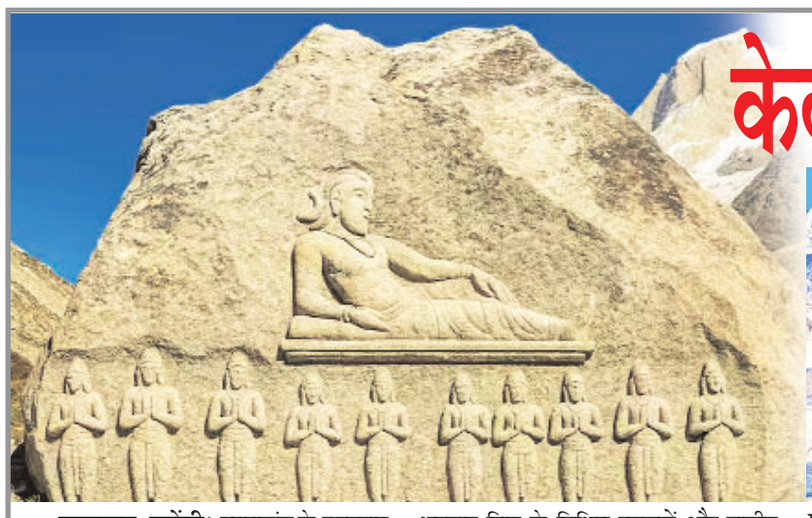

केदारनाथ आपदा के बोल्डर अब बनेंगे आस्था की पहचान

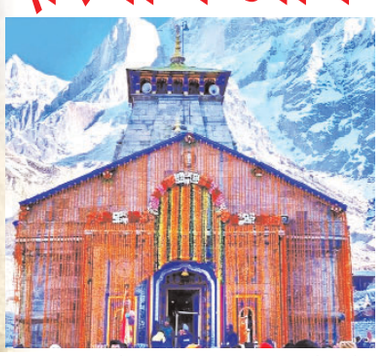

उकेरी जा रहीं शिव की तस्वीरें, 2026 में पूरा होगा प्रोजेक्ट

रुद्रप्रयाग, एजेंसी। उत्तराखंड के रुद्रप्रयाग में स्थित केदारनाथ में 2013 की विनाशकारी आपदा के दौरान जो विशाल बोल्डर तबाही की गवाही बने थे, अब वही श्रद्धा और कला का प्रतीक बनने जा रहे हैं। इन प्राकृतिक पत्थरों पर भगवान शिव के विभिन्न स्वरूपों और प्राचीन मंदिरों की आकृतियां उकेरी गई हैं, जो देश-विदेश से आने वाले श्रद्धालुओं के लिए नया आकर्षण होंगी।

आपदा के बाद से केदारनाथ में चल रहे पुनर्निर्माण कार्यों के दूसरे चरण में इन बोल्डरों को संरक्षित कर धार्मिक-सांस्कृतिक पहचान देने की दिशा में काम किया गया है। इन पर कुल 31 आकृतियां बनाई गई हैं, जिनमें शिव के विविध रूप और प्राचीन शिवालयों की झलक देखने को मिलेगी।

इसी कड़ी में मंदिर के पीछे बड़े स्तर पर शिव उद्यान और अन्य विकास कार्य भी किए जा रहे हैं, जिससे केदारनाथ धाम का स्वरूप केवल तीर्थ ही नहीं, बल्कि आध्यात्मिक अनुभव केंद्र के रूप में विकसित हो सके।

आपदा के बोल्डर अब शिव कला के प्रतीक : आपदा में बहकर आए बोल्डरों को हटाने के बजाय अब उन्हें कलात्मक और आध्यात्मिक पहचान दी जा रही है। इन पत्थरों पर भगवान शिव के नटराज, ध्यानस्थ शिव, अर्धनारीश्वर जैसे स्वरूपों के साथ प्राचीन मंदिरों की 31 आकृतियां उकेरी गई हैं। ये आकृतियां न केवल आपदा की स्मृति को सहेजेंगी, बल्कि यह संदेश भी देंगी कि विनाश के बाद भी सृजन संभव है। श्रद्धालु अब इन बोल्डरों को देखकर केदारनाथ के संघर्ष और पुनर्जन्म की कहानी को करीब से महसूस कर सकेंगे।

मंदिर के पीछे 5600 वर्ग मीटर में बन रहा शिव उद्यान : केदारनाथ मंदिर के पीछे करीब 5600 वर्ग मीटर क्षेत्रफल में शिव उद्यान विकसित किया जा रहा है। यह उद्यान समुद्र तल से 11,750 फीट की ऊंचाई पर स्थित होगा। इसमें द्वादश ज्योतिर्लिंग, प्राचीन शिवालयों और भगवान शिव के विभिन्न रूपों से जुड़ी संरचनाएं स्थापित की जाएंगी। उद्यान में मध्य हिमालय के बुग्यालों में पाई जाने वाली घास, ब्रह्मकमल, भृंगराज और अन्य दुर्लभ औषधीय प्रजातियों को भी विकसित किया जाएगा। इसके लिए विशेषज्ञों द्वारा शोध कार्य किया जा रहा है और अलग-अलग स्थानों पर विशेष वाटिकाएं बनाई जाएंगी।

योग, ध्यान और पैदल पथ से मिलेगा आध्यात्मिक अनुभव : पूरे शिव उद्यान क्षेत्र में श्रद्धालुओं के लिए पगडंडियां बनाई गई हैं, जो एक-दूसरे से जुड़ी होंगी। इन रास्तों पर चलते हुए श्रद्धालु प्रकृति के बीच समय बिता सकेंगे। इसके साथ ही योग और ध्यान के लिए भी विशेष स्थान विकसित किए जा रहे हैं, ताकि यात्रा की थकान के बीच भक्त शांति का अनुभव कर सकें।

ऑस्ट्रेलियाई पुलिस को शक- आतंकी बाप-बेटे पाकिस्तानी मूल के,अब तक 16 की मौत;

सिडनी,एजेंसी। ऑस्ट्रेलिया के सिडनी में रविवार को बॉन्डी बीच पर हुए आतंकी हमले को लेकर पुलिस ने बताया है कि दोनों आतंकी बाप-बेटे हैं। इनके पाकिस्तानी मूल के होने का शक है। पुलिस के मुताबिक, हमले में मरने वालों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है। इनमें एक 10 साल की बच्ची और एक इजराइली नागरिक भी शामिल है। इसके अलावा 45 लोग घायल हैं। आतंकियों ने रविवार को बॉन्डी बीच पर हनुक्का फेस्टिवल मना रहे लोगों पर फायरिंग की थी। इसके बाद जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने 50 साल के पिता साजिद अकरम को मौके पर ही गोली मार दी, जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं, 24 साल का बेटा नवीद अकरम अस्पताल में गंभीर हालत में है।

सीएम स्टालिन बोले- शाह तमिलनाडु को नहीं समझते

चेन्नई, एजेंसी। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने रविवार को गृहमंत्री अमित शाह के चुनावी चैलेंज का जवाब दिया। स्टालिन ने तिरुवन्नामलाई में एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि शाह के अंदर अहंकार आ गया है। वे खुद के साथ-साथ पूरी संघी बटालियन (RSS के लोगों) को भी ले आएं तो भी यहां कुछ नहीं कर पाएंगे। दरअसल स्टालिन ने गुजरात में 7 दिन पहले शाह के दिए बयान पर पलटवार किया है। तब अहमदाबाद में एक कार्यक्रम में शाह ने कहा था कि वे ममता बनर्जी और स्टालिन जी (बंगाल और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री) को बताना चाहते हैं कि आगामी चुनाव में तैयार रहें।

मोदी तेरी कब्र खुदेगी नारे को लेकर संसद में हंगामा

नड्डा बोले- राहुल-सोनिया माफी मांगे; प्रियंका बोलीं- रैली में किसने कहा, हमें नहीं मालूम

नई दिल्ली, एजेंसी। संसद के शीतकालीन सत्र के 11वां दिन, सोमवार को दोनों सदनों में भाजपा सांसदों ने कांग्रेस की रैली में पीएम मोदी के खिलाफ नारेबाजी का मुद्दा उठाया। राज्यसभा में केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा ने कहा- पीएम के खिलाफ ऐसी बातें करना, उनकी मौत की कामना करना शर्मनाक है।

नड्डा ने कहा- नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस संसदीय दल (CPP) की अध्यक्ष सोनिया गांधी को पूरे देश से माफी मांगनी चाहिए। लोकसभा में केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा- इससे शर्मनाक और क्या हो सकता है कि 140 करोड़ भारतीयों और विश्व के सबसे प्रसिद्ध नेता को इस तरह के नारों का सामना करना पड़ रहा है।

पीएम के खिलाफ नारेबाजी और माफी की मांग लेकर दोनों सदनों में जमकर हंगामा हुआ। दोनों सदन की कार्यवाही सुबह 11 बजे शुरू हुई थी, लेकिन शोर-शराबे के कारण 10 मिनट भी चर्चा नहीं हो पाई और कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। राज्यसभा की कार्यवाही 12 बजे फिर शुरू हुई। हालांकि, लोकसभा की कार्यवाही 12 बजे शुरू होते ही फिर हंगामा होने लगा, जिसके चलते कार्यवाही 2 बजे तक फिर से स्थगित कर दी गई।

प्रियंका बोली- रैली में स्टेज से किसी ने भी ऐसा कुछ नहीं कहा

भाजपा के आरोपों पर कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी ने पलटवार किया। प्रियंका गांधी वाड्रा ने कहा- हमें नहीं मालूम कि ये सब किसने कहा। रैली में स्टेज से किसी ने भी ऐसा कुछ नहीं कहा। फिर पता चला कि किसी ने इंटरव्यू में कहा है। भाजपा को खुद नहीं पता की किसने नारेबाजी की।

दिल्ली के रामलीला मैदान में कांग्रेस समर्थकों ने नारे लगाए थे

पूरा विवाद दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को कांग्रेस की वोट चोर गद्दी छोड़ रैली से जुड़ा है। सोशल मीडिया पर रैली के वीडियो वायरल हुए, जिसमें कांग्रेस की महिला नेताओं और समर्थकों ने मोदी तेरी कब्र खुदेगी के नारे लगाए थे। नारे लगाने वालों में कांग्रेस नेता मंजू लता मीणा भी शामिल थीं। वे जयपुर महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष हैं। उन्होंने कहा कि वोट में धांधली को लेकर जनता में बहुत गुस्सा है। वे नारेबाजी के जरिए वोट चोरी को लेकर जनता के गुस्से को दिखा रही थीं।

राम मंदिर आंदोलन से जुड़े डॉ. रामविलास वेदांती का निधन

- तबीयत बिगड़ी तो एयरएंबुलेंस रीवा पहुंची, कोहरे के कारण लैंड नहीं हो पाई

अयोध्या,एजेंसी। राम मंदिर आंदोलन के अग्रणी संत और पूर्व सांसद डॉ. रामविलास दास वेदांती का सोमवार सुबह निधन हो गया। वे 67 साल के थे। मध्य प्रदेश के रीवा में उन्होंने अंतिम सांस ली। वेदांती 10 दिसंबर को दिल्ली से रीवा पहुंचे थे। वहां उनकी रामकथा चल रही थी। इसी दौरान उनकी तबीयत बिगड़ गई और पिछले दो दिनों से उनका इलाज रीवा में ही चल रहा था। सोमवार सुबह उनकी हालत अचानक ज्यादा गंभीर हो गई। मध्य प्रदेश के डिप्टी सीएम राजेंद्र शुक्ल उन्हें एयर लिफ्ट कराकर भोपाल एम्स ले जाने वाले थे। इसके लिए एयर एम्बुलेंस भी रीवा पहुंच गई थी, लेकिन घने कोहरे के कारण वह लैंड नहीं कर सकी।

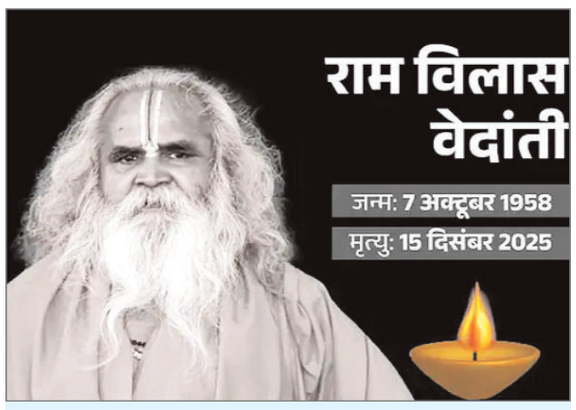

पार्थिव शरीर अयोध्या लाया जा रहा, आज 8 बजे अंतिम संस्कार

डॉ. रामविलास दास वेदांती के उत्तराधिकारी महंत राघवेश दास वेदांती ने बताया- महाराजजी का पार्थिव शरीर आज अयोध्या लाया जा रहा है। महाराज जी की अंतिम यात्रा का जुलूस हिंदू धाम से सोमवार सुबह निकलेगा और राम मंदिर तक जाएगा। सरयू तट पर सुबह 8:00 बजे उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

12 साल की उम्र में अयोध्या आए, 2 बार सांसद रहे

डॉ. वेदांती का जन्म रीवा के गुढवा गांव में 7 अक्टूबर 1958 को हुआ था। जब वे दो साल के थे, तब उनकी मां का निधन हो गया था। पिता का नाम राम सुमन त्रिपाठी पुरोहित थे और पूर्व केंद्रीय मंत्री अर्जुन सिंह के गुरु थे। वेदांती 12 साल की उम्र में अयोध्या आए थे।

पीएम तीन देशों के दौरे पर रवाना हुए, जॉर्डन पहला पड़ाव

कई अहम मुद्दों पर होगी वार्ता

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज से तीन देशों के अहम दौरे पर रवाना हो रहे हैं। इस यात्रा में वह जॉर्डन, इथियोपिया और ओमान जाएंगे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक यह दौरा भारत के पश्चिम एशिया और अफ्रीका के साथ रिश्तों को नई मजबूती देने वाला है। व्यापार, निवेश, रणनीतिक सहयोग और क्षेत्रीय मुद्दों पर इस दौरान गहन बातचीत होगी।

प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा ऐसे समय हो रही है, जब वैश्विक स्तर पर भू-राजनीतिक अस्थिरता बढ़ी है। भारत इस दौरे के जरिए अपने भरोसेमंद साझेदारों के साथ राजनीतिक, आर्थिक और कूटनीतिक सहयोग को आगे बढ़ाना चाहता है। खास बात यह है कि जॉर्डन और इथियोपिया की यह पीएम मोदी की पहली पूर्ण द्विपक्षीय यात्रा होगी, जबकि ओमान का यह उनका दूसरा दौरा है।

व्यापार और लोगों से जुड़ाव पर जोर : दौरे के दूसरे दिन प्रधानमंत्री मोदी और किंग अब्दुल्ला भारत-जॉर्डन व्यापार कार्यक्रम को संबोधित करेंगे। इसमें दोनों देशों के प्रमुख कारोबारी शामिल होंगे। इसके अलावा पीएम मोदी जॉर्डन में बसे भारतीय समुदाय से भी मुलाकात करेंगे। युवराज के साथ वह पेट्रा शहर का दौरा करेंगे, जो भारत के साथ प्राचीन व्यापारिक संबंधों का प्रतीक रहा है।

दिल्ली की हवा फिर जानलेवा, 50मी तक नहीं दिख रहा

धुंध-कोहरे के कारण 60 लाइट रद्द, 250 डिले; कुछ जगह एयूआई 500 पार

नई दिल्ली, एजेंसी। वेस्टर्न डिस्टर्बेंस का असर कम हुआ तो दिल्ली में हवा थम गई। इसके चलते राजधानी रविवार को ठंड, स्मॉग और प्रदूषण के ट्रिपल अटैक की चपेट में आ गई। ग्रैप-4 लागू होने के बावजूद वजीरपुर और रोहिणी इलाकों में एक्यूआई 500 के लेवल तक पहुंच गया। प्रदूषक कण वातावरण में फंसे रहे और राजधानी गैस चेंबर बन गई।

रविवार को इस साल का सबसे घना कोहरा भी छाया। अक्षरधाम समेत कई इलाकों में विजिबिलिटी 50 मीटर तक सिमट गई। धुंध-कोहरे के कारण 60 फ्लाइट रद्द कर दी गईं, जबकि 250 देरी से चल रही हैं। डॉक्टरों ने बच्चों, बुजुर्गों और सांस के मरीजों को सावधानी बरतने कहा है। मौसम विभाग के अनुसार सोमवार से हवा की रफ्तार बढ़ने पर मामूली राहत मिल सकती है।

इस बीच, सुप्रीम कोर्ट CJI जस्टिस सूर्यकांत ने वकीलों और पक्षकारों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए हाइब्रिड मोड के जरिए पेश होने की सलाह दी है।

सुप्रीम कोर्ट दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण से जुड़ी याचिका पर 17 दिसंबर को सुनवाई करेगा।

ग्रैप-4 के बाद भी सख्ती के उपाय बेअसर : सीएक्यूएम ने शनिवार को पहले ग्रैप-3 और फिर ग्रैप-4 लागू किया, लेकिन हालात नहीं सुधरे। ग्रैप-4 में 50% कर्मचारियों का वर्क फ्रॉम होम, बीएस-4 बड़े व्यावसायिक वाहनों की एंट्री पर रोक, निर्माण कार्य बंद, स्कूल हाइब्रिड मोड में, कचरा/ईंधन जलाने पर प्रतिबंध, डीजल जेनरेटर, आरएमसी प्लांट, स्टोन क्रशर, ईंट भट्ठे और खनन पर रोक शामिल है। कच्ची सड़कों पर निर्माण सामग्री के परिवहन पर भी प्रतिबंध है।

म.प्र.राजस्थान समेत 13 राज्यों में घना कोहरा

यूपी-हरियाणा में जीरो विजिबिलिटी के चलते 20 हादसे, 80 गाड़ियों की टक्कर में 12 मौतें

नई दिल्ली/भोपाल/लखनऊ ,एजेंसी। मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश समेत देश के 13 राज्यों में सोमवार सुबह घना कोहरा देखने को मिला। यूपी, बिहार, हरियाणा और दिल्ली में सोमवार सुबह कोहरे के कारण विजिबिलिटी जीरो दर्ज की गई। सुबह 8:30 बजे तक सड़कों पर 10 मीटर दूर भी कुछ साफ नहीं दिख रहा था। उत्तर प्रदेश के हापुड़ के अनवरपुर के पास करीब छह वाहन आपस में टकरा गए। इसमें कई लोग घायल हुए। यूपी के अलग-अलग जिलों में रविवार को कोहरे के चलते 6 सड़क हादसों में 22 गाड़ियां टकरा गईं। इसमें 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 10 लोग घायल हैं। हरियाणा के 7 जिलों में 14 जगह सड़क हादसे हुए। इनमें 58 गाड़ियां आपस में टकरा गईं। हादसों में 11वीं की छात्रा समेत 4 लोगों की मौत हो गई। गुरुग्राम में ट्रैफिक पुलिस ने सड़कों पर गाड़ी पार्किंग पर रोक लगा दी है। इधर, जम्मू-कश्मीर के पहाड़ी इलाकों में रविवार रात बर्फबारी के कारण तापमान में गिरावट दर्ज की गई। पुलवामा में सबसे कम तापमान, -2.7डिग्रीरहा। श्रीनगर में रात का तापमान 2डिग्री रहा।

मुर्मू ने राज कुमार गोयल को मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में दिलाई शपथ

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सोमवार को राज कुमार गोयल को मुख्य सूचना आयुक्त के रूप में शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण समारोह में उन्हें उनके नए पद की जिम्मेदारियों और कर्तव्यों का पालन करने की शपथ दिलाई गई। बता दें कि मुख्य सूचना आयुक्त के पद पर रहते हुए राज कुमार गोयल का काम होगा कि सूचना के अधिकार (आरटीआई) से जुड़े मामलों को निष्पक्ष और समय पर निपटाया जाए और नागरिकों को सरकारी जानकारी पहुंचाने में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए। यह पद नागरिकों के सूचना के अधिकार की रक्षा और सरकारी जवाबदेही सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। राष्ट्रपति ने शपथ ग्रहण के दौरान कहा कि गोयल अपनी नई जिम्मेदारी को ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाएंगे और सूचना के अधिकार के महत्व को बनाए रखेंगे।

मां की डांट से नाराज बच्ची 15वीं मंजिल पर चढ़ी

- बाउंड्री वॉल पर चढ़कर कहा- मां ने मरने को कहा था, सूरत में फायर ब्रिगेड ने बचाया

सूरत, एजेंसी। गुजरात में सूरत के अलथान इलाके में रविवार को मां की डांट से नाराज नाबालिग 15 मंजिल की बाउंड्री वॉल पर चढ़ गई। वॉल पर चढ़ते ही चिल्लाने लगी कि मैं कूद जाऊंगी। बच्ची की मां के साथ घटना स्थल पर सैकड़ों लोग इकट्ठा हो गए। स्थानीय लोगों और बिल्डिंग मालिक ने भी उसे मनाते रहे। इसी बीच फायर ब्रिगेड और 112 टीम ने बच्ची को पकड़कर बड़ा हादसा टाल दिया।

मां ने गुस्से में कह दिया था, मर जाओ बच्ची को सुरक्षित बचाने के बाद उसकी काउंसलिंग की गई। बातचीत में बच्ची ने बताया कि मां ने सुबह उसे डांटते हुए गुस्से में कह दिया था कि मर जाओ। इसी बात से आहत होकर वह सुसाइड करने वह बिल्डिंग की छत पर जा पहुंची थी। इसी दौरान कुछ लोगों ने उसे देख लिया और फिर बिल्डिंग के नीचे और छत पर लोगों की भीड़ जमा हो गई।

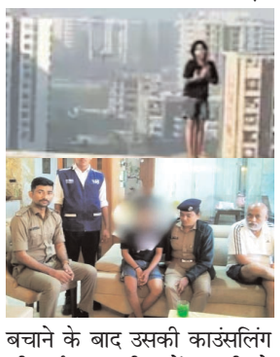

इंडिगो उड़ान रद्दीकरण मामले में सुप्रीम इनकार

याचिकाकर्ता को दिल्ली हाईकोर्ट जाने की दी सलाह

नई दिल्ली, एजेंसी। इंडिगो एयरलाइंस द्वारा सैकड़ों उड़ानें रद्द किए जाने के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को जनहित याचिका (PIL) पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने याचिकाकर्ता नरेंद्र मिश्रा से कहा कि वह अपनी शिकायतें लेकर दिल्ली हाईकोर्ट जाएं, क्योंकि वहां पहले से ही इसी तरह का मामला चल रहा है। मामले में मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, जस्टिस जॉयमाल्या बागची और विपुल एम. पंचोली के बेंच ने कहा कि दिल्ली हाईकोर्ट पहले से ही इंडिगो की उड़ानें रद्द होने से जुड़े मामले की सुनवाई कर रहा है। इसलिए याचिकाकर्ता वहीं अपनी बात रखें। हालांकि कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर हाईकोर्ट में शिकायतों का समाधान नहीं होता है, तो याचिकाकर्ता दोबारा सुप्रीम कोर्ट आ सकते हैं। इस दौरान कोर्ट को यह भी बताया गया कि नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इंडिगो की उड़ानों के रद्द होने और यात्रियों को हो रही परेशानियों की जांच के लिए एक विशेषज्ञ समिति बनाई है। यह समिति उड़ानें रद्द होने के कारणों और उससे यात्रियों पर पड़ रहे असर की समीक्षा करेगी। सुप्रीम कोर्ट ने माना कि जब मामला पहले से ही दिल्ली हाईकोर्ट और ष्ठतष्ट के संज्ञान में है, तो फिलहाल वह इस पर सीधे सुनवाई नहीं करेगा।

दिल्ली हाईकोर्ट पहले ही जता चुका है नाराजगी : बता दें कि इससे पहले 10 दिसंबर को दिल्ली हाईकोर्ट ने केंद्र सरकार से सवाल किया था कि इंडिगो की उड़ानें रद्द होने से पैदा हुए संकट पर समय रहते कार्रवाई क्यों नहीं की गई। हाईकोर्ट ने कहा था कि इस वजह से लाखों यात्री फंस गए और दूसरी एयरलाइंस ने मनमाने दाम वसूले। दिल्ली हाईकोर्ट में दायर याचिका में मांग की गई है कि केंद्र सरकार यात्रियों को मदद और रिफंड दिलाने के निर्देश दे।

जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बादल छाए रहने से रात के तापमान में मिली थोड़ी राहत

श्रीनगर, एजेंसी। जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में बादल छाए रहने से रात के तापमान में थोड़ी राहत मिली लेकिन ठंड बनी रही। कश्मीर घाटी के कई इलाकों में अभी भी लगभग जमा देने वाला और जमावट बिंदू से नीचे न्यूनतम तापमान दर्ज किया जा रहा है।

कश्मीर संभाग के श्रीनगर में न्यूनतम तापमान 1.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि काज़ीगुंड और पहलगाम में 2.2 डिग्री सेल्सियस रहा। कुपवाड़ा में 1.6 डिग्री सेल्सियस, कोकरनाग में 2.4 डिग्री सेल्सियस और गुलमर्ग में 1.0 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। पंपोर में 0.5 डिग्री सेल्सियस, श्रीनगर एयरपोर्ट पर 1.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि अवंतीपोरा में तापमान गिरकर शून्य से नीचे 0.8 डिग्री सेल्सियस हो गया। शोपियां में भी शून्य से नीचे 0.1 डिग्री सेल्सियस रहा। दूसरी जगहों पर बडगाम में 1.0 डिग्री सेल्सियस, अनंतनाग में 1.3 डिग्री सेल्सियस, बारामूला में 0.9 डिग्री सेल्सियस, बांदीपोरा

में 2.7 डिग्री सेल्सियस, कुलगाम में 2.5 डिग्री सेल्सियस, गांदरबल में 2.3 डिग्री सेल्सियस और सोनमर्ग में 1.9 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया।

जम्मू संभाग में रात का तापमान तुलनात्मक रूप से हल्का देखा गया। जम्मू शहर में 11.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जबकि जम्मू एयरपोर्ट पर 11.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। बनिहाल में 3.1 डिग्री सेल्सियस, बटोत और रामबन में 8.3 डिग्री सेल्सियस, कटरा में 10.7 डिग्री सेल्सियस, भद्रवाह में 4.6 डिग्री सेल्सियस, कठुआ में 9.4 डिग्री सेल्सियस और उधमपुर और सांबा में 7.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजौरी में 5.4 डिग्री सेल्सियस, किश्तवाड़ में 8.0 डिग्री सेल्सियस और रियासी में 9.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रहा।

लद्दाख में कड़ाके की ठंड जारी रही, लेह में न्यूनतम तापमान शून्य से नीचे 1.8 डिग्री सेल्सियस, कारगिल में शून्य से नीचे 1.2 डिग्री सेल्सियस और नुब्रा घाटी में शून्य से नीचे 0.1 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

इस बीच घाटी के कुछ हिस्सों में बादल छाए रहने से रात के तापमान में थोड़ा सुधार हुआ है। मौसम अधिकारियों ने लोगों को खासकर ठंडे इलाकों में ज़रूरी सावधानी बरतने की सलाह दी है क्योंकि पूरे इलाके में सर्दी का मौसम और तेज़ होता जा रहा है।

21 को करणी सेना का शक्ति प्रदर्शन

लाठीचार्ज और आरक्षण के मुद्दे पर आंदोलन

हरदा, एजेंसी। हरदा में आगामी 21 दिसंबर को करणी सेना 'जनक्रांति आंदोलन' करने जा रही है। यह प्रदर्शन जुलाई माह में राजपूत समाज पर हुए लाठीचार्ज और आर्थिक आधार पर आरक्षण समेत 21 सूत्रीय मांगों को लेकर किया जाएगा। करणी सेना ने लाखों लोगों के शामिल होने का दावा किया है। इधर, प्रशासन ने सुरक्षा बढ़ा दी है। करणी सेना परिवार पिछले तीन महीने से गांव-गांव जाकर संपर्क कर रहा है। जिलाध्यक्ष सुनील सिंह राजपूत ने बताया कि जिले में 5 हजार से अधिक घरों में आमंत्रण दिया गया है। उन्हें सर्व समाज का समर्थन मिल रहा है। उनका कहना है कि यह आंदोलन किसी जाति विशेष के खिलाफ नहीं, बल्कि व्यवस्था में सुधार और लाठीचार्ज के दोषी अफसरों पर कार्रवाई के लिए है। भीम आर्मी भी उसी दिन करेगी आंदोलन: करणी सेना की कुछ मांगों के विरोध में भीम आर्मी भी 21 दिसंबर को मैदान में उतरेगी। संभागीय अध्यक्ष महेंद्र काशिव का कहना है कि करणी सेना की कुछ मांगे एससी-एसटी कानून को कमजोर करने वाली हैं। इसके विरोध में वे शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से प्रशासन के सामने अपनी बात रखेंगे। कलेक्टर ने किया फ्लैग मार्च: दोनों संगठनों के आंदोलन को देखते हुए पुलिस और प्रशासन अलर्ट मोड पर है। रविवार शाम कलेक्टर सिद्धार्थ जैन और एसपी शशांक ने शहर में फ्लैग मार्च निकाला और शांति की अपील की। शहर में बैरिकेडिंग शुरू हो गई है, हालांकि प्रशासन ने अभी तक आयोजन के लिए जगह तय नहीं की है।

पुरुलिया के बस स्टैंड इलाके में भयावह आग लगने से कई दुकानें जलकर खाक

पुरुलिया, एजेंसी। पुरुलिया शहर के व्यस्त बस स्टैंड इलाके में रविवार देर रात भीषण आग लगने से पूरे क्षेत्र में अफ़रा-तफ़री मच गई। सूत्रों के अनुसार, रात करीब 11:30 बजे बस स्टैंड के पास स्थित एक दुकान में अचानक आग लग गई, जो देखते ही देखते आसपास की कई दुकानों में फैल गई। आग की लपटों में कई दुकानें घिर गईं, जिससे स्थानीय लोगों में दहशत फैल गई। आग लगने के बाद आसमान में काले धुएं का घना गुबार उठता दिखाई दिया। घटना की खबर मिलते ही स्थानीय लोग और दुकानदार मौके पर पहुंचे। कुछ लोग आग बुझाने में मदद करते नजर आए, तो कई दुकानदार अपनी दुकानों से सामान बचाने की कोशिश करते रहे।

सूचना मिलने पर पुरुलिया अग्निशमन विभाग की तीन दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। वहीं, पुरुलिया सदर थाना की बड़ी संख्या में पुलिस बल को भी इलाके में तैनात किया गया ताकि स्थिति को नियंत्रित रखा जा सके। इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है, हालांकि दुकानदारों को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

स्थानीय लोगों का आरोप है कि बस स्टैंड इलाके में लंबे समय से कई दुकानें अनौपचारिक तरीके से संचालित हो रही थीं, जिससे आग तेजी से फैलने की स्थिति बनी। आग लगने के सही कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। दमकल विभाग और पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि आग किसी पैकेट हाउस या नजदीकी दुकान से लगी हो सकती है।

घटना से प्रभावित दुकानदारों ने गहरी चिंता जताते हुए कहा कि वे वर्षों से यहां व्यापार कर रहे थे और इस आग ने सब कुछ बर्बाद कर दिया, जिससे उनके सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। पुरुलिया शहर के महत्वपूर्ण हिस्से में हुई इस आग की घटना ने एक बार फिर नगर प्रशासन की योजना, अग्नि सुरक्षा इंतजाम और आपदा प्रबंधन व्यवस्था की गंभीर समीक्षा की आवश्यकता को उजागर कर दिया है।

बर्फबारी के बाद ऊंचाई इलाकों में जम गए झरनें और नदियों का पानी

देहरादून, एजेंसी। यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ, बदरीनाथ समेत प्रदेश के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी के साथ ही छोटी नदियों का पानी जमने से यहां प्राकृतिक नजारे बेहद खूबसूरत हो गए हैं। मौसम भले ही सर्द हो, लेकिन प्रकृति का रूप हर किसी को सम्मोहित कर रहा है। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने पर्यटकों से शीतकाल में उत्तराखंड आने की अपील करते हुए कहा कि सरकार

की ओर से यात्रियों को सभी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जाएंगी।

उत्तराखण्ड के ऊंचाई वाले सीमांत क्षेत्रों में प्रकृति सुंदरता अपने शबाब पर है। बरसात के बाद चारों

ओर हरे भरे बुग्यालों के साथ ही खिले फूलों की महक चारों ओर फैले रही है। शीतकाल में बर्फवारी व पानी झरने, छोटी नदियों का पानी जम गया है। राज्य के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में बर्फबारी से तापमान माइनेस 20डिग्री तक पहुंच गया है, जिससे पानी जम गया है। बदरीनाथ धाम में बहता पानी और झरने जम गये है। पर्यटकों के लिए जमे पानी के झरने आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। स्थानीय प्रशासन ने पर्यटक स्थलों पर सतर्कता बरतने के निर्देश दिए हैं। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने जिलाधिकारियों को पर्यटकों के लिए सभी आवश्यक इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं।

एच-1बी वीजा संकट, अमेरिका में काम कर रहे भारतीय पेशेवरों की बढ़ी मुश्किलें

वॉशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका में कार्यरत सैकड़ों भारतीय पेशेवर इस समय गंभीर अनिश्चितता और मानसिक तनाव से गुजर रहे हैं। अमेरिकी विदेश विभाग की ओर से दिसंबर में प्रस्तावित एच-1बी वीजा अचानक स्थगित कर दिए गए हैं, जिसके कारण कई भारतीय नागरिक भारत में ही फंसे हुए हैं। नए इंटरव्यू स्लॉट अब मार्च-अप्रैल 2026 या उससे भी आगे के लिए शिफ्ट कर दिए गए हैं। इस अप्रत्याशित फैसले से इन लोगों की नौकरियों पर सीधा खतरा मंडराने लगा है और भविष्य को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस संकट के बीच सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर भारतीय पेशेवरों ने मदद की गुहार लगाई है। इस संबंध में साझा की गई पोस्ट तेजी से वायरल हो गई। पोस्ट में अमेरिका में रह रहे भारतीयों से अपील की गई है कि वे जनवरी और फरवरी के लिए

उपलब्ध एच-1बी के लिए स्लॉट बुक न करें। जिन लोगों ने पहले से स्लॉट बुक कर रखे हैं, उनसे उन्हें रद्द करने का अनुरोध किया गया है, ताकि भारत में फंसे लोगों को जल्द इंटरव्यू का अवसर मिल सके और वे अपनी नौकरियों पर लौट सकें।

पोस्ट में भावुक शब्दों में लिखा गया है कि वे बेहद तनाव में हैं और उनके परिवार भी इस स्थिति से प्रभावित हो रहे हैं। उनके पास इंतजार करने के अलावा कोई दूसरा विकल्प नहीं बचा है। इस अपील ने प्रवासी भारतीय समुदाय के भीतर गहरी संवेदना और सहयोग की भावना को जन्म दिया है। कई लोगों ने आगे बढ़कर मदद का हाथ बढ़ाया और स्लॉट रद्द करने की पुष्टि भी की। एक ओर अमेरिका में कुछ वर्ग एच-1बी वीजा व्यवस्था में सख्ती को स्थानीय श्रमिकों के हित में बता रहे हैं और इस कदम का समर्थन कर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर भारतीय समुदाय ने आपसी एकजुटता और मानवीय संवेदनाओं की मिसाल पेश की है। ऑनलाइन चर्चाओं में सैकड़ों प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। कई लोगों ने लिखा कि इस सहयोग को देखकर अच्छा लगा और यह दिखाता है कि मुश्किल समय में लोग एक-दूसरे के साथ खड़े होते हैं। कुछ उपयोगकर्ताओं ने यह भी बताया कि लंबे समय तक भारत में रुकने से उनकी नौकरी पर खतरा बढ़ गया है। कई अमेरिकी कंपनियां अमेरिका के बाहर से रिमोट काम करने की अनुमति नहीं देतीं। ऐसे में इंटरव्यू में देरी उनके करियर और आर्थिक स्थिरता को प्रभावित कर सकती है। सोमवार सुबह तक इस अपील से जुड़ी पोस्ट पर 1,300 से अधिक समर्थन प्रतिक्रियाएं और 462 से ज्यादा टिप्पणियां दर्ज की जा चुकी थीं। यह मामला सिर्फ एक वीजा संकट तक सीमित नहीं है, बल्कि यह उस सामूहिक एकजुटता और इंसानियत की तस्वीर भी पेश करता है, जो कठिन परिस्थितियों में प्रवासी भारतीय समुदाय को एक-दूसरे के और करीब ले आती है।

पाकिस्तान से आई सुखद खबर, अब मुस्लिम छात्रों ने दिखाई संस्कृत में दिलचस्पी

इस्लामाबाद, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच भले ही राजनीतिक तनाव हो, लेकिन साझा विरासत की एक नई और सुखद तस्वीर सामने आई है। 1947 के बंटवारे के बाद पहली बार पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की दो यूनिवर्सिटीज ने संस्कृत भाषा में शॉर्ट कोर्स शुरू किया है। इतना ही नहीं, भविष्य में वहां के छात्रों को हिंदू धर्मग्रंथ 'गीता' और 'महाभारत' पढ़ाने की भी योजना है। यह पहल लाहौर की सरकारी 'पंजाब यूनिवर्सिटी' और निजी संस्थान 'लाहौर यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज' ने की है। दोनों संस्थानों ने इस शास्त्रीय भाषा का कोर्स लॉन्च किया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक साझा विरासत और पुरानी पांडुलिपियां इस कोर्स को शुरू करने के पीछे मुख्य वजह 'साझा विरासत' को सहेजना और पंजाब यूनिवर्सिटी में मौजूद संस्कृत की पुरानी पांडुलिपियों को पढ़ना है। पंजाब यूनिवर्सिटी के हिंदी विभाग के प्रोफेसर डॉ. अशोक कुमार ने बताया कि तैयारियां पिछले साल शुरू हुई थीं, लेकिन पहला एडमिशन 2025 में हुआ। सबसे पहले एलयूएमएस ने बेसिक लेवल-1 और 2 शुरू किया, जिसके बाद पंजाब यूनिवर्सिटी ने भी इसे अपनाया। प्रोफेसर कुमार ने बताया कि 1947 के विभाजन के बाद, यहां शायद ही कोई ऐसा व्यक्ति बचा था जो इस शास्त्रीय भाषा को पढ़ा सके। उन्होंने बताया कि पंजाब यूनिवर्सिटी की लाइब्रेरी में संस्कृत के अभिलेखागार का एक समृद्ध खजाना है।

धौलपुर में पुलिस लाइन के पास लूट :बंदूक की नोक पर परिवार को बंधक बनाकर की वारदात

धौलपुर, वेब वार्ता। धौलपुर में पुलिस लाइन के पास मयूरी नगर में एक घर में देर रात लूट हो गई। यहां 6-7 हथियारबंद बदमाशों ने परिवार को बंधक बनाकर लाखों रुपए के गहने, नकदी और 2 बाइक लूट ली। यह वारदात 12-13 दिसंबर की दरम्यानी रात करीब 12 से 1 बजे के बीच हुई। बदमाश छत के रास्ते घर में घुसे। उन्होंने अपने चेहरे ढके हुए थे और अवैध हथियार, जैसे कट्टे, बंदूकें और लकड़ी के डंडे लिए हुए थे। पीड़ित घर मालिक संतोष कुमार ने निहालगंज थाने में शिकायत दर्ज कराई है। उन्होंने बताया कि बदमाशों ने आते ही संतोष, उनकी मां किशनदेवी, बहन शीला और भाई रवि के सीने पर हथियार तान दिए। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी। इसके बाद बदमाशों ने चांदी की 2 जोड़ी पायल, एक करधोनी, सोने की 3 अंगूठियां, चांदी की एक अंगूठी, बच्चों के चांदी के चूरे और बच्चे का सोने का आउम लूट लिए। इसके अलावा, 20,500 रुपए नकद भी ले गए। घटना के बाद पीड़ित परिवार ने पुलिस कंट्रोल रूम को सूचना दी। गश्ती दल का वाहन मौके पर पहुंचा, लेकिन सिर्फ देखकर चला गया। संतोष कुमार ने पुलिस से सख्त कानूनी कार्रवाई और लूटे गए सामान की बरामदगी की मांग की है।

पाली में 4 साल की मासूम का पैर जला :मीटर चैक करने के बाद गर्म रॉड फर्श पर छोड़ी

पाली, वेब वार्ता। पाली में मीटर चेक करने आए बिजली विभाग के एक कर्मी की लापरवाही से चार साल की बच्ची का पैर जल गया। बच्ची के परिजनों ने कोतवाली थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

मीटर चेकिंग के दौरान हुआ हादसा: पाली शहर के वेंकटेश मंदिर रोड निवासी अनिल पुत्र अशोक कुमार ने कोतवाली थाने में दी शिकायत में बताया कि 13 दिसंबर की शाम करीब 5:30 बजे उनके घर बिजली मीटर चेक करने के लिए विभाग के कार्मिक पहुंचे थे।

गर्म रॉड फर्श पर रखने का आरोप: शिकायत के अनुसार, मीटर चेकिंग के दौरान कर्मियों ने एक लोहे की रॉड गर्म की और बाद में उसे फर्श पर ही रख दिया। इस दौरान फर्श काफी गर्म हो गया।

खेलते समय जला बच्ची का पैर: इसी बीच घर में खेल रही अनिल की चार साल की बेटी आंगन में पहुंच गई और गर्म फर्श पर पैर रखते ही झुलस गई। परिजन तुरंत बच्ची को निजी अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसका इलाज किया गया।

परिजनों ने की कार्रवाई की मांग: पीड़ित परिजनों ने आरोप लगाया है कि बिजली कर्मियों की लापरवाही के कारण यह हादसा हुआ है। उन्होंने दोषी कर्मियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। कोतवाली थाना पुलिस ने शिकायत दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

डूंगरपुर में एक साथ 4 घरों में चोरी :10 लाख से ज्यादा के गहने, कैश और डीवीआर हुआ पार

डूंगरपुर, वेब वार्ता। डूंगरपुर में सदर थाना इलाके के पालवाड़ा गांव के समीप श्रीनाथ गार्डन रेजीडेंसी सोसायटी में बदमाशों ने एक साथ 4 मकानों के ताले तोड़कर चोरी की वारदात हुई। बदमाश मकानों से 10 लाख रुपए के गहने, कैश ओर सामान चोरी कर ले गए है। इसको लेकर पीड़ित परिवारों ने सदर थाने में रिपोर्ट दी है।

नेशनल हाईवे 48 पर पालवड़ा में श्रीनाथ सोसायटी निवासी गणपत पुत्र सोहनलाल सेवक ने बताया कि वह श्रीनाथ कॉलोनी में निवासरत है। 13 दिसंबर को अपने परिवार के साथ जरूरी काम को लेकर घर से बाहर गया था। पीछे घर सूना पड़ा हुआ था। 14 दिसंबर को गणपत घर से सामाजिक कार्यक्रम के लिए उपहार लेने के लिए आया। दरवाजे का ताला टूटा हुआ और अंदर कमरों में सामान बिखरा पड़ा था।

सिडनी हमले में नफरत बनाम इंसानियत, एक हत्यारा और एक बन गया फरिश्ता

सिडनी, एजेंसी। रविवार को सिडनी के बॉन्डी बीच पर मानवता के दो विपरीत चेहरे देखने को मिले। एक तरफ नफरत की आग थी, तो दूसरी तरफ बेमिसाल इंसानियत का जज्बा। इस खौफनाक हमले के बाद दो नाम सामने आए नवीद अकरम और अहमद अल-अहमद। भले ही उनके नाम एक जैसे लग सकते हैं या उनकी जड़ें एक ही सामाजिक पृष्ठभूमि से जुड़ी हों, लेकिन रविवार की शाम ने यह साबित कर दिया कि इंसान की असली पहचान उसके नाम या धर्म से नहीं, बल्कि उसके कर्म और संस्कारों से होती है। एक शख्स हाथ में राइफल लेकर बेगुनाहों के खून का प्यासा बनकर आया था, तो दूसरा, निहत्था होकर भी, उसी मौत के सामने चट्टान बनकर खड़ा हो गया। रविवार शाम को ऑस्ट्रेलिया के बॉन्डी बीच पर यहूदी समुदाय हनुक्का त्योहार मना

रहा था, खुशियां बांट रहा था। तभी 24 वर्षीय नवीद अकरम, हथियारों से लैस होकर वहाँ पहुँचा। उसका एकमात्र मकसद नफरत फैलाना और मासूमों की जान लेना था। उसने 12 लोगों को मौत के घाट उतार दिया और वह हैवानियत का चेहरा बन गया। लेकिन ठीक उसी वक्त, वहाँ 43 वर्षीय अहमद अल-अहमद भी मौजूद थे। पेशे से फलों की दुकान चलाने वाले एक आम इंसान। गोलियां चलने के बावजूद, अहमद भागे नहीं। उन्होंने अपनी जान की परवाह किए बिना, हमलावर या पीड़ितों के धर्म की परवाह किए बिना, केवल इंसान और इंसानियत की रक्षा का फैसला किया।

नवीद अकरम: शिक्षा प्राप्त हत्यारा : रिपोर्ट्स के अनुसार, हमलावर नवीद अकरम पाकिस्तानी मूल का 24 वर्षीय युवक था। उसने प्रतिष्ठित संस्थानों से शिक्षा प्राप्त की थी, उसके पास डिग्रियां थीं और जिंदगी जीने के कई अवसर थे। लेकिन उसके दिमाग में भरी नफरत ने उसे इस रास्ते पर धकेल दिया। उसने अपनी शिक्षा का उपयोग दुनिया को बेहतर बनाने के लिए नहीं, बल्कि उसे बर्बाद करने के लिए किया। उसने एक ऐसे त्योहार को चुना जो उम्मीद और रोशनी का प्रतीक है, और उसे खून से रंग दिया। नवीद अकरम उस विचारधारा का प्रतिनिधित्व करता है जो मानती है कि अपने विचारों को थोपने के लिए किसी की जान लेना जायज है। वह एक क्रूर हत्यारा था, जो शिक्षा के बावजूद नैतिक रूप से जाहिल साबित हुआ।

अहमद अल-अहमद: फलों की दुकान वाला असली नायक दूसरी तरफ, अहमद अल-अहमद हैं। वह कोई कमांडो नहीं, बल्कि एक साधारण पिता हैं और फलों की दुकान चलाते हैं। शायद उनकी शैक्षणिक योग्यता नवीद जितनी भारी न हो, लेकिन उनके संस्कार नवीद से कहीं ज्यादा ऊँचे साबित हुए। जब नवीद अकरम अपनी राइफल से आग उगल रहा था, तब सफेद शर्ट पहने अहमद ने जो किया, वह अद्वितीय साहस का प्रतीक है। वीडियो फुटेज में स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि अहमद ने अपनी जान की बाजी लगाकर नवीद को पीछे से दबोचा, उसे जमीन पर पटक दिया और उसके हाथ से राइफल छीन ली। यदि अहमद उस निर्णायक पल में हिम्मत न दिखाते, तो शायद मरने वालों का आंकड़ा और भी भयावह होता।

कांग्रेस ने प्रशासन पर साधा निशाना जिला अध्यक्ष ज्ञान सिंह बोले- जनता त्रस्त और अधिकारी मौन

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले में बढ़ती आपराधिक घटनाओं और प्रशासनिक उदासीनता को लेकर कांग्रेस ने सोमवार को प्रशासन पर गंभीर आरोप लगाए। जिला कांग्रेस अध्यक्ष ज्ञान सिंह ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि सीधी जिला अपराध, भय और अव्यवस्था के दौर से गुजर रहा है, जबकि जिम्मेदार अधिकारी जनता की समस्याएं सुनने को तैयार नहीं हैं। ज्ञान सिंह ने प्रशासन की संवेदनहीनता पर सवाल उठाते हुए कहा कि जनसुनवाई केवल औपचारिकता बनकर रह गई है। उन्होंने उदाहरण दिया कि सीधी सांसद

डॉ. राजेश मिश्रा के पुत्र को भी जनसुनवाई में अपनी समस्या बताने का अवसर नहीं मिला, ऐसे में आम नागरिकों की सुनवाई कैसे होगी।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि पिछले एक वर्ष में जिले में दर्जन से अधिक हत्याएं हुई हैं। कई मामलों में आरोपी अब तक गिरफ्तार नहीं हुए हैं और अपराध की गुत्थी भी नहीं सुलझ पाई है। उन्होंने हेड कॉन्स्टेबल की मौत का भी जिक्र किया, जिसके आरोपी पति की गिरफ्तारी न होने से कानून-व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं।

प्रेसवार्ता को संबोधित करते कांग्रेस जिला अध्यक्ष: ज्ञान सिंह ने प्रशासनिक अधिकारियों के रवैये की आलोचना करते हुए कहा कि कलेक्टर सहित कई जनप्रतिनिधि आम जनता के फोन नहीं उठाते। उन्होंने ग्राम कुर्रेवाह का उदाहरण दिया, जहां रेलवे विभाग द्वारा पीसीसी सड़क उखाड़ने से आवागमन बाधित हो गया है। संबंधित अधिकारियों की उदासीनता के कारण ग्रामीण भयभीत हैं और अपनी समस्या खुलकर नहीं बता पा रहे हैं।

कांग्रेस अध्यक्ष ने यह भी बताया कि प्रभारी मंत्री के कार्यक्रम का जिले के पत्रकारों ने बहिष्कार किया था, क्योंकि उनकी बातों को भी लगातार नजरअंदाज किया जा रहा है। ज्ञान सिंह ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के दो साल पूरे होने के बावजूद सीधी जिले में विकास के नाम पर केवल घोषणाएं हुई हैं, धरातल पर कोई ठोस कार्य नहीं हुआ है।

प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़एक्सीलेंस में वंदे मातरम गायन प्रशिक्षण कार्येक्रम आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस संजय गांधी स्मृति शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीधी में उच्च शिक्षा विभाग के आदेशानुसार वंदे मातरम गायन का प्रशिक्षण एवं अभ्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन प्राचार्य प्रभाकर सिंह की अध्यक्षता में किया गया कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की पूजा-अर्चना के साथ किया गया। इसके पश्चात महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं को वंदे मातरम गायन का अभ्यास कराया गया तथा सामूहिक रूप से वंदे मातरम का गायन किया गया। प्राचार्य प्रभाकर सिंह ने वंदे मातरम के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं राष्ट्रभाव से जुड़े महत्व पर सारगर्भित व्याख्यान देते हुए विद्यार्थियों को इसके भावार्थ से अवगत कराया। वंदे मातरम गायन अभ्यास कार्यक्रम में नोडल अधिकारी राममिलन कुम्हार, सहायक नोडल अधिकारी गंगा देवी बैरागी सहित विभा कुशवाहा, बिंदु कुमारी, राज लाल पटेल एवं रामानुज पटेल उपस्थित रहे।

बलकर की टक्कर से दो की मौत महिला-पुरुष ने मौके पर दम तोड़ा

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले के बहरी थाना क्षेत्र अंतर्गत अमहा तिराहे पर सोमवार दोपहर एक सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार बलकर वाहन ने सामने से आ रही एक बाइक को टक्कर मार दी, जिससे बाइक सवार एक महिला और एक पुरुष की मौके पर ही मौत हो गई। यह घटना दोपहर करीब 2:00 बजे हुई। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि बाइक सवार महिला और पुरुष सीधी की ओर आ रहे थे, जबकि बलकर वाहन सिंगरौली की दिशा से आ रहा था।

अमहा तिराहे के पास बलकर ने बाइक को टक्कर मारी। हादसे के बाद चालक मौके से भागने का प्रयास करने

लगा।

घटना होते ही आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल डायल 112 और एंबुलेंस को सूचना दी। हालांकि, पुलिस और एंबुलेंस के मौके पर पहुंचने से पहले ही दोनों मृतकों की जान जा चुकी थी। घटनास्थल पर मृतक पुरुष की जेब से मिले आधार कार्ड के अनुसार, वह सिंगरौली जिले के ग्राम खुरमुचा का निवासी प्रतीत होता है। आधार कार्ड पर नौगई रावत नाम दर्ज है। महिला मृतक की पहचान परिजनों के आने के बाद ही स्पष्ट हो पाएगी

घटना की सूचना मिलते ही बहरी थाना प्रभारी राजेश पांडे पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि हादसे के बाद फरार हुए बलकर वाहन को पकड़ लिया गया है।

वाहन चालक से पूछताछ जारी है। पुलिस मोबाइल नंबर और अन्य माध्यमों से मृतकों के परिजनों से संपर्क करने का प्रयास कर रही है। प्रथम दृष्टया मृतक सिंगरौली जिले के निवासी प्रतीत हो रहे हैं।

रसमोहनी बाजार में फिर घुसा भालू पुलिस ने खदेड़ा, ग्रामीणों में दहशत लोग बोले- मौके पर कोई वनकर्मी नहीं आया

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल जिले के जैतपुर वन परिक्षेत्र की रसमोहनी बस्ती में भालू का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। पिछले दो सप्ताह में यह पांचवीं बार है जब भालू गांव के बाजार क्षेत्र में घुस आया। बार-बार हो रही इस घटना से ग्रामीणों में डर का माहौल है और वन विभाग के सुरक्षा इंतजामों पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

रात में बाजार पहुंचा भालू: रविवार रात एक बार फिर भालू रसमोहनी बाजार में देखा गया। उसी समय जैतपुर थाने की पुलिस टीम इलाके में

पेट्रोलिंग कर रही थी। पुलिस ने वाहन की लाइट और सायरन बजाकर भालू को जंगल की ओर खदेड़ा। ग्रामीणों का कहना है कि पुलिस की समय पर मौजूदगी से बड़ा हादसा टल गया। लोग बोले- वन विभाग के दावों की पोल खुली स्थानीय लोगों के अनुसार, भालू की लगातार आवाजाही की जानकारी कई बार वन विभाग को दी जा चुकी है। विभाग की ओर से यह कहा गया था कि क्षेत्र में गश्त बढ़ा दी गई है।

नगर परिषद मझौली अध्यक्ष उप निर्वाचन 2025

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। उपखंड अधिकारी एवं रिटर्निंग ऑफिसर नगर परिषद मझौली ने जानकारी दी है कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा नगर परिषद मझौली के अध्यक्ष पद हेतु उप निर्वाचन वर्ष 2025 के लिए घोषित कार्यक्रम के अनुसार नामांकन प्रक्रिया 08 दिसंबर से 15 दिसंबर तक संपन्न हुई है निर्धारित अवधि में कुल आठ अभ्यर्थियों द्वारा नाम निर्देशन पत्र कार्यालय में प्रस्तुत किए गए हैं। नामांकन प्रस्तुत करने वाले अभ्यर्थियों में लवकेश सिंह, रजनीश कुमार, रूबी सिंह, विदेश कुमार सिंह बघेल, शंकर प्रसाद, मार्तण्ड कुमार, गोरेलाल तथा श्रीनिवास सिंह शामिल हैं।

हाईकोर्ट का आदेश, निगम की बैठक 30 दिन में हो सिंगरौली पार्षद की याचिका पर सुनवाई

अविश्वास प्रस्ताव पर 2 महीने तक नहीं हुई कार्रवाई

मीडिया ऑडीटर, संगरौली (निप्र)। जबलपुर हाईकोर्ट ने सिंगरौली नगर निगम में अविश्वास प्रस्ताव को लेकर आदेश जारी किया है। न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की एकलपीठ ने कलेक्टर सिंगरौली को निर्देश दिया है कि नगर निगम अधिनियम 1956 की धारा 23-ए(2)(द्व) के तहत अविश्वास प्रस्ताव से संबंधित आवेदन पर 30 दिनों के भीतर बैठक बुलाने की प्रक्रिया पूरी की जाए।

यह आदेश सिंगरौली नगर निगम के वार्ड क्रमांक 39 के पार्षद अनिल कुमार बैंस की दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई के बाद पारित किया गया। याचिका में आरोप लगाया

गया था कि नगर निगम के एक-तिहाई से अधिक पार्षदों के अविश्वास प्रस्ताव के लिए आवेदन दिए जाने के बावजूद कलेक्टर स्तर पर कोई कार्रवाई नहीं की गई थी। सुनवाई के दौरान शासन की ओर से पेश अधिवक्ता ने याचिकाकर्ता की मांग पर कोई आपत्ति नहीं जताई। हालांकि, उन्होंने कहा कि आवेदन में हस्ताक्षरों की तथ्यात्मक स्थिति कलेक्टर चेक करेंगे। इस पर हाईकोर्ट ने स्पष्ट किया कि कलेक्टर को आवेदन (एनेक्सचर पी-1) पर विधि अनुसार निर्णय लेना होगा।

पार्षद अनिल कुमार बैंस ने बताया कि कलेक्टर के अविश्वास प्रस्ताव पर करीब दो महीने तक कोई कार्रवाई नहीं किए जाने के बाद वे नवंबर के दूसरे सप्ताह में हाईकोर्ट पहुंचे थे। उन्होंने कहा कि उनके पास 50 में से 22 पार्षदों के समर्थन वाला पत्र मौजूद है और अब कोर्ट के आदेश से उन्हें न्याय मिलने की उम्मीद है।हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया है कि उसने मामले के गुण-दोष (मेरिट) पर कोई टिप्पणी नहीं की है। इस आदेश के साथ ही याचिका का निपटारा कर दिया गया।

नई चेतना अभियान 4.0 के तहत कलश यात्रा, रैली और जेंडर शपथ गतिविधि आयोजित

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत एवं जिला परियोजना प्रबंधक के मार्गदर्शन में आज उजाला सीएलएफटीकटकला में नई चेतना अभियान 4.0 के तहत तीसरे सप्ताह के अंतिम दिवस की गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस दौरान कलश यात्रा, रैली, रंगोली और जेंडर शपथ सहित अन्य गतिविधियाँ आयोजित की गईं। जिला इकाई से जेंडर नोडल हरि राम त्रिपाठी, सहायक जिला प्रबंधक सामुदायिक प्रशिक्षण प्रशान्त कुमार मिश्रा, विकासखंड प्रबंधक अशोक पाण्डेय, सीएलएफ नोडल एवं ब्लॉक जेंडर नोडल मनोज मिश्रा, सीएलएफ अध्यक्ष एवं सचिव, समता समन्वयक प्रीति जायसवाल, समता सखी रिअंजना सिंह, कलावती सिंह, समस्त ग्राम संगठन पदाधिकारी।

पार्सल गोदाम में लगी आग शॉर्ट सर्किट की आशंका एक घंटे में पाया काबू

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल शहर के सोहागपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत बाणगंगा मेला मैदान के पास स्थित एक ऑनलाइन पार्सल गोदाम में भीषण आग लग गई। इस दौरान एस.एस. पार्सल एवं ट्रांसपोर्ट का पूरा गोदाम जलकर खाक हो गया। प्रारंभिक अनुमान के अनुसार, आग से लगभग दो करोड़ रुपए तक के नुकसान की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों ने अचानक धुआं उठता देखा प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, तड़के सुबह गोदाम से अचानक धुआं उठता दिखाई दिया, जिसके बाद आग की ऊंची लपटें उठने लगीं। स्थानीय लोगों ने तत्काल फायर ब्रिगेड और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही नगर पालिका की तीन दमकल गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने करीब एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। गोदाम में कपड़े, ऑनलाइन पार्सल, पैकेजिंग सामग्री और अन्य ज्वलनशील सामान बड़ी मात्रा में रखा होने के कारण आग बुझाने में काफी परेशानी हुई। गोदाम में कपड़े, ऑनलाइन पार्सल, पैकेजिंग सामग्री सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया है। गोदाम में कपड़े, ऑनलाइन पार्सल, पैकेजिंग सामग्री सहित अन्य सामान जलकर राख हो गया है।

शॉर्ट सर्किट से आग की आशंका: आग लगने के कारणों का फिलहाल स्पष्ट खुलासा नहीं हो सका है। हालांकि, प्रारंभिक जांच में शॉर्ट सर्किट की आशंका जताई जा रही है। सोहागपुर थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और पंचनामा कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रशासनिक अमला भी नुकसान का आकलन करने में जुटा है।

स्थानीय व्यापारियों ने बताया कि अगर आग पर समय रहते काबू नहीं पाया जाता, तो यह आसपास की दुकानों और रिहायशी इलाकों तक फैल सकती थी, जिससे बड़ा नुकसान हो सकता था। राहत की बात यह रही कि इस भीषण अग्निकांड में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई। प्रशासन जांच रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है, जिसके बाद आग लगने के वास्तविक कारणों का खुलासा होगा।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ एवं मिशन शक्ति के प्रचार हेतु जागरूकता रथ रवाना

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग, सीधी द्वारा आज 15 दिसम्बर 2025 को बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना एवं हब फॉर इम्पावरमेंट (मिशन शक्ति) अंतर्गत जागरूकता प्रचार रथ को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया जिला पंचायत सीधी परिसर से प्रचार रथ को जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी शैलेन्द्र सिंह सोलंकी, जिला शिक्षा अधिकारी पवन सिंह एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास प्रवेश मिश्रा द्वारा संयुक्त रूप से रवाना किया गया यह प्रचार रथ जिले के उन गांवों एवं शहरी क्षेत्रों में भ्रमण करेगा।

ग्रेड-ए लक्ष्य के साथ सीएम हेल्पलाइन शिकायतों के समाधान के निर्देश

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। जिले की समय-सीमा बैठक कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में जिले में संचालित शासन की प्रमुख योजनाओं, विकास कार्यों, जनकल्याणकारी कार्यक्रमों तथा आमजन से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों की विभागवार विस्तार से समीक्षा की गई।

कलेक्टर ने अधिकारियों को स्पष्ट रूप से निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप सभी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध एवं प्रभावी ढंग से पहुंचाया जाए।

सोमवंशी ने सीएम हेल्पलाइन में दर्ज शिकायतों के निराकरण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर विशेष जोर दिया।

उन्होंने कहा कि शिकायतों का केवल औपचारिक नहीं, बल्कि गुणवत्तापूर्ण और संतोषजनक निराकरण किया जाए, ताकि आमजन का प्रशासन पर विश्वास और अधिक मजबूत हो। प्रत्येक विभाग को ग्रेड-ए प्राप्त करने का लक्ष्य निर्धारित करने, शिकायतों की प्रतिदिन समीक्षा करने तथा लंबित प्रकरणों का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

उपखंड अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित उपखंड स्तरीय समीक्षा बैठकें आयोजित कर लंबित मामलों की निरंतर मॉनिटरिंग करने के निर्देश भी दिए गए।

साथ ही समाधान ऑनलाइन कार्यक्रम के अंतर्गत चयनित विषयों का प्राथमिकता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिए गए कलेक्टर ने कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस से संबंधित बिंदुओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए अद्यतन प्रगति रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

ढलान पर पलटा ट्रैक्टर ड्राइवर की मौत, गर्दन टूटने से गई जान; बरगवां थाना क्षेत्र में हादसा

मीडिया ऑडीटर, संगरौली (निप्र)। सिंगरौली के बरगवां थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम बंधा बाड़ीझरिया भोरतीन गड़ई के पास ढलान पर अनियंत्रित होकर ट्रैक्टर पलट गया। हादसे में ड्राइवर की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक ड्राइवर की पहचान एस.पी. सिंह (25), निवासी ग्राम बदलमाड़ा के रूप में हुई है। वह अपने पिता राम अधार के साथ मिल से चावल लेकर बाड़ीझरिया से अपने गांव लौट रहा था। जानकारी के अनुसार, ट्रैक्टर भोरतीन गड़ई के पास ढलान पर पहुंचा तो तेज रफ्तार के कारण बेकाबू हो गया। ड्राइवर को संभलने या कूदने

का मौका नहीं मिला और ट्रैक्टर सीधे ढलान के नीचे पलट गया।

हादसे में चालक ट्रैक्टर के नीचे दब गया। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ट्रैक्टर पलटते ही चालक की गर्दन टूट गई। ट्रैक्टर का एक हिस्सा उसके पेट में धंस गया। आसपास के लोगों के पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो चुकी थी हादसे में चालक ट्रैक्टर के नीचे दब गया। पीएम के लिए जिला अस्पताल भेजा गया शव ।

घटना की सूचना मिलते ही बरगवां थाना पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए जिला चिकित्सालय भेज दिया है स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया है कि ड्राइवर शराब के नशे में तेज रफ्तार में ट्रैक्टर चला रहा था। उनका कहना है कि शराब और तेज रफ्तार के कारण सिंगरौली जिले में लगातार हादसे हो रहे हैं। बरगवां पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है।

नगर की स्वच्छता और सुरक्षा के लिए अवैध होर्डिंग हटाने का अभियान नगर पालिका क्षेत्र में अवैध होर्डिंग हटाने की सख्त कार्यवाही

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। कलेक्टर स्वरोचिष सोमवंशी के निर्देश पर, नगर पालिका परिषद सीधी द्वारा नगर क्षेत्र में अवैध होर्डिंग एवं विज्ञापन सामग्री हटाने के लिए सख्त कार्यवाही की गई। यह कार्रवाई नगर की स्वच्छता, सौंदर्य और नागरिकों की सुविधा को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से की गई। नगर पालिका की टीम ने नगर क्षेत्र के प्रमुख चौराहों, बाजारों और सार्वजनिक स्थानों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान नियमों का उल्लंघन करते हुए लगे कई अवैध होर्डिंग, बैनर और पोस्टर हटाए गए। अधिकारियों ने बताया कि बिना अनुमति लगाए गए विज्ञापन और होर्डिंग न केवल नगर की सुन्दरता को प्रभावित करते हैं, बल्कि दुर्घटना और सुरक्षा जोखिम भी बढ़ाते हैं। मुख्य

नगर पालिका अधिकारी मिनी अग्रवाल ने कहा कि अवैध होर्डिंग हटाने का यह अभियान लगातार जारी रहेगा और नियमों का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ कठोर वैधानिक कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने नगरवासियों से अपील की कि वे विज्ञापन लगाते समय नगर पालिका से आवश्यक अनुमति प्राप्त करें और निर्धारित नियमों का पालन करें।

नगर पालिका परिषद ने यह भी स्पष्ट किया कि सभी सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता और सुरक्षा बनाए रखने के लिए नियमित निरीक्षण किया जाएगा और आवश्यकतानुसार ऐसे सभी अवैध तत्वों को हटाया जाएगा, ताकि नागरिकों के जीवन में सुविधा और सुरक्षा बनी रहे।

एक और आतंकी हमला, यहूदी समुदाय के लोगों को बनाया निशाना

संपादकीय

विश्व समुदाय को यह समझना होगा कि आतंकवाद का सामना केवल आतंकी गतिविधियों की भर्त्सना करके नहीं किया जा सकता। इस आतंकवाद से निपटने के लिए विश्व समुदाय को एकजुटता के साथ-साथ आवश्यक इच्छशक्ति का भी परिचय देना होगा। आस्ट्रेलियाई शहर सिडनी के समुद्र तट पर आतंकियों ने जिस तरह यहूदी समुदाय के लोगों को निशाना बनाया और दस से अधिक लोगों की जान ले ली, उसने जिहादी आतंक के खतरे को खौफनाक रूप में फिर से सामने खड़ा कर दिया। चूंकि हमलावरों की पहचान हो गई है, इसलिए न तो इसमें संदेह रह जाता है कि वे कट्टरपंथी इस्लामिक विचारधारा से ग्रस्त थे और न ही इसमें कि उनका मकसद यहूदियों को ही निशाना बनाना था, क्योंकि उन पर तब हमला किया गया जब वे हनुक्का पर्व मनाने के लिए बड़ी संख्या में समुद्र तट पर एकत्रित हुए थे। आस्ट्रेलिया सरकार ने इस दिल दहलाने वाले हमले को आतंकी कृत्य तो करार दिया, लेकिन इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि उस पर यह आरोप लग रहा है कि उसने उन चरमपंथी इस्लामिक समूहों की गतिविधियों पर पर्याप्त ध्यान नहीं दिया, जो यहूदियों को धमकाने में लगे हुए थे। इस आतंकी घटना को गाजा में हमास और इजरायल के बीच चली लंबी लड़ाई के परिणाम के रूप में देखा जा रहा है। इस लंबे संघर्ष ने दुनिया भर में यहूदियों के खिलाफ एक माहौल बनाया। यह माहौल चरमपंथी इस्लामिक समूहों की ओर से ही बनाया गया और इसके चलते अमेरिका में भी यहूदियों पर हमले हुए। इसके अतिरिक्त, पश्चिम के अन्य देशों में भी यहूदियों को निशाना बनाने की छिटपुट घटनाएं हुईं, लेकिन यह कहना समस्या का सरलीकरण करना होगा कि गाजा में इजरायल और हमास के बीच के संघर्ष ने ही कट्टरपंथी इस्लामिक समूहों को उग्र होने का अवसर दिया है। यह ध्यान रहे कि पश्चिम के साथ-साथ विश्व के अन्य अनेक देशों में एक लंबे समय से अतिवादी इस्लामिक विचारधारा वाले समूह आतंकी हमले करते रहे हैं। उनमें बड़ी संख्या में लोग मारे भी गए हैं। यह स्वाभाविक है कि आस्ट्रेलिया में हुए आतंकी हमले की वैश्विक स्तर पर निंदा होगी और शोक-संवेदनाएं व्यक्त की जाएंगी, लेकिन केवल इतना ही पर्याप्त नहीं है। दुनिया भर में जिहादी आतंक का खतरा जिस तरह उभर रहा है, उसे देखते हुए विश्व समुदाय को इस खतरे का मिलकर सामना करने की आवश्यकता है।

कट्टरवाद के साये में संस्कृत की गूंज, पाकिस्तान से उठती साझा सांस्कृतिक पुनर्जागरण की अनोखी लहर

कांतिलाल मांडोत

पाकिस्तान जैसे देश में, जहाँ पहचान की राजनीति, धार्मिक कट्टरता और इतिहास की विभाजक व्याख्याएँ अक्सर हावी रही हैं, वहाँ संस्कृत के श्लोकों और मंत्रों की गूंज किसी आश्चर्य से कम नहीं है। आज़ादी के बाद पहली बार लाहौर यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज़ में औपचारिक रूप से संस्कृत का विश्वविद्यालय स्तरीय पाठ्यक्रम शुरू होना केवल एक शैक्षणिक पहल नहीं है, बल्कि यह भारतीय उपमहाद्वीप की साझा सांस्कृतिक विरासत को फिर से चुनने की एक साहसिक कोशिश भी है। यह पहल बताती है कि भाषाएँ और संस्कृतियाँ सीमाओं से बड़ी होती हैं और इतिहास को समझने का रास्ता टकराव नहीं, संवाद से होकर जाता है।

लाहौर यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज़ ने तीन महीने की विशेष संस्कृत वर्कशॉप के बाद इस पाठ्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान वेदों, पुराणों, संस्कृत व्याकरण और दर्शन पर विस्तार से चर्चा हुई। कक्षाओं में संस्कृत के श्लोकों की ध्वनि गूंजी और उन पर तार्किक व ऐतिहासिक विमर्श हुआ। उल्लेखनीय बात यह रही कि इसमें केवल विद्यार्थी ही नहीं, बल्कि बड़ी संख्या में रिसर्च स्कॉलर और विभिन्न पेशों से जुड़े लोग भी शामिल हुए। यह तथ्य इस बात की पुष्टि करता है कि संस्कृत को केवल धार्मिक भाषा के रूप में नहीं, बल्कि ज्ञान, दर्शन और सभ्यता की भाषा के रूप में समझने की जिज्ञासा पाकिस्तान में भी मौजूद है।

संस्कृत को लेकर अक्सर यह धारणा बना दी गई है कि यह किसी एक धर्म या राष्ट्र की बपौती है। जबकि वास्तविकता यह है कि संस्कृत भारतीय उपमहाद्वीप की बौद्धिक रीढ़ रही है। दर्शन, गणित, खगोलशास्त्र, चिकित्सा, व्याकरण, काव्य और राजनीति तक, ज्ञान के असंख्य स्रोत संस्कृत में रचे गए। पाकिस्तान का भूभाग भी कभी इसी सांस्कृतिक परंपरा का हिस्सा था। तक्षशिला जैसे महान शिक्षाकेंद्र आज के पाकिस्तान में ही स्थित थे, जहाँ दूर-दूर से विद्यार्थी ज्ञानार्जन के लिए आते थे। ऐसे में संस्कृत को पूरी तरह नकार देना, अपने ही अतीत से मुँह मोड़ने जैसा होता।

लाहौर यूनिवर्सिटी ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज़ के निदेशक डॉक्टर अली उस्मानी का कथन इस पहल की आत्मा को स्पष्ट करता है। उनके अनुसार संस्कृत कोई बाहरी या पराई भाषा नहीं, बल्कि साझा विरासत है। जब विश्वविद्यालय उर्दू, पंजाबी, पश्तो, सिंधी, बलोची, अरबी और फ़ारसी पढ़ा सकता है, तो संस्कृत क्यों नहीं। कई शब्दों की जड़ें संस्कृत में हैं और उपमहाद्वीप की भाषाएँ उसी से विकसित हुई हैं। यह दृष्टिकोण केवल भाषाई नहीं, बल्कि सांस्कृतिक उदारता का परिचायक है, जो आज के दौर में दुर्लभ होती जा रही है।

विश्वविद्यालय की योजना यहीं नहीं रुकती। आने वाले वर्षों में रामायण, गीता और महाभारत जैसे महाकाव्यों पर शोध और पाठ्यक्रम शुरू करने की तैयारी है। यह निर्णय विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि ये ग्रंथ केवल धार्मिक आख्यान नहीं, बल्कि समाज, राजनीति, नैतिकता और मानव स्वभाव पर गहन विमर्श प्रस्तुत करते हैं। इन ग्रंथों का अकादमिक अध्ययन पाकिस्तान के विद्यार्थियों को उपमहाद्वीप के साझा इतिहास को नए दृष्टिकोण से समझने का अवसर देगा। विश्वविद्यालय का दावा है कि अगले दस से पंद्रह वर्षों में ऐसे विद्वान तैयार होंगे जो इस क्षेत्र की सांस्कृतिक जड़ों को नए सिरे से परिभाषित करेंगे।

यह पहल उस पाकिस्तान में हो रही है, जहाँ लंबे समय तक पहचान की राजनीति ने इतिहास को एकांगी दृष्टि से देखने के लिए मजबूर किया। वहाँ संस्कृत पढ़ाने का निर्णय लेना केवल शैक्षणिक साहस नहीं, बल्कि वैचारिक जोखिम भी है। कट्टरपंथी सोच के साये में इस तरह की पहल का विरोध भी संभव है, लेकिन इसके बावजूद इसे आगे बढ़ाना यह दर्शाता है कि पाकिस्तानी समाज के भीतर भी एक ऐसा वर्ग है जो संवाद, अध्ययन और आत्ममंथन में विश्वास करता है।

इस पूरे परिदृश्य की तुलना यदि भारत से की जाए तो एक विचित्र विरोधाभास सामने आता है। भारत, जहाँ संस्कृत और हिंदी की जड़ें गहरी हैं, वहाँ इन भाषाओं के विरोध के स्वर भी सुनाई देते हैं।

वैश्विक स्तरपर भारत में शिक्षक परंपरागत रूप से बच्चों के भविष्य का निर्माता,समाज का मार्गदर्शक और राष्ट्र के बौद्धिक स्तंभ माने जाते हैं।शिक्षा का कार्य केवल ज्ञान का संचार भर नहीं,बल्कि मानवीय मूल्यों,नागरिक चेतना,चरित्र निर्माण और सामाजिक विकास का आधार भी है।किंतु विडंबना यह है कि भारतीय शिक्षा व्यवस्था में शिक्षकों को अक्सर शिक्षण के अतिरिक्त असंख्य गैर-शैक्षणिक कार्यों में झोंक दिया जाता है- जनगणना कार्य,चुनाव आयोग का चुनावी प्रबंधन,स्वास्थ्य विभाग की डोर- टू-डोर गतिविधियाँ, सर्वेक्षण, खाद्यान्न वितरण का रिकॉर्ड, पंचायत गतिविधियाँ और यहां तक कि कई बार स्थानीय प्रशासन द्वारा सौंपे गए तात्कालिक काम भी उन्हें ही करने पड़ते हैं।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि इस असंतुलन ने शिक्षकों के पेशेवर गौरव को प्रभावित किया है और बच्चों की सीखने की गुणवत्ता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े किए हैं।

भारत में शिक्षकों पर बढ़ता गैर- शैक्षणिक बोझ- आवारा कुत्तों की निगरानी तक सीमित होता शिक्षा तंत्र

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

इसी व्यापक संदर्भ में हाल ही में जम्मू- कश्मीर के पुंछ और कुपवाड़ा जिलों में शिक्षकों को स्कूल परिसर के आसपास दिखने वाले आवारा कुत्तों की पहचान ,रिपोर्टिंग, निगरानी और कुत्तों से सावधान रहें जैसे साइनबोर्ड लगाने के आदेश ने एक राष्ट्रीय बहस छेड़ दी है।शिक्षकों ने इस निर्देश को घिनौना,अपमानजनक और हंसी का पात्र बनाने वाला कदम कहा है।यह मामला केवल दो जिलों तक सीमित नहीं,बल्कि यह भारत की शिक्षा प्रणाली के उस संकटपूर्ण ढांचे की ओर संकेत करता है, जिसमें शिक्षक एक मल्टी-डिपार्टमेंट वर्कर बनकर रह गया है। यह विश्लेषण इस पूरी घटना कासामाजिक,प्रशासनिक, न्यायिक, शैक्षणिक और अंतरराष्ट्रीय नजरिए से विस्तृत मूल्यांकन करता है।

साथियों बात अगर हम आदेश की पृष्ठभूमि,जब शिक्षक कुत्तों की गिनती करने लगे इसको समझने की करें तो,पहला मुद्दा जो चर्चा में आया,वह जम्मू कश्मीर राज्य के जहां से अब भारतीय संविधान का अनुच्छेद 370 हटा दिया गया है,पुंछ व कुपवाड़ा जैसे जिलों में जारी आदेश है, जिसमें शिक्षकों को आवारा कुत्तों की गिनती,उनके दिखने के स्थानों कीडॉक्यूमेंटेशन और उनके व्यवहार या घटनाओं की रिपोर्टिंग का कार्य सौंपा गया।शिक्षक संगठनों का कहना है कि यह कदम उनके पेशेवर सम्मान के खिलाफ़ है, और ऐसा लग रहा है मानो शिक्षकों को किसी भी प्रकार का प्रशासनिक बोझ वर्गीकृत कर दिया गया है।आदेशों में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि प्रत्येक विद्यालय एक नोडल अधिकारी नियुक्त करे, जो आवारा कुत्तों के दृश्य की रिकॉर्डिंग करे और उसे जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय में प्रस्तुत करे।यह स्थिति उन दूरस्थ स्कूलों में और भी जटिल है जहाँ शिक्षक पहले से ही बहु-स्तरीय कार्यों में बँधे हुए हैं,स्कूल चलाना ,कक्षाओं का संचालन, मिड-डे मील मॉनिटरिंग,प्रवेश प्रक्रिया,विभागीय रिपोर्टिंग, प्रशासनिक निरीक्षण,आरटीई अनुपालन,ऐसे में कुत्तों की गिनती का कार्य जोड़ना शिक्षकों के कार्यभार को गैर-जरूरी रूप से बढ़ाता है और शिक्षा-गत गुणवत्ता को कम करता है। साथियों बात अगर हम जम्मू- कश्मीर के पुंछ और कुपवाड़ा आदेश क्यों जारी हुआ? इसको समझने की करें तो,जम्मू-कश्मीर प्रशासन का कहना है कि कई जिलों में आवारा कुत्तों की संख्या बढ़ी है और कई स्कूल परिसरों में कुत्तों ने बच्चों पर हमला करने की घटनाएँ दर्ज हुई हैं। सुप्रीम कोर्ट ने भी हाल ही में आवारा कुत्तों की जनसंख्या नियंत्रण और पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम को प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए थे। यही कारण है कि जिला उपायुक्त ने एक महत्वपूर्ण बैठक की, जिसमें निर्णय लिया गया कि,कुत्तों की निगरानी,पशु जन्म नियंत्रण का क्रियान्वयन, नगरपालिकाओं से सहयोग खतरनाक पशुओं पर नजर,छात्रों की सुरक्षा,इन सब उपायों को लागू करने के लिए शिक्षकों को सबसे आसान और उपलब्ध विकल्प समझा गया, क्योंकि वे स्कूल में उपस्थित भी रहते हैं और प्रशासनिक प्रणाली का हिस्सा भी हैं।यह सोच भले प्रशासनिक सुविधा दे, लेकिन यह शिक्षा की वास्तविकता को कमजोर करती है।

साथियों बात अगर हम क्या शिक्षकों को नोडल अधिकारी बनाना आवश्यक था? एक प्रशासनिक आलोचना इसको समझने की करें तो,सीईओ पुंछ और कुपवाड़ा द्वारा जारी आदेशों में शिक्षकों, हेडमास्टरों और प्रिंसिपलों को नोडल अधिकारी बनाकर कुत्तों की उपस्थिति रिपोर्ट करने की जिम्मेदारी सौंपी गई।इस आदेश की आलोचना इसलिए बढ़ी क्योंकि(1)शिक्षक सुरक्षा विशेषज्ञ नहीं हैं (2) उन्हें पशुओं के व्यवहार की तकनीकी जानकारी नहीं (3)जोखिमपूर्ण परिस्थितियों का सामना करना प्रशिक्षित व्यक्तियों का कार्य है।(4)नगर पालिका, पशुपालन और स्थानीय निकायों का यह मूल क्षेत्राधिकार है(5)शिक्षक संवेदनशील दैनिक कार्य कर रहे होते हैं,कुत्तों की निगरानी से उनकी कक्षा बाधित होगी,यह प्रशासनिक प्रक्रिया सरकारी विभागों की कमी को शिक्षकों पर थोपने का एक उदाहरण मानी जा रही है।

साथियों बात अगर हम कुत्तों से सावधान रहें बोर्ड लगाने का निर्देश,प्रतीकवाद या समाधान? इसको समझने की करें तो, आदेश में यह भी कहा गया कि,हर स्कूल के बाहर हर प्रवेश द्वार पर,छात्रों के मार्ग पर बिअवेयर ऑफ़ डॉग्स / कुत्तों से सावधान रहें संदेश वाले बोर्ड लगाना अनिवार्य है।लेकिन शिक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि,बोर्ड लगाने से समस्या हल नहीं होती,यह लंबे समय के समाधान का विकल्प नहीं,यह स्कूल को डर का स्थल बनाता है,बच्चों में मानसिक असुरक्षा का भाव बढ़ा सकता है,यह ऐसे है जैसे किसी खतरनाक क्षेत्र में चेतावनी लगाकर जिम्मेदारी पूरी कर दी गई हो, जबकि असल समस्या सटीक रूप से जस की तस बनी रहती है।

साथियों बात अगर हम सुप्रीम कोर्ट का संदर्भ,प्रशासन की मजबूरी या गलत व्याख्या? इसको समझने की करें तो,सुप्रीम कोर्ट ने आवारा कुत्तों की समस्या पर कहा था कि,राज्य सरकारें पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम चलाएँ नगरपालिकाएँ डॉग वॉर्डन टीमें तैनात करें,प्रशासनिक निकाय वैज्ञानिक योजना बनाएं, नागरिकों की सुरक्षा सर्वोच्च प्राथमिकता है,लेकिन कहीं भी ऐसा नहीं कहा गया कि शिक्षकों को कुत्तों की गिनती करनी चाहिए।यही कारण है कि कई शिक्षक संगठनों ने यह आदेश सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की गलत व्याख्या करार दिया है।

साथियों बात अगर हम शिक्षकों की प्रतिक्रिया- हम शिक्षक हैं, पशु निरीक्षक नहीं इसको समझने की करें तो कई संगठनों ने बयान दिएयह कदम घिनौना है।हमें हंसी का पात्र बना दिया गया।शिक्षकों का अपमान है।यह हमारी पेशेवर गरिमा पर आघात है।हमारा मुख्य कार्य बच्चों को पढ़ाना है, कुत्ते गिनना नहीं।ऑल इंडिया प्राथमिक शिक्षक महासंघ और जम्मू-कश्मीर टीचर्स एसोसिएशन ने कहा कि शिक्षक पहले ही कई गैर-शैक्षणिक बोझ से दबे हुए हैं। यह आदेश शिक्षा प्रणाली की गंभीरता पर प्रश्नचिह्न है। साथियों बात अगर हम गैर- शैक्षणिक कार्यों का शिक्षण परिणामों पर दुष्प्रभाव इसको समझने की करें तो शोध बताते हैं कि,शिक्षक जितना समय पढ़ाने में लगाएंगे, उतनी ही सीखने की दर बढ़ेगी,अतिरिक्त कार्य शिक्षण समय को 20-30 प्रतिशत तक कम कर देता है,प्राथमिक विद्यालयों में यह प्रभाव और अधिक गंभीर है,छात्रों का लर्निंग आउटकम घटता है राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में कहा गया है कि शिक्षकों को केवल शिक्षण पर ध्यान केंद्रित करने देना चाहिए, लेकिन वास्तविकता इससे उलट है। साथियों बात अगर हम अंतरराष्ट्रीय तुलना,क्या अन्य देशों में शिक्षकों से ऐसे कार्य कराए जाते हैं? इसको समझने की करें तो,फ़िनलैंड, जापान, सिंगापुर, दक्षिण कोरिया, यूके, यूएस, फ्रांस, जर्मनी जैसे देशों में,शिक्षक केवल शिक्षण करते हैं,गैर-शैक्षणिक कार्य सख्ती से प्रतिबंधित,सुरक्षा व पशु नियंत्रण के लिए अलग विभाग मल्टी एजेंसी कोऑर्डिनेशन टीम,भारत में उल्टा है- जनगणना शिक्षक, चुनाव शिक्षक, सर्वे शिक्षक, मिड-डे मील स्टॉक शिक्षक कोविड टीकाकरण ड्यूटी शिक्षक पंचायत सर्वे शिक्षक अब आवारा कुत्तों की गिनतीशिक्षकयह अंतर दर्शाता है कि भारत में शिक्षक की भूमिका को प्रशासनिक संसाधन की तरह देखा जाता है, न कि शैक्षिक विशेषज्ञ की तरह।शिक्षकों की प्रतिष्ठा और मानसिक स्वास्थ्य पर प्रभाव- लगातार गैर-शैक्षणिक कार्य शिक्षकों का आत्मविश्वास कम करते हैं,पेशेवर पहचान में भ्रम उत्पन्न करते हैं,मानसिक तनाव बढ़ाते हैं,छात्रों का विश्वास भी प्रभावित होता है,समाज में हास्य और अवमानना का वातावरण बनता है,जब शिक्षक कहते हैं कि उन्हें हंसी का पात्र बनाया गया है, इसका मतलब है कि उनकी पेशेवर छवि धूमिल हो रही है।

साथियों बात अगर हम शिक्षा तंत्र पर गहरा प्रश्न,क्या प्रशासन आसान रास्ता चुन रहा है?इसको समझने की करें तो, आवारा कुत्तों की समस्या का समाधान, पशु जन्म नियंत्रण कार्यक्रम, वैक्सीनेशन,पकड़ने और पुनर्वास की टीम,नगर पालिका की निगरानी पशुपालन विभाग की सक्रियता,लेकिन प्रशासन ने आसान रास्ता चुना शिक्षकों को लगा दोक्योंकि,वे उपलब्ध हैं,वे विरोध कम करेंगे,वे सरकारी तंत्र का हिस्सा हैं,उन पर कार्रवाई करना आसान है,यह दृष्टिकोण शिक्षा नीति के प्रति गैर- गंभीरता दर्शाता है।बच्चों की सुरक्षा महत्वपूर्ण है, लेकिन समाधान तार्किक होना चाहिए, बच्चों को आवारा कुत्तों से बचाना आवश्यक है। यह एक वास्तविक खतरा है। कई राज्यों में कुत्तों के हमलों से बच्चों की मौत भी हुई है। लेकिन समाधान यह नहीं कि,शिक्षक कुत्तों का पीछा करें,शिक्षक घटनाएँ गिनें,शिक्षक नगर पालिका से समन्वय करें समाधान यह है कि,विशेषज्ञ टीमें बनाई जाएँ,बकायदा सुरक्षा गार्ड तैनात हों,स्कूल परिसर की बाड़ मजबूत की जाए,जिला प्रशासन ठोस नीति लागू करे। साथियों बात अगर हम शिक्षा के अधिकार और सुरक्षा केअधिकार के बीच संतुलन आवश्यकइसको समझने की करें तो,बच्चों का अधिकार है-सीखना + सुरक्षित रहना शिक्षक का अधिकार है-सम्मान+पेशेवर स्वतंत्रताप्रशासन का कर्तव्य है-नीति निर्माण+ संसाधन प्रबंधन किसी एक पक्ष पर बोझ डालकर समस्या हल नहीं होती, बल्कि नए संकट जन्म लेते हैं।नीति-निर्माण की आवश्यकता- क्या समाधान हो (1) शिक्षक को गैर- शैक्षणिक कार्यों से मुक्त किया जाए,एनईपी 2020इसका समर्थन करती है।(2) जिला स्तर पर स्कूल सुरक्षा प्रकोष्ठ बनाया जाए (3) कुत्तों को पकड़ने और एबीसी प्रोग्राम के लिए विशेष टीम (4) स्कूलों में सीसीटीवी और फेंसिंग(5) नगर पालिका का उत्तरदायित्व बढ़ाया जाए (6)शिक्षकों के सम्मान और भूमिका की रक्षा।जब समाज देखता है कि शिक्षक कुत्तों की गिनती कर रहे हैं, तो शिक्षक का आदर्श किरदार कमजोर पड़ता है।बच्चों में भी एक गलत संदेश जाता है कि शिक्षकों का कार्य कोई भी मामूली प्रशासनिक काम कर लेना है।शिक्षा का सम्मान तभी बढ़ेगा जब शिक्षक सम्मानित होंगे। अतः अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि शिक्षा तंत्र की प्राथमिकताएँ पुनर्परिभाषित करने की जरूरत जम्मू-कश्मीर में आवारा कुत्तों की समस्या पर जारी आदेश ने एक गंभीर बहस को जन्म दिया है। इससे स्पष्ट होता है कि भारत में शिक्षक का कार्य क्षेत्रअसीमित होता जा रहा है,कभी चुनाव, कभी जनगणना, कभी सर्वे, कभी स्वास्थ्य अभियान और अब कुत्तों की निगरानी तक।यह प्रवृत्ति न केवल शिक्षकों की गरिमा को धूमिल करती है, बल्कि शिक्षा की मूल गुणवत्ता को भी नुकसान पहुंचाती है। शिक्षक राष्ट्र-निर्माता हैं।उन्हें प्रशासनिक फिलर की तरह इस्तेमाल करना किसी भी आधुनिक शिक्षा प्रणाली के लिए उचित नहीं।सभी पक्षों,सरकार, प्रशासन, न्यायपालिका और समाज को मिलकर यह स्वीकारना होगा कि,शिक्षक की गरिमा,शिक्षा की गुणवत्ता राष्ट्र का भविष्य,तीनों एक-दूसरे से गहराई से जुड़े हैं।इसलिए आवश्यक है कि,शिक्षक अपने मूल कार्य यानी शिक्षण पर केंद्रित रह सकें,प्रशासन विशेषज्ञ एजेंसियों के माध्यम से समस्याएँ हल करे,बच्चों की सुरक्षा वैज्ञानिक और व्यवस्थित तरीके से की जाए,आवारा कुत्तों की समस्या वास्तविक है, लेकिन उसका समाधान शिक्षा तंत्र पर बोझ डालकर नहीं, बल्कि एक मजबूत और पेशेवर प्रशासनिक ढांचा तैयार करके किया जाना चाहिए।

आर्थिक अपराधों पर केंद्र की कड़ी कार्यवाही और बदलते भारत की जवाबदेही की नई दिशा

भारत की आर्थिक व्यवस्था ने पिछले एक दशक में जिस प्रकार के बदलावों का अनुभव किया है, वह केवल विकास दर और निवेश प्रवाह तक सीमित नहीं है, बल्कि शासन की पारदर्शिता, वित्तीय अनुशासन और भ्रष्टाचार के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई में भी दिखाई देता है। आर्थिक अपराधों पर केंद्र सरकार द्वारा 2014 के बाद उठाए गए कठोर कदमों ने देश की प्रशासनिक कार्यशैली और जवाबदेही के पैमानों को नये सिरे से परिभाषित किया है। यह परिवर्तन अचानक नहीं आया, बल्कि दशकों से चली आ रही उन गलत नीतियों की प्रतिक्रिया के रूप में उभरा, जिन्होंने भ्रष्टाचार को राजनीति, समाज और उद्योग जगत में गहराई तक पनपने दिया था।

कांतिलाल मांडोत

आजादी के बाद से लंबे समय तक बनी रहने वाली स्थितियों ने आर्थिक अपराधों को फलने फूलने का अवसर दिया। सरकारी तंत्र में भ्रष्टाचार को लेकर शिथिलता, जांच एजेंसियों की सीमित शक्तियाँ, और 'खाओ और खिलाओ' की नीति ने ऐसे माहौल को जन्म दिया जहां बेनामी संपत्तियाँ, हवाला कारोबार, घोटाले और टैक्स चोरी आम बात हो चुकी थी। धीरे धीरे यह एक असंयमित वटवृक्ष की तरह फैलता गया और राष्ट्रीय संपत्ति का क्षरण होता रहा। लेकिन 2014 के बाद देश की आर्थिक और प्रशासनिक नीतियों में आए बदलावों ने भ्रष्टाचार के खिलाफ एक कठोर अभियान की नींव रखी। केंद्र द्वारा लागू की गई रणनीति का सबसे महत्वपूर्ण पहलू था बड़े पैमाने पर की गई जाँच और प्रवर्तन की कार्यवाही। वित्त मंत्री द्वारा संसद में दी गई जानकारी के अनुसार, प्रवर्तन निदेशालय ने अब तक 6444 मामलों में कार्यवाही की तथा 4189.89 करोड़ रुपये मूल्य की संपत्तियाँ जब्त कीं। ईडी ने 22 मामलों में 29 लोगों को गिरफ्तार भी किया है, जो यह दर्शाता है कि आर्थिक अपराधियों के खिलाफ कार्रवाई केवल औपचारिकता न होकर एक ठोस और परिणामोन्मुख प्रयास बन चुकी है। आयकर विभाग की सक्रियता भी इसी दिशा का संकेत देती है। विभाग ने 20 हजार से अधिक मामलों

में जांच की और 13,877 मामलों में कार्रवाई दर्ज की। इससे यह स्पष्ट होता है कि वित्तीय अनुशासन का दायरा केवल बड़े अपराधियों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि व्यापक स्तर पर टैक्स चोरी और अघोषित आय के स्रोतों को भी चिन्हित किया जा रहा है।

आर्थिक अपराधों का स्वरूप भी समय के साथ बदलता गया है। पारंपरिक घोटालों और नकद लेनदेन की जगह अब डिजिटल माध्यमों, वर्चुअल असेट और क्रिप्टोकरेंसी जैसे आधुनिक साधनों ने ले ली है। इसी कारण केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने वर्चुअल डिजिटल असेट के लेनदेन में 44,057 नोटिस जारी कीं। खोजी अभियानों में 888.82 करोड़ की अघोषित आय पकड़ी गई। यह इसलिए संभव हो सका क्योंकि सरकार ने वित्तीय अपराधों की तकनीकी समझ और जांच तंत्र को मजबूत किया। डिजिटल निगरानी और डेटा इंटेलिजेंस के उपयोग ने अपराधियों के लिए छिपने की जगह कम कर दी है।

हालांकि यह कहना गलत होगा कि भ्रष्टाचार पूरी तरह समाप्त हो चुका है। भारत जैसे विशाल और विविध देश में यह चुनौती अभी भी जटिल है। लेकिन इतना स्पष्ट है कि 2014 के बाद भ्रष्टाचार में गिरावट आई है और पारदर्शिता को बढ़ावा देने वाली नीतियाँ अधिक प्रभावी हुई हैं। फिर भी यह लड़ाई अधूरी है। समाज में ऐसी मानसिकता विकसित हो चुकी थी कि बेईमानी को किसी न किसी रूप में स्वीकार किया जाए या उसे व्यवस्था का स्वाभाविक हिस्सा माना जाए। इस मानसिकता को बदलना ही असली चुनौती है। जब तक आम नागरिक, व्यापारी और अधिकारी नैतिक ईमानदारी को अपनी प्राथमिकता नहीं मानेंगे, तब तक किसी भी कानून या नीतिगत सुधार के द्वारा भ्रष्टाचार को पूरी तरह समाप्त नहीं किया जा सकता।

ईमानदारी केवल एक नैतिक मूल्य नहीं बल्कि राष्ट्र की प्रगति का आधार है। ईमानदार धन व्यक्ति को सुख और संतोष देता है, जबकि बेईमानी से कमाया गया धन न केवल सामाजिक प्रतिष्ठा को नष्ट करता है बल्कि व्यक्ति की मूल संपत्ति और मानसिक शांति को भी समाप्त कर देता है। कई उदाहरणों में देखा गया है कि अवैध संपत्ति चाहे कितनी भी बड़ी क्यों न हो, वह अंततः विवाद, अपराध और पतन का कारण बनती है। समाज में यदि ईमानदारी को सम्मान और बेईमानी को अपमान का दर्जा दिया जाए, तभी वास्तविक परिवर्तन संभव होगा। भ्रष्टाचार केवल आर्थिक समस्या नहीं बल्कि राष्ट्रीय चरित्र की चुनौती भी है। यह विकास को रोकता है, प्रशासनिक मशीनरी को कमजोर करता है और जनता के विश्वास को खत्म कर देता है। आर्थिक अपराधों को जड़मूल से समाप्त किए बिना भारत की तेज तरक्की का सपना अधूरा ही रहेगा। यह दुखद सत्य है कि भ्रष्टाचार की जड़ें मजबूत रही हैं, परंतु अब उन्हें उखाड़ने की दिशा में ठोस प्रयास हो रहे हैं। पारदर्शिता, डिजिटल अर्थव्यवस्था, कड़े कानून और कठोर दंड व्यवस्था ने इसकी गति को कम किया है, लेकिन अंतिम सफाई अभी भी शेष है। लूट खसोट की इस पुरानी आदत को बदलना होगा। यह बदलाव केवल सरकारी प्रयासों से नहीं बल्कि समाज की जागरूकता, नागरिकों की भागीदारी और पारदर्शी राजनीतिक संस्कृति से संभव होगा। प्रत्येक नागरिक का यह दायित्व है कि वह भ्रष्टाचार को न तो करे, न बढ़ावा दे और न ही उसे सहन करे। यह विचार धीरे धीरे देश के नए सामाजिक ढांचे का हिस्सा बनता जा रहा है, जो भविष्य में एक स्वच्छ, पारदर्शी और जवाबदेह भारत की नींव रखेगा।

केंद्र द्वारा 2014 के बाद उठाए गए कठोर कदमों ने यह संदेश साफ तौर पर दिया है कि आर्थिक अपराधियों के लिए अब कोई ढील नहीं बचेगी। यह नीति भारत की आर्थिक सेहत को मजबूत बनाने के साथ साथ लोकतांत्रिक मूल्यों को सुरक्षित रखने की दिशा में भी महत्वपूर्ण है। अब आवश्यकता है कि हर स्तर पर इस अभियान को सामाजिक समर्थन मिले और ईमानदारी को भारतीय जीवन का अनिवार्य तत्व बनाया जाए। जब तक भ्रष्टाचार की सफाई जड़ से नहीं होगी, भारत की विकास यात्रा बाधित रहेगी, लेकिन एक मजबूत शुरुआत निश्चित रूप से हो चुकी है और देश इसी दिशा में दृढ़ता से आगे बढ़ रहा है।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के तहत जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम एवं हेल्पलाइन की दी गई जानकारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में बाल विवाह मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत 100 दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम लगातार संचालित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी आदित्य शर्मा के निर्देशानुसार जिला बाल संरक्षण इकाई द्वारा ग्राम कठौतिया स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं उपस्थित जनसमुदाय को बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, 2006 के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। बताया गया कि यदि बालक की आयु 21 वर्ष तथा बालिका की आयु 18 वर्ष पूर्ण होने से पहले विवाह किया जाता है, तो वह बाल विवाह की श्रेणी में आता है, जो कानूनन अपराध है। साथ ही विवाह की वैधानिक एवं सही आयु के बारे में स्पष्ट रूप से समझाया गया।

जागरूकता सत्र में चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098 एवं 181 के बारे में भी जानकारी दी गई और बताया गया कि किसी भी प्रकार के बाल अधिकार उल्लंघन, बाल विवाह या संकट की स्थिति में इन नंबरों पर तत्काल सहायता प्राप्त की जा सकती है। जिले को बाल विवाह मुक्त बनाने के उद्देश्य से उपस्थित सभी लोगों को बाल विवाह नहीं होने देने की शपथ भी दिलाई गई। इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में स्पॉन्सरशिप योजना, 'एक युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान तथा नशे के दुष्परिणामों के बारे में भी जानकारी दी गई। वक्ताओं ने बताया कि नशा न केवल व्यक्ति के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है, बल्कि परिवार और समाज पर भी इसका नकारात्मक प्रभाव पड़ता है।

कार्यक्रम में जिला बाल संरक्षण अधिकारी, संरक्षण अधिकारी, सोशल वर्कर, आउटरीच वर्कर सहित शाला के सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे। सभी ने बाल विवाह उन्मूलन एवं बच्चों के सुरक्षित भविष्य के लिए सामूहिक प्रयास करने का संकल्प लिया। इस जागरूकता कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीण स्तर पर लोगों को कानून, अधिकारों और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।

जल जीवन मिशन पर महत्वपूर्ण सत्र आयोजित

राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत उपसरपंचों का प्रशिक्षण जारी

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान योजनांतर्गत वर्ष 2025-26 में नव-निर्वाचित उपसरपंचों के लिए आयोजित त्रि-दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत 15 दिसंबर 2025 को विकासखंड खड़गवां के नव-निर्वाचित उपसरपंचों के लिए जल जीवन मिशन विषय पर एक महत्वपूर्ण सत्र आयोजित किया गया। यह सत्र अमृत सदन, जनपद पंचायत मनेन्द्रगढ़ के सभाकक्ष में जिला पंचायत संसाधन केंद्र (डीपीआरसी) द्वारा संचालित किया गया। सत्र के दौरान लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के विशेषज्ञों ने जल जीवन मिशन की रूपरेखा, संचालन एवं संधारण की विस्तृत प्रक्रिया पर प्रकाश डाला। उन्होंने शासन के राजपत्र प्रावधानों, ग्राम पंचायत स्तर पर पेयजल योजनाओं के हस्तांतरण की विधि, तथा पेयजल आपूर्ति प्रणालियों के प्रमाणीकरण एवं सत्यापन के विभिन्न चरणों की व्यावहारिक जानकारी प्रदान की।

इसके अतिरिक्त, जल गुणवत्ता परीक्षण की प्रक्रिया, पेयजल स्रोतों के नियमित रखरखाव, सामुदायिक सहभागिता की भूमिका तथा जल संरक्षण जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर भी विस्तार से मार्गदर्शन दिया गया। विशेषज्ञों ने यह स्पष्ट किया कि जल जीवन मिशन की सफलता ग्राम पंचायतों की सक्रिय भूमिका और जनभागीदारी पर निर्भर करती है, जिसमें उपसरपंचों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रशिक्षण में शामिल उपसरपंचों ने सत्र को अत्यंत उपयोगी और ज्ञानवर्धक बताया। प्रतिभागियों ने कहा कि उन्हें जल जीवन मिशन के क्रियान्वयन से संबंधित कई व्यावहारिक पहलुओं की स्पष्ट समझ प्राप्त हुई है, जिसका वे ग्राम स्तर पर प्रभावी उपयोग कर पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने में योगदान देंगे।

कार्यक्रम के माध्यम से नव-निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को योजनाओं के प्रति जागरूक कर ग्राम स्वराज की अवधारणा को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया।

समावेशी शिक्षा के अंतर्गत दिव्यांग विद्यार्थियों हेतु दिव्यांगता आकलन एवं प्रमाण-पत्र शिविर का आयोजन

एमसीबी। जिले में समावेशी शिक्षा को सशक्त एवं प्रभावी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, मनेन्द्रगढ़ द्वारा सत्र 2025-26 के अंतर्गत विशेष आवश्यकता वाले (दिव्यांग) विद्यार्थियों के लिए दिव्यांगता आकलन एवं प्रमाण-पत्र शिविर का आयोजन किया जा रहा है। यह शिविर प्री-प्रायमरी से लेकर कक्षा बारहवीं तक अध्ययनरत दिव्यांग विद्यार्थियों के चिन्हांकन, स्वास्थ्य परीक्षण एवं दिव्यांगता आकलन के उद्देश्य से आयोजित किया गया है। विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी, मनेन्द्रगढ़ द्वारा 12 अगस्त 2025 को प्रेषित पत्र के माध्यम से स्वास्थ्य विभाग एवं समाज कल्याण विभाग के सहयोग से इस शिविर के आयोजन का प्रस्ताव प्रस्तुत किया गया था। प्रस्ताव के अंतर्गत पात्र विद्यार्थियों को नवीन दिव्यांगता प्रमाण-पत्र जारी करने के साथ-साथ पूर्व में जारी प्रमाण-पत्रों का नवीनीकरण किया जाना सुनिश्चित किया गया है।

छत्तीसगढ़ के 25 वर्ष, संघर्ष; संकल्प और समग्र विकास की स्वर्णिम यात्रा

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। 1 नवंबर 2000 को भारत के मानचित्र पर छत्तीसगढ़ एक नए राज्य के रूप में उभरा। मध्यप्रदेश से पृथक होकर बने इस राज्य ने 25 वर्षों की यात्रा में न केवल अपनी पहचान गढ़ी, बल्कि विकास, सामाजिक न्याय और सुशासन के कई नए प्रतिमान भी स्थापित किए। प्राकृतिक संसाधनों से भरपूर, आदिवासी संस्कृति से समृद्ध और कृषि प्रधान छत्तीसगढ़ की यह यात्रा चुनौतियों से शुरू होकर आत्मविश्वास और उपलब्धियों तक पहुँची है।

राज्य गठन और प्रारंभिक चुनौतियाँ: राज्य गठन के समय छत्तीसगढ़ के सामने अनेक समस्याएँ थीं, कमजोर अधोसंरचना, सीमित औद्योगिक आधार, शिक्षा और स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी तथा नक्सल प्रभावित क्षेत्रों की चुनौती। ग्रामीण और आदिवासी बहुल अंचलों में सड़क, बिजली, पानी और प्रशासनिक पहुंच का अभाव स्पष्ट था। ऐसे में शुरुआती वर्षों में सरकार का प्रमुख लक्ष्य मजबूत प्रशासनिक ढांचा खड़ा करना और बुनियादी सुविधाओं का विस्तार रहा। नई राजधानी नवा रायपुर (अटल नगर) की परिकल्पना, जिलों और तहसीलों का पुनर्गठन, पंचायत और नगरीय निकायों को सशक्त बनाना, इन प्रयासों ने विकास की नींव रखी। विकेंद्रीकरण के माध्यम से योजनाओं को गांव-गांव तक पहुंचाया गया।

कृषि: छत्तीसगढ़ की अर्थव्यवस्था की रीढ़: छत्तीसगढ़ को 'धान का कटोरा' कहा जाता है और कृषि राज्य की अर्थव्यवस्था की रीढ़ रही है। पिछले 25 वर्षों में सिंचाई परियोजनाओं का विस्तार, उन्नत बीज, कृषि यंत्रीकरण और किसान हितैषी नीतियों ने खेती को अधिक उत्पादक और लाभकारी बनाया। समर्थन मूल्य पर धान खरीदी, डिजिटल पंजीकरण और समय पर भुगतान जैसी व्यवस्थाओं ने किसानों को आर्थिक सुरक्षा दी। इससे न केवल किसान की आय बढ़ी, बल्कि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिली। आज छत्तीसगढ़ की धान खरीदी व्यवस्था देशभर में एक मॉडल के रूप में देखी जाती है।

आदिवासी विकास और सामाजिक न्याय: छत्तीसगढ़ की आत्मा उसके आदिवासी समाज में बसती है। राज्य गठन के बाद अनुसूचित जनजाति और अनुसूचित जाति के सर्वांगीण विकास के लिए विशेष प्रयास किए गए। वन अधिकार अधिनियम के तहत पट्टों का वितरण, छात्रावास और छात्रवृत्ति योजनाएं, स्वास्थ्य और पोषण कार्यक्रम-इन सबने सामाजिक न्याय को मजबूत किया। महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में स्वयं सहायता समूहों की भूमिका ऐतिहासिक रही है। लाखों ग्रामीण महिलाएं आज आर्थिक गतिविधियों से जुड़कर आत्मनिर्भर बनी हैं और ग्रामीण विकास की धुरी बन चुकी हैं।

शिक्षा और स्वास्थ्य में परिवर्तन: शिक्षा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ ने उल्लेखनीय प्रगति की है। नए प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय, कॉलेज, आईटीआई और विश्वविद्यालय स्थापित हुए।

अवैध शराब के विरुद्ध शिवपुरी पुलिस की सख्त कार्यवाही, 60 लीटर कच्ची शराब व मोटरसाइकिल जप्त; दो आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले में अवैध शराब के परिवहन एवं विक्रय पर रोक लगाने के लिए शिवपुरी पुलिस द्वारा लगातार सख्त अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में चौकी खोड़, थाना भौंती पुलिस ने एक बड़ी कार्यवाही करते हुए दो आरोपियों को अवैध कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस अधीक्षक शिवपुरी अमन सिंह राठौड़ के निर्देशन में, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संजीव मुले एवं एसडीओपी पिछोर प्रशांत शर्मा के मार्गदर्शन में जिलेभर में अवैध शराब कारोबारियों के विरुद्ध अभियान स्तर पर कार्यवाही जारी है। इसी अभियान के तहत चौकी खोड़ थाना भौंती पुलिस को यह सफलता प्राप्त हुई।

14 दिसंबर 2025 को चौकी खोड़ थाना भौंती में पदस्थ सउनि मुनेन्द्र भदौरिया को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई कि दो व्यक्ति एक काले रंग की एचएफ डीलक्स मोटरसाइकिल (क्रमांक एमपी33 एमडब्ल्यू 1753) से हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब बेचने के लिए पिछोर से खोड़ की ओर जा रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए खोड़-पिछोर रोड स्थित राधा स्वामी सत्संग ग्राउंड के पास घेराबंदी की।

कुछ ही देर में बताई गई मोटरसाइकिल आती दिखाई दी, जिस पर दो व्यक्ति सवार थे। पुलिस टीम द्वारा रोके जाने पर मोटरसाइकिल के दोनों ओर लटकी नीले रंग की प्लास्टिक कैनों की जांच की गई, जिसमें देशी हाथ भट्टी की बनी कच्ची शराब पाई गई। पूछताछ में आगे बैठे व्यक्ति ने अपना नाम रोहित पिता सरूआ लोधी (उम्र 26 वर्ष), निवासी ग्राम सालौरा थाना पिछोर तथा पीछे बैठे व्यक्ति ने अपना नाम प्रवेन्द्र पिता शिवकुमार लोधी (उम्र 21 वर्ष), निवासी ग्राम नगरेला थाना पिछोर बताया। आरोपियों से शराब रखने एवं बेचने संबंधी वैध लाइसेंस मांगा गया, जो उनके पास नहीं पाया गया।

मौके से पुलिस ने दो नीली प्लास्टिक कैनों में भरी कुल 60 लीटर कच्ची शराब (कीमत लगभग 6000 रुपये) एवं एक मोटरसाइकिल कीमत लगभग 70,000 रुपये जप्त कर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया है।

खोड़ चौकी प्रभारी कुसुम गोयल की सख्ती से अपराधियों में भय: खास बात यह है कि चौकी खोड़ प्रभारी निरीक्षक कुसुम गोयल के नेतृत्व में क्षेत्र में लगातार सघन धरपकड़ अभियान चलाया जा रहा है। उनकी लगातार और प्रभावी कार्रवाई का ही परिणाम है कि खोड़ चौकी क्षेत्र में अपराधी और अवैध कारोबारी या तो गिरफ्तार हो रहे हैं या क्षेत्र छोड़कर पलायन करने को मजबूर हो चुके हैं। क्षेत्र में पुलिस की सक्रियता से अवैध शराब कारोबार पर बड़ी रोक लगी है।

सराहनीय भूमिका इस सफल कार्यवाही में निरीक्षक घनश्याम भदौरिया (थाना प्रभारी भौंती) उनि. कुसुम गोयल (चौकी प्रभारी खोड़)सउनि. मुनेन्द्र भदौरिया आर. 240 पीकेश कुमार, आर. 109 रविकांत, आर. 441 वीरेन्द्र सिंह, आर. 02 वंटी उमरैया सैनिक 34 निखिल जाटव, सैनिक 314 भागीरथ की सराहनीय भूमिका रही। शिवपुरी पुलिस की यह कार्यवाही स्पष्ट संदेश देती है कि जिले में अवैध गतिविधियों के लिए कोई स्थान नहीं है और आगे भी ऐसी कार्रवाइयाँ लगातार जारी रहेंगी।

भालू के हमले से बुजुर्ग-बच्चा घायल, नाराज लोगों ने डीएफओ और रेंजर पर एफआईआर की मांग की

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में भालू के लगातार हमलों से दहशत का माहौल है। बुधवार सुबह लगभग 8:30 बजे मनेंद्रगढ़ में बुजुर्ग सुरेश चौधरी और एक बच्चे पर भालू ने हमला कर दिया, जिससे वे घायल हो गए। इस घटना के बाद नाराज वार्डवासी और कांग्रेसी नेता सिटी कोतवाली पहुंचे। प्रदर्शनकारियों ने मनेंद्रगढ़ के डीएफओ मनीष कश्यप और रेंजर रामसागर कुर्रे के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने की मांग की। उन्होंने सिटी कोतवाली में जमकर नारेबाजी भी की। उनका कहना है कि शहरी क्षेत्र में पिछले तीन महीने से एक मादा भालू अपने दो शावकों के साथ लगातार विचरण कर रही है।

इस दौरान भालू ने कई लोगों पर हमला किया है। सोमवार को भी एक पेपर हॉकर पर हमला हुआ था, जिसमें हॉकर ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई थी। लोगों की नाराजगी को देखते हुए, नायाब तहसीलदार विनीत सिंह और सिटी कोतवाली प्रभारी दीपेश सैनी मौके पर पहुंचे और प्रदर्शनकारियों को शांत करने का प्रयास किया।

करैरा में नवीन बस स्टैंड निर्माण में रोड़ा बन रहे अवैध कब्जे हटवाए, 15 करोड़ से अधिक भूमि हुई कब्जा मुक्त

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। नगर परिषद बस स्टैंड हेतु वर्ष 2021 से आवंटित भूमि पर से आज प्रशासन ने कलेक्टर रवी?द्र कुमार चौधरी के आदेशानुसार अवैध अतिक्रमण सख्ती से हटवा दिया है। एसडीएम अनुराग निंगवाल ने बताया कि नगर परिषद को आवंटित बस स्टैंड की भूमि जिसके लगभग 65000 वर्ग फुट पर भूमाफियाओं द्वारा अवैध अतिक्रमण करवाया गया था, जिसकी अनुमानित लागत 15 करोड रुपए से अधिक है, पर से 19 अतिक्रमण कर्ताओं के अतिक्रमण को बलपूर्वक बुलडोज़र, जेसीबी से हटा दिया गया। अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई राजस्व, पुलिस, एवं नगर परिषद के संयुक्त अमले द्वारा की गई।

अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही के समय एसडीएम अनुराग निंगवाल, अनुविभागीय अधिकारी पुलिस डॉ.आयुष जाखड़, तहसीलदार कल्पना शर्मा, सीएमओ गोपाल गुप्ता एवं नगर परिषद का अमला मौजूद रहा। उल्लेखनीय है की उक्त अतिक्रमण के कारण नवीन बस स्टैंड निर्माण में देरी हो रही थी। अतिक्रमण हटाने के पश्चात शीघ्र नवीन बस स्टैंड का निर्माण होकर अंतिम रूप मिलेगा, जिससे नगर वासियों को अक्सर जाम की स्थिति निर्मित होती थी, से मुक्ति भी मिलेगी। महुअर पुल से लेकर पुलिस सहायता केंद्र एवं पुराने बस स्टैंड, रेस्ट हाउस के सामने आदि स्थानों पर बसों, टैक्सियों आदि के आवागमन के कारण अक्सर जाम की स्थिति बनी रहती है। जिससे आम नागरिकों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

जिले के 25 उपार्जन केंद्रों में 1526.20 क्विंटल हुई धान खरीदी, डिजिटल टोकन व्यवस्था हो रही कारगर साबित

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। जिले में खरीफ विपणन वर्ष 2025-26 के दौरान धान खरीदी ने भरोसे, पारदर्शिता और सुविधा की नई मिसाल कायम की है। जिले के 25 उपार्जन केंद्रों पर किसानों की लगातार बढ़ती उपस्थिति इस बात का प्रमाण है कि इस वर्ष की व्यवस्था पूरी तरह किसान-हितैषी साबित हो रही है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी की स्वीकृति सीमा और 3100 रुपये प्रति क्विंटल समर्थन मूल्य का निर्णय किसानों के लिए संबल बनकर सामने आया है। इससे न केवल किसानों की आय में वृद्धि हो रही है, बल्कि गांवों की अर्थव्यवस्था को भी नई गति मिल रही है। किसान पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी उपज लेकर उपार्जन केंद्रों तक पहुंच रहे हैं और शासन की व्यवस्था पर उनका भरोसा लगातार मजबूत हो रहा है।

डिजिटल टोकन, पारदर्शी तौल और त्वरित भुगतान से किसानों को मिली राहत: धान खरीदी में लागू डिजिटल टोकन व्यवस्था किसानों के लिए अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है। टोकन प्रणाली से अनावश्यक भीड़, समय की बर्बादी और असुविधा में कमी आई है। फोटो अपलोड सत्यापन, इलेक्ट्रॉनिक मापन और सुव्यवस्थित परिवहन व्यवस्था के चलते प्रत्येक किसान को सही तौल और पारदर्शी प्रक्रिया का लाभ मिल रहा है। धान विक्रय के बाद राशि का सीधे किसानों के बैंक खातों में भुगतान होने से पारदर्शिता और विश्वास का वातावरण बना है। इस त्वरित भुगतान व्यवस्था ने ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को तेज किया है और बाजार में लेन-देन बढ़ा है, जिससे स्थानीय व्यापार और रोजगार को भी अप्रत्यक्ष रूप से लाभ मिल रहा है।

25 केंद्रों में 1526.20 क्विंटल खरीदी, केल्हारी उपार्जन केंद्र रहा अग्रणी: जिले के सभी 25 उपार्जन केंद्रों में आज खरीदी की प्रक्रिया पूरी तरह सुचारू रही। कुल 311 टोकन के माध्यम से 1526.20 क्विंटल धान की खरीदी दर्ज की गई, जो किसानों की सक्रिय भागीदारी और समितियों की सजग कार्यप्रणाली को दर्शाती है। केल्हारी उपार्जन केंद्र ने 26 टोकन से 107.18 क्विंटल धान खरीदी कर जिले में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। इसके बाद कोड़ा केंद्र में 18 टोकन से 94.92 क्विंटल, माड़ीसरई में 21 टोकन से 92.20 क्विंटल, सिंगरौली में 19 टोकन से 91.12 क्विंटल, जनकपुर में 16 टोकन से 90.80 क्विंटल, कुंवारपुर में 16 टोकन से 86.44 क्विंटल, खड़गवां में 15 टोकन से 79.08 क्विंटल और डोड़की में 12 टोकन से 78.16 क्विंटल धान की खरीदी हुई। सभी केंद्रों पर व्यवस्था सुचारू रहने से किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना नहीं करना पड़ा। एमसीबी जिला इस वर्ष धान खरीदी के आंकड़ों में प्रदेश के अग्रणी जिलों में शामिल होने की ओर तेजी से अग्रसर है। किसानों की बढ़ती सहभागिता और शासन की मजबूत व्यवस्था आने वाले दिनों में खरीदी को और अधिक गति देने का संकेत दे रही है।

ओबीसी समाज की हुंकार : 30 जनवरी को भोपाल में होगा ऐतिहासिक आंदोलन, झिराना सरकार मंदिर में बनी रणनीति

मीडिया ऑडीटर, शिवपुरी (निप्र)। जिले के प्रसिद्ध झिराना सरकार मंदिर परिसर में रविवार को ओबीसी समाज की एक महत्वपूर्ण और निर्णायक बैठक आयोजित की गई, जहां पिछड़े वर्ग के संवैधानिक अधिकारों, आरक्षण में व्याप्त विसंगतियों और वर्षों से लंबित मांगों को लेकर व्यापक मंथन किया गया। इस बैठक में जिले भर से बड़ी संख्या में युवा, सामाजिक कार्यकर्ता और समाज के प्रतिनिधि शामिल हुए। बैठक का मुख्य उद्देश्य आगामी 30 जनवरी को भोपाल में प्रस्तावित अनिश्चितकालीन आंदोलन की रूपरेखा तय करना और पूरे ओबीसी समाज को एकजुट करना रहा।

बैठक में वक्ताओं ने स्पष्ट रूप से कहा कि ओबीसी समाज लंबे समय से अपने अधिकारों के लिए संघर्ष कर रहा है, लेकिन अब सब्र का बांध टूट चुका है।

27 प्रतिशत आरक्षण को लेकर बनी असमंजस की स्थिति और 13 प्रतिशत होल्ड किए गए परिणामों के कारण हजारों युवाओं का भविष्य अधर में लटका हुआ है। शिक्षा, रोजगार और सरकारी सेवाओं में ओबीसी समाज को उसका संवैधानिक हक नहीं मिल पा रहा है, जिसे लेकर समाज में गहरा आक्रोश है।

बैठक के दौरान यह भी बताया गया कि आगामी आंदोलन को सफल बनाने के लिए पूरे प्रदेश में व्यापक जनसंपर्क अभियान चलाया जा रहा है। गांव-गांव और ब्लॉक स्तर पर समितियां गठित की गई हैं, जो घर-घर जाकर समाज को आंदोलन से जोड़ने का काम कर रही हैं। पारंपरिक तरीके से पीले चावल देकर लोगों को भोपाल पहुंचने का निमंत्रण दिया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक संख्या में लोग आंदोलन में सहभागी बन सकें।

वक्ताओं ने कहा कि यह आंदोलन किसी एक जाति या वर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि यह पूरे ओबीसी समाज के सम्मान, अस्तित्व और भविष्य की लड़ाई है। यदि आज समाज एकजुट होकर आवाज नहीं उठाएगा, तो आने वाली पीढ़ियों को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। इसलिए 30 जनवरी को भोपाल पहुंचकर अपनी ताकत दिखाना समय की सबसे बड़ी जरूरत है।

बैठक में युवाओं से विशेष रूप से अपील की गई कि वे अपने अधिकारों, रोजगार और शिक्षा में हिस्सेदारी के लिए आगे आएं और आंदोलन को ऐतिहासिक बनाएं। यह आंदोलन न केवल आरक्षण से जुड़ा है, बल्कि प्रदेश की दिशा और दशा तय करने वाला भी साबित होगा। अब चुप रहने का समय नहीं है, बल्कि संगठित होकर निर्णायक संघर्ष करने का समय है।

बैठक के अंत में उपस्थित जनसमूह ने एक स्वर में संकल्प लिया कि जब तक ओबीसी समाज को उसका पूरा अधिकार नहीं मिलेगा, तब तक संघर्ष जारी रहेगा। इसी संकल्प के साथ आंदोलन का नारा गूंजा- 'जब तक अधिकार नहीं मिलेगा, तब तक चैन से नहीं बैठेंगे। चलो भोपाल, 30 जनवरी।'

नर्मदापुरम में ट्रक ने बुजुर्ग महिला को कुचला, मौत

गुस्साए लोगों ने स्टेट हाईवे जाम किया; ड्राइवर को सौंपने की मांग

नर्मदापुरम, एजेंसी। नर्मदापुरम-पिपरिया स्टेट हाईवे पर माखननगर में सोमवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। यहां सरकारी कॉलेज के पास एक ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक के पीछे बैठी बुजुर्ग महिला सड़क पर गिर गईं और ट्रक का पिछला पहिया उनके ऊपर से गुजर गया। इससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना में एक बच्ची भी घायल हुई है। उसकी उम्र 10 साल है। उसे प्राइवेट अस्पताल लाया गया था। पंजा काफी कुचला हुआ था इसलिए प्राथमिक उपचार के बाद उसे भोपाल रेफर किया गया है। बाइक चला रहा युवक बाल-बाल बच गया। हादसे के बाद नाराज परिजनों और स्थानीय लोगों ने हाईवे पर चक्काजाम कर दिया है। सुबह 11.30 बजे से लोग सड़क पर डटे हैं और आरोपी ड्राइवर को उन्हें सौंपने की मांग कर रहे हैं।

पुलिस के मुताबिक, मृतक महिला अहिरवार समाज की थीं और माखननगर के पास ग्राम बज्जरवाडा की रहने वाली थीं। सोमवार सुबह करीब 10.45 बजे वे बाइक से नर्मदापुरम से बज्जरवाडा की ओर जा रही थीं। ट्रक भी उसी दिशा में जा रहा था। माखननगर सरकारी कॉलेज के सामने ओवरटेक करने के दौरान ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही बाइक चालक एक तरफ गिरा, जबकि महिला ट्रक के पिछले पहिए की तरफ जा गिरीं और कुचल गईं। हादसे के बाद बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए। आक्रोशित भीड़ की मांग है कि ट्रक ड्राइवर को उनके हवाले किया जाए। इस कारण सुबह 11.30 बजे से स्टेट हाईवे पर चक्काजाम है। दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गई हैं। स्थिति को देखते हुए माखननगर और सोहागपुर के अलावा नर्मदापुरम से भी पुलिस बल मौके पर बुलाया गया है। पुलिस ने ट्रक और ड्राइवर को कस्टडी में ले लिया है।

रतलाम में 3.75 लाख का डोडा चूरा जब्त

मंदसौर के 2 तस्कर गिरफ्तार; बस के इंतजार में खड़े थे, सप्लायर की तलाश

रतलाम, एजेंसी। रतलाम के रिंगनोद थाना क्षेत्र की माननखेड़ा चौकी पुलिस ने दो तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से 25 किलो अवैध डोडा चूरा जब्त किया है, जिसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत 3.75 लाख रुपए बताई गई है। दोनों आरोपियों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने माननखेड़ा बस स्टैंड के पास कार्रवाई की। पुलिस ने रोड किनारे खड़े आरोपी ईश्वरलाल (30) पुत्र हरिराम सूर्यवंशी और नागेश्वर (21) पुत्र मांगीलाल कुमावत को गिरफ्तार किया। दोनों आरोपी मंदसौर जिले के भावगढ़ थाना क्षेत्र के रहने वाले हैं।

मंदसौर से लेकर आए थे मादक पदार्थ: पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे यह डोडा चूरा मंदसौर जिले के आकोदड़ा निवासी श्यामलाल पिता बद्रीलाल सरगरा से लेकर आए थे। पुलिस ने श्यामलाल को भी मामले में आरोपी बनाया है और उसकी तलाश शुरू कर दी है। माननखेड़ा चौकी प्रभारी राजेश मालवीय ने बताया कि आरोपी शनिवार रात बस में बैठकर रतलाम तरफ जाने वाले थे, लेकिन उससे पहले ही उन्हें दबोच लिया गया। पुलिस ने रविवार शाम को इस कार्रवाई का खुलासा किया। फिलहाल आरोपियों से पूछताछ जारी है।

सागर में ट्रैक्टर-ट्रॉली चोरी का आरोपी गिरफ्तार

भोपाल में लोकेशन ट्रेस हुई; 80 हजार की ट्रॉली जब्त, ट्रैक्टर की तलाश जारी

सागर, एजेंसी। सागर के मोतीनगर थाना क्षेत्र से ट्रैक्टर-ट्राली चोरी के मामले में पुलिस ने रविवार को एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी गई ट्राली (कीमत 80 हजार रुपए) जब्त कर ली है, लेकिन ट्रैक्टर अभी तक नहीं मिला है। पुलिस आरोपी से ट्रैक्टर के बारे में पूछताछ कर रही है। यह गिरफ्तारी जिले में चले पुलिस के कॉम्बिंग गश्त अभियान के दौरान हुई।फरियादी ऋतुराज यादव (शास्त्री वार्ड, पगारा रोड) ने 10 दिसंबर को थाने में शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि 8 दिसंबर की शाम उन्होंने अपना ट्रैक्टर (MP 15 ZK 7305) ट्राली समेत पगारा रोड स्थित यादव होटल के पास एक खाली प्लॉट में खड़ा किया था। अगली सुबह जब वे वहां पहुंचे, तो वाहन गायब मिला।

CCTV से हुई पहचान, भोपाल में रहता है आरोपी: पुलिस ने घटना के बाद आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। जांच में आरोपी की पहचान अनुराग रजक (27) पुत्र भाव सिंह, निवासी ग्राम गेहूंरास (रायसेन) के रूप में हुई। आरोपी वर्तमान में भोपाल के अयोध्यानगर स्थित रत्नागिरी में रहता है।

TI बोले- ट्रैक्टर के बारे में पूछताछ जारी: मोतीनगर थाना प्रभारी जसवंत सिंह ने बताया, 'चोरी के मामले में आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से 80 हजार रुपए कीमत की ट्राली जब्त की गई है। आरोपी से चोरी गए ट्रैक्टर के संबंध में पूछताछ की जा रही है। '

खंडवा के मोरटक्का पुल से कार नर्मदा में गिरी

टक्कर के बाद हाईवा पुल से लटका; दूसरी कार हाईवा में जा घुसी

खंडवा,एजेंसी। खंडवा-इंदौर रोड स्थित मोरटक्का पुल पर रविवार देर रात 1 बजे राखड़ लोड हाईवा ने दो कारों को टक्कर मारी। टक्कर इतनी तेज थी कि एक कार उछलकर रेलिंग तोड़ते हुए 50 फीट नीचे नर्मदा नदी में जा गिरी। वहां मौजूद मछुआरों ने कार ड्राइवर को सुरक्षित बाहर निकाला। हाईवा का अगला हिस्सा पुल से लटक गया। हाईवा ने इंदौर की तरफ से आ रही कार को सामने से टक्कर मारी। कार 3 फीट ऊंचे रेलिंग को तोड़कर सीधे 50 फीट नीचे नदी में गिर गई। उस वक्त नदी में पानी कम था। कुछ मछुआरे वहां मछली पकड़ रहे थे। उन्होंने हिम्मत दिखाई और फौरन पानी में जाकर कार का गेट खोला और ड्राइवर को सुरक्षित निकाला।

हाईवा चालक को झपकी आने की आशंका: हादसे में एक अन्य कार भी क्षतिग्रस्त हुई है। उसके ड्राइवर ने पुलिस को बताया कि पुल संकरा है और सभी अपनी लाइन में चल रहे थे। आशंका है कि हाईवा चालक को झपकी आ गई थी। इसी वजह से उसने कार को टक्कर मारी, जिससे वह उछलकर नदी में जा गिरी। इसके बाद दूसरी कार सीधे हाईवा से भिड़ गई।

रात 1.30 से सुबह 8 बजे तक चला रेस्क्यू: हादसे की सूचना पर मोरटक्का चौकी और बड़वाह पुलिस मौके पर पहुंची। क्रेन मंगवाकर रेस्क्यू शुरू किया गया। रात 1.30 बजे से सुबह 8 बजे तक ऑपरेशन चला, जिसके बाद क्रेन की मदद से कार को नदी से बाहर निकाला गया।

दोनों कारें खंडवा की थी, इंदौर से आ रहे थे: मोरटक्का चौकी प्रभारी लखन डावर के मुताबिक, हाईवा के ड्राइवर के खिलाफ केस दर्ज कर लिया हैं। दो कारें खंडवा जिले की ही थी, जो कि इंदौर से आ रहे थे। दोनों में सिर्फ ड्राइवर थे। जो कार बाहर थी, वह छनेरा के फिलगुड चौराहा निवासी सचिन पिता शिवनारायण मीणा (35) की थी। वहीं नर्मदा में गिरी कार संजय पिता फूलचंद दांगोड़े (25) निवासी मोहना अटूट की थी।

भारी वाहनों पर बैन, लेकिन हाईवा को छूट: हादसे के बाद पुल पर लंबा जाम लग गया। ट्रैफिक को एक्वाडक्ट पुल से डायवर्ट किया गया। सुबह 8 बजे के बाद ही यातायात सामान्य हो सका। मोरटक्का पुल पर भारी वाहनों का निकलना प्रतिबंधित है, लेकिन राखड़ के हाईवा और बल्कर को 'अति आवश्यक सेवा' मानकर कलेक्टर ने छूट दे रखी है।

फरार अपराधियों पर म.प्र. पुलिस का महाअभियान, 3 दिन में 1100 से अधिक वारंटी गिरतार

डीजीपी के निर्देशन में चला विशेष कांबिंग ऑपरेशन, अपराधियों में हड़कंप; कानून-व्यवस्था को मिली मजबूती

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश में कानून-व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा माननीय न्यायालयों के आदेशों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश पुलिस ने फरार अपराधियों के विरुद्ध अब तक का सबसे बड़ा और प्रभावी अभियान चलाया है। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा के निर्देशन में प्रदेश के सभी जिलों में एक साथ तीन दिन का विशेष कांबिंग गश्त एवं छापेमारी अभियान संचालित किया गया जिसमें 1100 से अधिक स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंटियों को गिरफ्तार करने में पुलिस को उल्लेखनीय सफलता मिली है। पुलिस मुख्यालय के अनुसार यह अभियान सुनियोजित रणनीति के तहत चलाया गया जिसमें जिला स्तर पर विशेष टीमें गठित कर रात्रिकालीन गश्त, संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी तथा तकनीकी व मुखबिर तंत्र की मदद ली गई। इस दौरान 700 से अधिक निगरानी बदमाशों, गुंडों, हिस्ट्रीशीटरों एवं आदतन अपराधियों की भी सघन चेकिंग की गई। इस व्यापक कार्रवाई से न केवल लंबे समय से फरार अपराधियों को कानून के दायरे में लाया गया बल्कि अपराधों की पूर्व-रोकथाम में भी अहम सफलता मिली है।

बालाघाट में वर्षों से फरार वारंटी पकड़े गए: बालाघाट जिले में विशेष कांबिंग गश्त के दौरान पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल करते हुए कई वर्षों से फरार चल रहे 51 स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंटियों को गिरफ्तार किया। इसके साथ ही 140 से अधिक निगरानी बदमाशों और सूचीबद्ध अपराधियों के घरों अड्डों एवं संदिग्ध ठिकानों पर छापेमारी कर उनकी गतिविधियों की गहन जांच की गई।

कटनी में प्रहार: कटनी जिले में चलाए गए विशेष अभियान के दौरान 145 वारंटी एवं अपराधियों को हिरासत में लिया गया, जिनमें 23 स्थायी और 82 गिरफ्तारी वारंट शामिल हैं। इसके अलावा अवैध शराब की जमाखोरी और बिक्री से जुड़े 30 नए प्रकरण दर्ज किए गए। नशे की हालत में वाहन चलाने वालों पर मोटर यान अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई कर जुर्माना लगाया गया जिससे सड़क सुरक्षा को भी मजबूती मिली है।

छतरपुर में न्याय पथ अभियान का असर: छतरपुर जिले में न्याय पथ अभियान के तहत बड़ी कार्रवाई की गई। पुलिस ने 40 स्थायी वारंटी, 76 गिरफ्तारी वारंटी और 52 हजार के इनामी अपराधियों सहित 200 से अधिक आरोपियों को गिरफ्तार किया। इनमें अवैध हथियार तस्करी, जुआ-सट्टा संचालन और अवैध शराब कारोबार से जुड़े अपराधी शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान बड़ी मात्रा में अवैध हथियार और नकदी भी जब्त की गई।

मुरैना में दबोचे गए अपराधी: मुरैना जिले में विशेष कांबिंग गश्त के तहत लगभग 125 स्थायी एवं गिरफ्तारी वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। साथ ही 29 हजार के इनामी 7 फरार अपराधियों को भी पुलिस ने दबोच लिया।

हिस्ट्रीशीटर एवं जिलाबदर घोषित आरोपियों के ठिकानों पर छापेमारी कर उनकी गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रखी गई।

250 वारंटी गिरफ्तार: ग्वालियर जिले में कांबिंग गश्त के दौरान 121 स्थायी एवं 129 गिरफ्तारी वारंट सहित कुल 250 वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। इसके अलावा 348 गुंडों और हिस्ट्रीशीटरों की गहन जांच-पड़ताल की गई। अवैध शराब और सट्टा गतिविधियों में लिप्त लोगों पर भी सख्त कानूनी कार्रवाई की गई।

गुना, सीहोर और मंदसौर में भी बड़ी कार्रवाई:- गुना जिले में एक साथ चलाए गए अभियान में 43 फरार वारंटियों को गिरफ्तार किया गया। सीहोर जिले में रात्रिकालीन कांबिंग गश्त के दौरान 145 वारंटियों को हिरासत में लिया गया और 157 निगरानी अपराधियों की जांच की गई। मंदसौर जिले में रात्रिकालीन विशेष अभियान के तहत 175 वारंटियों को गिरफ्तार किया गया जिनमें 130 स्थायी और 42 गिरफ्तारी वारंट शामिल हैं।

धार में सीसीटीवी निगरानी मजबूत

एनवीआर कैमरों की रिपेयरिंग जारी, अपराधों पर नजर

धार, एजेंसी। धार शहर में अपराधों पर नियंत्रण और गतिविधियों की निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरों का नेटवर्क लगातार मजबूत किया जा रहा है। शहर के प्रमुख चौराहों और व्यस्त इलाकों में पहले से ही कैमरे स्थापित हैं। आवश्यकतानुसार नए कैमरे लगाने के लिए अधिकारियों द्वारा जल्द ही निरीक्षण कर प्रक्रिया शुरू की जाएगी।

वर्तमान में, त्रिमूर्ति चौराहे के सिग्नल पर लगे एनवीआर (ऑटोमेटिक नंबर प्लेट रिकॉग्निशन) कैमरों की मरम्मत का कार्य जारी है। भोपाल से मिले निर्देशों के बाद रेडियो विभाग ने यह कार्य शुरू किया है। सिग्नल संबंधी समस्याओं के कारण कुछ कैमरे ठीक से काम नहीं कर रहे थे, जिन्हें अस्थायी रूप से हटाकर सुधारा जा रहा है। मरम्मत पूरी होने के बाद इन कैमरों को पुनः

स्थापित किया जाएगा।

अधिकारियों के मुताबिक, जहां से भी मरम्मत के निर्देश प्राप्त होंगे, वहां यह कार्य लगातार जारी रहेगा ताकि निगरानी व्यवस्था में कोई कमी न आए। वर्तमान में धार शहर में कुल 161 सीसीटीवी कैमरे लगे हैं, जिनमें पीटीजेड (पैन-टिल्ट-जूम) कैमरे भी शामिल हैं। ये कैमरे यातायात, संदिग्ध गतिविधियों और अपराधों पर चौबीसों घंटे नजर रखते हैं।

शहर के अतिरिक्त, जिले की सीमाओं पर भी एनवीआर कैमरे स्थापित किए गए हैं। इनका उद्देश्य जिले में प्रवेश करने वाले और बाहर जाने वाले वाहनों तथा व्यक्तियों पर निगरानी रखना है, जिससे बाहरी अपराधियों पर समय रहते कार्रवाई की जा सके।

पर्यटन नगरी मांडू में 101 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं, जबकि औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर में 137 कैमरे उद्योगों, श्रमिकों और यातायात की निगरानी कर रहे हैं। प्रशासन के अनुसार, नियमित जांच और मरम्मत के साथ भविष्य में आवश्यकतानुसार नए कैमरे भी लगाए जाएंगे, ताकि धार शहर और जिले में कानून व्यवस्था को और अधिक सुदृढ़ किया जा सके।

बैतूल में रात का पारा 7.8 डिग्री तक पहुंचा

दिसंबर में दूसरी सबसे ठंडी रात दर्ज; सुबह भी कोहरा छाया रहा

बैतूल, एजेंसी। बैतूल जिले में ठंड का प्रकोप बढ़ गया है। रविवार-सोमवार की दरमियानी रात न्यूनतम तापमान 7.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस सीजन की दूसरी सबसे ठंडी रात रही। इससे पहले 11 दिसंबर को न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस तक गिर गया था। मौसम विभाग के अनुसार, जिले में 23 नवंबर से तापमान में लगातार गिरावट देखी जा रही है। नवंबर के अंतिम सप्ताह में रात का तापमान 14 से 16 डिग्री सेल्सियस के बीच था, जबकि अधिकतम तापमान 27 से 28 डिग्री सेल्सियस बना हुआ था। दिसंबर के पहले सप्ताह में पारा धीरे-धीरे 10 डिग्री सेल्सियस से नीचे आने लगा। 11 दिसंबर को इस सीजन का सबसे न्यूनतम तापमान 7.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। इसके बाद से दिन के तापमान में भी गिरावट आई है, जो 6 से 15 दिसंबर के बीच 23 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा। 12 दिसंबर के बाद से सुबह तेज सर्द हवाएं और कोहरा महसूस किया जा रहा है। मौसम वैज्ञानिकों का कहना है कि उत्तर दिशा से आ रही ठंडी हवाएं अब मध्य प्रदेश के मध्य हिस्सों तक पहुंच चुकी हैं। इसके परिणामस्वरूप, आने वाले दिनों में न्यूनतम तापमान में और गिरावट आने की संभावना है। सुबह के समय सैर के लिए निकलने वाले लोगों ने भी कड़ाके की ठंड महसूस की। शहर के कई इलाकों में सुबह घना कोहरा छाया रहा। दिन के तापमान में हल्की बढ़ोतरी के बावजूद, शाम होते ही ठंड फिर बढ़ जाती है। मौसम विभाग का पूर्वानुमान है कि अगले तीन दिनों में न्यूनतम तापमान 7 डिग्री सेल्सियस या उससे भी नीचे जा सकता है। इससे बैतूल और आसपास के क्षेत्रों में सर्दी अपने चरम पर पहुंच जाएगी।

रायसेन में घना कोहरा, विजिबिलिटी 25 मीटर तक गिरी

वाहन चालकों ने हेडलाइट जलाई, ठंड से लोग अलाव तापते दिखे

रायसेन, एजेंसी। रायसेन में सोमवार सुबह घना कोहरा छाया रहा। इस सीजन का यह पहला घना कोहरा था, जिसके कारण दृश्यता (विजिबिलिटी) घटकर 25 से 50 मीटर रह गई। वाहन चालकों को हेडलाइट जलाकर चलना पड़ा। कोहरा रुक-रुक कर अलग-अलग स्थानों पर दिखाई दिया। सांची रोड पर विजिबिलिटी सबसे कम, मात्र 25 मीटर दर्ज की गई। कड़ाके की ठंड के बीच लोग अलाव का सहारा लेते और गर्म कपड़ों में लिपटे नजर आए।

7 डिग्री तक पहुंच रहा रात का तापमान: रायसेन में पिछले 10 दिनों से रात का तापमान 7 से 8 डिग्री सेल्सियस के बीच बना हुआ है। बीती रात न्यूनतम तापमान 7.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। सुबह के समय ओस भी देखने को मिली, जिससे घर के बाहर खड़े वाहन और पेड़-पौधे गीले हो गए थे। मौसम विभाग के अनुसार, उत्तरी राज्यों में सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ (वेस्टर्न डिस्टरबेंस) के कारण बादल, बारिश और बर्फबारी का मौसम बना हुआ है। हालांकि, पारा लगातार गिर रहा है। आने वाले दिनों में दो और पश्चिमी विक्षोभ उत्तर भारत में पहुंचेंगे, जिससे पहाड़ों में बर्फबारी और बारिश का दौर जारी रहेगा। इन सिस्टमों के आगे बढ़ने पर बर्फ पिघलेगी और सर्द हवाएं मध्य प्रदेश में आएंगी, जिससे एक बार फिर शीतलहर का दौर शुरू होने की संभावना है।

देवास में सुबह 9 बजे तक कोहरे का असर

न्यूनतम तापमान में 1 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज

देवास, एजेंसी। देवास शहर में मौसम का मिजाज लगातार बदल रहा है। सोमवार को सुबह 9 बजे तक शहर के बाहरी क्षेत्रों में कोहरे का घना असर देखा गया। कोहरे के कारण दृश्यता कम होने से वाहन चालकों को सुबह अपने वाहनों की हेडलाइट्स जलानी पड़ीं। हालांकि, दिन चढ़ने के साथ कोहरे का प्रभाव धीरे-धीरे कम होता गया। पिछले एक दिन में अधिकतम और न्यूनतम दोनों तापमानों में 1-1 डिग्री सेल्सियस की गिरावट दर्ज की गई है। सोमवार को शहर का अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

इससे पहले रविवार को अधिकतम तापमान 27 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस था। तापमान में लगातार हो रहे इस उतार-चढ़ाव से ठंड का असर भी घट-बढ़ रहा है, जिससे फिलहाल कड़ाके की ठंड से लोगों को कुछ राहत मिली है। कृषि क्षेत्र के लिए मौसम अनुकूल बना हुआ है। कई क्षेत्रों में रबी फसलों की बुवाई को एक माह बीत चुका है और किसान फसलों की सिंचाई में व्यस्त हैं। फसलों के लिए वर्तमान मौसम सामान्य स्थिति में है।

एक माह में 96 गौवंश व 38 अन्य पशु मुक्त, तस्करी माफिया की कमर टूटी, सख्त कार्रवाई से खौफ

गौ-तस्करों पर पुलिस का ऑपरेशन क्लीन, पूरे मध्यप्रदेश में मचा महाहड़कंप

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (निप्र)। मध्यप्रदेश पुलिस ने प्रदेशभर में अवैध गौवंश एवं पशु तस्करी के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बड़ी और सख्त कार्रवाई करते हुए तस्करों पर करारा प्रहार किया है। पुलिस की सक्रिय समन्वित और तकनीकी रूप से सशक्त कार्यवाही के चलते इस माह में अब तक 96 गौवंश तथा 38 अन्य पशुओं को सुरक्षित मुक्त कराया गया है। इसके साथ ही तस्करी में प्रयुक्त ट्रक, कंटेनर, पिकअप सहित कई वाहन जब्त किए गए हैं और दर्जनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में प्रस्तुत किया गया है। पुलिस मुख्यालय के अनुसार राज्य सरकार के निर्देश पर गौवंश संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए सभी जिलों में विशेष जांच अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत सीमावर्ती इलाकों हाईवे ग्रामीण मार्गों और संदिग्ध स्थानों पर नाकाबंदी रात्रि गश्त तथा तकनीकी निगरानी बढ़ाई गई है। इसी का परिणाम है कि लगातार अलग-अलग जिलों से बड़ी कार्रवाई सामने आ रही है।

सिवनी में सबसे बड़ी कार्रवाई: सिवनी जिले में थाना कोतवाली पुलिस ने दो अलग-अलग कार्रवाइयों में वाहनों से कुल 63 गौवंश को तस्करों के चंगुल से मुक्त कराया। पुलिस ने मौके से एक ट्रक और एक कंटेनर को जब्त किया है। इस कार्रवाई में 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी अंतरजिला स्तर पर सक्रिय तस्करी नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं। पुलिस नेटवर्क के अन्य सदस्यों की तलाश में जुटी हुई है।

खंडवा में पिकअप वाहनों से पशु बरामद: खंडवा जिले के थाना पंधाना क्षेत्र में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 3 पिकअप वाहनों को रोका। जांच में इन वाहनों से 17 पशु बरामद किए गए जिनमें 2 गौवंश और 15 पाड़े शामिल हैं। जब्त पशुओं की अनुमानित कीमत करीब 8 लाख रुपये बताई गई है। पुलिस ने वाहनों को जब्त कर आरोपियों के खिलाफ पशु क्रूरता अधिनियम सहित अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

शिवपुरी में आयशर ट्रक से 23 भैंसें मुक्त: शिवपुरी जिले के थाना बदरवास पुलिस ने अवैध पशु परिवहन के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए एक आयशर ट्रक को रोका। तलाशी के दौरान ट्रक में ठूंस-ठूंस कर ले जाई जा रही 23 भैंसें बरामद की गईं। इनकी अनुमानित कीमत लगभग 29 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस ने ट्रक को जब्त करते हुए 2 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। **बैतूल, खरगोन और उज्जैन में भी कार्रवाई:-** बैतूल जिले की थाना मुलताई पुलिस ने 8 गौवंश को मुक्त कराते हुए 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया। वहीं खरगोन जिले में दो अलग-अलग प्रकरणों में लगभग 20 लाख रुपये मूल्य के 3 पिकअप वाहन जब्त किए गए और 18 गौवंश को सुरक्षित मुक्त कराया गया। उज्जैन जिले की इंगोरिया पुलिस ने गौ-तस्करी और अवैध शराब परिवहन में प्रयुक्त लगभग 15 लाख रुपये मूल्य का वाहन जब्त किया तथा 5 गौवंश को तस्करों के कब्जे से छुड़ाया।

गौवंश संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध पुलिस:- मध्यप्रदेश पुलिस ने दो टूक शब्दों में कहा है कि गौवंश संरक्षण के प्रति उसकी प्रतिबद्धता अडिग है। किसी भी जिले में गौवंश के विरुद्ध अवैध गतिविधि, तस्करी या क्रूरता बर्दाश्त नहीं की जाएगी। आने वाले दिनों में अभियान को और तेज किया जाएगा तथा तस्करों के पूरे नेटवर्क को ध्वस्त करने के लिए कठोर कदम उठाए जाएंगे।

1.170 किलोग्राम अफीम जब्त, तस्कर गिरफ्तार

सीतामऊ पुलिस ने बाइक सवार आरोपी को पकड़ा

मंदसौर। मंदसौर जिले की सीतामऊ पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ की तस्करी के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 1.170 किलोग्राम अफीम और एक मोटरसाइकिल जब्त की है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान दिनेश पिता फकीरचंद गायरी (36) निवासी सुरखेड़ा के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे सुरखेड़ा-सीतामऊ रोड पर गिट्टी मशीन के पास से पकड़ा। आरोपी अपनी मोटरसाइकिल (एमपी14 एमक्यू 5699) पर अफीम ले जा रहा था। मंदसौर एसपी विनोद कुमार मीणा ने सभी थाना प्रभारियों को अवैध मादक पदार्थों के परिवहन, भंडारण और बिक्री पर रोक लगाने तथा ऐसे व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे। इसी क्रम में, सीतामऊ थाना प्रभारी निरीक्षक कमलेश प्रजापति को मुखबिर से सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर, रविवार शाम थाना प्रभारी ने उपनिरीक्षक ओपी राठौर के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया। टीम ने तत्काल कार्रवाई करते हुए आरोपी दिनेश गायरी को रंगे हाथों पकड़ लिया। जब्त अफीम की अनुमानित कीमत 1.50 लाख रुपये बताई जा रही है, जबकि मोटरसाइकिल की कीमत 50,000 रुपये है। सीतामऊ पुलिस ने आरोपी दिनेश गायरी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 8/18 के तहत मामला (अप.क्र. 795/2025) दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

LBW रिव्यू और हाथ जोड़ती बहन, भाई शुभमन के लिए दुआ करती दिखीं शाहनील गिल, देखें तस्वीरें

धर्मशाला, एजेंसी। धर्मशाला की ठिठुरन, स्विंग लेती गेंद और सीरीज का दबाव–तीसरे टी20 में हर पल रोमांच से भरा था। भारत ने दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात विकेट की जीत के साथ सीरीज में 2-1 की बढ़त जरूर बना ली, लेकिन मैच का सबसे भावुक पल तब आया जब शुभमन गिल पहली ही गेंद पर LBW आउट दिए गए। उसी क्षण स्टैंड्स में बैठीं उनकी बहन शाहनील गिल हाथ जोड़कर दुआ करती नजर आईं। रिव्यू में फैसला पलटा और यह दृश्य सोशल मीडिया पर मिनटों में वायरल हो गया।

शाहनील गिल की दुआ और शुभमन का बचाव: लक्ष्य का पीछा करते हुए भारत की शुरुआत भी तनावपूर्ण रही। पिछली पारी में शून्य पर आउट होने के बाद दबाव झेल रहे शुभमन गिल पहली ही गेंद पर पैड पर लगे और अंपायर ने उंगली उठा दी। गिल ने तुरंत रिव्यू लिया। रिप्ले में हल्का-सा इनसाइड एज दिखा और फैसला पलट गया। जैसे ही 'नॉट आउट' स्क्रीन पर आया, कैमरा स्टैंड्स की ओर गया, जहां शाहनील गिल हाथ जोड़कर दुआ करती दिखीं। यह पल भावनाओं से भरा था और देखते ही देखते सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। गिल ने इसके बाद संभलकर बल्लेबाजी की और 28 गेंदों में 28 रन बनाए। पारी भले ही धारदार न रही हो, लेकिन 'डक' से बचना उनके लिए राहत भरा रहा।

ठंड में तेज गेंदबाजों का कहर: धर्मशाला आमतौर पर रन बरसाने के लिए जाना जाता है, लेकिन इस बार तस्वीर उलट थी। कड़ाके की ठंड और फ्लडलाइट्स के नीचे गेंद ने जबरदस्त स्विंग ली। अर्शदीप सिंह और हर्षित राणा ने नई गेंद से दक्षिण अफ्रीका के टॉप ऑर्डर को झकझोर दिया। शुरुआती ओवरों में ही प्रोटियाज टीम 25/3 पर सिमट गई, जिससे मैच का रुख तय हो गया। कप्तान एडन मार्करम ने एक छोर संभालते हुए 46 गेंदों में 61 रन की जुझारू पारी खेली, लेकिन दूसरे छोर से विकेट गिरते रहे। भारतीय गेंदबाजों की सटीक लाइन-लेंथ और मूवमेंट के सामने मेहमान टीम ज्यादा देर टिक नहीं सकी और 117 रन पर ऑलआउट हो गई।

गेंदबाज रहे असली हीरो: इस मुकाबले में सुर्खियां चाहे किसी भी पल ने बटोरी हों, असली कहानी भारतीय गेंदबाजों की रही। अर्शदीप ने पिछली असफलता के बाद जोरदार वापसी की, वहीं हर्षित राणा ने अतिरिक्त उछाल से बल्लेबाजों को परेशान किया। स्पिनर वरुण चक्रवर्ती ने भी दबाव बनाए रखा और रनगति पर लगाम कसी।

आसान जीत, आगे की राह: 117 रन के लक्ष्य का पीछा भारत ने बिना किसी घबराहट के 15.5 ओवर में कर लिया। अभिषेक शर्मा की तेज शुरुआत और मध्यक्रम की सधी हुई बल्लेबाजी ने जीत सुनिश्चित कर दी। इस जीत के साथ भारत ने सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली है। हालांकि, शुभमन गिल की फॉर्म अब भी चर्चा का विषय है, लेकिन धर्मशाला की उस रात उनकी बहन की दुआ और एक सफल रिव्यू ने एक बड़ी कहानी को वहीं थाम दिया और यही क्रिकेट का जादू है।

भारत पहली बार स्क्वॉश वर्ल्ड कप चैंपियन बना : हॉन्गकॉन्ग को 3-0 से हराकर

चेन्नई, एजेंसी। चेन्नई के एक्सप्रेस एवेन्यू मॉल में खेले गए स्क्वॉश वर्ल्ड कप के फाइनल में भारतीय मिक्स्ड टीम ने हॉन्गकॉन्ग को 3-0 से हराकर इतिहास रच दिया। यह मिक्स्ड टीम इवेंट में भारत का पहला गोल्ड मेडल है। इससे पहले भारत का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2023 में ब्रॉन्ज मेडल रहा था। इस टूर्नामेंट में 12 टीमों ने शॉर्ट और फास्ट फॉर्मेट में हिस्सा लिया। भारत ने सेमीफाइनल में मजबूत मानी जाने वाली मिस्र की टीम को हराकर फाइनल में जगह बनाई थी। फाइनल मुकाबले में भारतीय खिलाड़ियों का दबदबा शुरू से अंत तक बना रहा।

जोशना चिनप्पा में जीत के साथ शुरुआत की: भारतीय टीम की अगुआई दिग्गज खिलाड़ी जोशना चिनप्पा ने की। फाइनल के पहले मुकाबले में जोशना ने हांगकांग की यी ली (वर्ल्ड नंबर-37) को 3-1 से हराकर भारत को बढ़त दिलाई। इसके बाद अभय सिंह ने एलेक्स लाउ को 3-0 से मात दी। निर्णायक मुकाबले में 17 साल की अनाहत सिंह ने टोमेटो हो को 3-0 से हराकर भारत की ऐतिहासिक जीत पक्की कर दी। भारतीय टीम में जोशना चिनप्पा, अभय सिंह, वेलावन सेंथिलकुमार और अनाहत सिंह शामिल थे। मुकाबला देखने रहे।

साउथ अफ्रीकी टीम में बार-बार बदलावों से परेशान स्टेन, चयन में स्थिरता की मांग

नई दिल्ली । साउथ अफ्रीका को भारत के खिलाफ तीसरे टी20 मैच में 7 विकेट से शिकस्त झेलनी पड़ी। इसी के साथ मेहमान टीम 5 मुकाबलों की सीरीज में 1-2 से पिछड़ गई है। साउथ अफ्रीका के पूर्व तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने साउथ अफ्रीका के प्रदर्शन को लेकर चिंता जताते हुए कहा है कि प्रोटियाज को सिलेक्शन में स्थिरता की जरूरत है, क्योंकि बार-बार बदलाव टीम के प्रदर्शन पर असर डाल रहा है। रविवार को धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में मेहमान टीम 117 रन पर ऑलआउट हो गई। आसान लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया ने 15.5 ओवरों में जीत दर्ज कर ली। जियोस्टार से बात करते हुए डेल स्टेन ने एडन मार्करम की कप्तानी वाली टीम के लगातार खराब प्रदर्शन पर चिंता जताते हुए कहा, ÷साउथ अफ्रीका जिस संयोजन को आजमाने की कोशिश कर रहा है, वह हर मैच में कभी भी एक जैसा नहीं होता। मुझे यकीन नहीं है कि वे असल में क्या खोज रहे हैं। इससे बल्लेबाजों में असुरक्षा पैदा होती है क्योंकि उन्हें नहीं पता होता कि वे कहां बैटिंग कर रहे हैं या उनकी भूमिका क्या है।

भारत के खिलाफ दूसरे टी20 मैच में डेविड मिलर ने डोनोवन फरेरा के साथ पांचवें विकेट के लिए 23 गेंदों में 53 रन की अटूट साझेदारी करते हुए मेहमान टीम को जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई थी, लेकिन अगले ही मुकाबले में उन्हें प्लेइंग इलेवन से बाहर कर दिया गया।

डेल स्टेन ने कहा, डेविड मिलर ने पिछले मैच में शानदार बल्लेबाजी करके डोनोवन फरेरा के साथ मिलकर साउथ अफ्रीका को 200 से ज्यादा रन तक पहुंचाया था, और फिर इस तरह के मैच में, एक ऐसे मैदान पर जहां मिलर ने सबसे ज्यादा खेला है, वह बेंच पर बैठे हैं। मुझे समझ नहीं आ रहा कि साउथ अफ्रीका क्या करने की कोशिश कर रहा है।

उन्होने कहा, अगर वे कह रहे हैं कि वे सिर्फ प्रयोग कर रहे हैं, तो ऐसा लगता है कि उन्हें इस बात की परवाह नहीं है कि वे सीरीज जीतते हैं, या नहीं। सिलेक्शन में स्थिरता होनी चाहिए। समय के साथ लगातार बदलाव टीम के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करना बहुत मुश्किल बना देते हैं। तीसरे टी20 मैच में जसप्रीत बुमराह निजी कारण की वजह से नहीं खेल सके। ऐसे में हर्षित राणा को मौका मिला और उन्होंने 2 विकेट हासिल करते हुए सभी को प्रभावित किया है।

स्टेन ने राणा की तारीफ करते हुए कहा, जो बात मुझे सबसे ज्यादा प्रभावित करती है, वह यह है कि हर्षित राणा गेंद अपने हाथ में लेना चाहते हैं। उन्होंने सीरीज के शुरुआती दोनों मैच नहीं खेले। इस मैच में उन्हें मौका मिला, उन्होंने पूरी जान लगाकर तेज गेंदबाजी की। आप शायद ही कभी किसी कप्तान को ओपनिंग बॉलर से लगातार तीन ओवर करवाते हुए देखेंगे, लेकिन दोनों ओपनिंग गेंदबाजों ने ऐसा किया।

तीसरा टी 20: धर्मशाला में भारतीय गेंदबाजों का जलवा, साउथ अफ्रीका महज 117 रन पर ऑलआउट

धर्मशाला। साउथ अफ्रीका ने रविवार को हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में जारी तीसरे टी20 मैच में भारत को जीत के लिए 118 रन का आसान लक्ष्य दिया है। दोनों टीमें 5 मुकाबलों की सीरीज में 1-1 से बराबरी पर हैं। ऐसे में टीम इंडिया के पास इस मुकाबले को जीतकर एक बार फिर बढ़त हासिल करने का शानदार मौका है। मैच में टॉस गंवाकर बल्लेबाजी के लिए उतरी साउथ अफ्रीकी टीम पारी की अंतिम गेंद पर महज 117 के स्कोर पर सिमट गई। साउथ अफ्रीकी टीम की शुरुआत बेहद खराब रही। इस टीम ने चौथी गेंद पर ही रीजा हेंड्रिक्स (0) के रूप में अपना पहला विकेट गंवा दिया। दूसरे ओवर में ही टीम को क्विंटन डी कॉक (1) के रूप में बड़ा झटका लगा। चौथे ओवर में देवाल्ड ब्रेविस (2) भी चलते बने। मेहमान टीम 3.1 ओवरों में 7 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गंवा चुकी थी। यहां से ट्रिस्टन स्टब्स ने कप्तान एडेन मार्करम के साथ चौथे विकेट के लिए 23 रन की साझेदारी करते हुए टीम को 30 रन तक पहुंचाया, लेकिन यहां स्टब्स (9) ने अपना विकेट गंवा दिया। 44 के स्कोर तक 5 विकेट गंवाने के बाद साउथ अफ्रीका के लिए संभलना मुश्किल हो गया था।

स्क्वैश वर्ल्ड कप 2025 जीतकर भारतीय टीम ने रचा इतिहास, पीएम मोदी ने बताया गौरव का पल

नई दिल्ली, एजेंसी। चेन्नई में आयोजित स्क्वैश वर्ल्ड कप 2025 के फाइनल में भारतीय टीम ने टॉप सीड हांगकांग, चीन को 3-0 से करारी शिकस्त देकर इतिहास रच दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने टीम को बधाई देते हुए इसे गौरव का पल बताया। पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, एसडीएटी स्क्वैश वर्ल्ड कप 2025 में इतिहास रचने और अपना पहला वर्ल्ड कप टाइटल जीतने के लिए भारतीय स्क्वैश टीम को बहुत-बहुत बधाई! जोशना चिनप्पा, अभय सिंह, वेलवन सेंथिल कुमार और अनाहत सिंह ने जबरदस्त लगन और पक्का इरादा दिखाया है। उनकी सफलता ने पूरे देश को गर्व महसूस कराया है। इस जीत से हमारे युवाओं के बीच स्क्वैश की लोकप्रियता भी बढ़ेगी। यह भारत का इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में पहला खिताब है। इससे पहले 2023 में भारत को कांस्य पदक मिला था, लेकिन इस बार टीम ने पूरे टूर्नामेंट में एक भी मैच नहीं गंवाया और शानदार प्रदर्शन करते हुए ट्रॉफी पर कब्जा जमाया। भारत स्क्वैश वर्ल्ड कप जीतने वाला पहला एशियाई देश बन गया है। फाइनल मुकाबला चेन्नई के एक्सप्रेस एवेन्यू मॉल में खेला गया। पहले मैच में अनुभवी जोशना चिनप्पा ने हांगकांग की का यी ली को 3-1 (7-3, 2-7, 7-5, 7-1) से हराकर भारत को 1-0 की बढ़त दिलाई। 39 साल की जोशना ने अपनी बेहतरीन कोर्टक्राफ्ट और अनुभव का शानदार इस्तेमाल किया। इसके बाद भारत के नंबर-1 पुरुष खिलाड़ी अभय सिंह ने एलेक्स लाउ को सीधे सेटों में 3-0 (7-1, 7-4, 7-4) से मात देकर स्कोर 2-0 कर दिया।

निर्णायक मैच में 17 साल की युवा स्टार अनाहत सिंह ने टोमाटो हो को 3-0 (7-2, 7-2, 7-5) से हराकर जीत पक्की की। अनाहत टूर्नामेंट की सबसे कम उम्र की खिलाड़ी थीं और उनका प्रदर्शन सराहनीय रहा। वेलवन सेंथिल कुमार भी टीम का हिस्सा थे, हालांकि फाइनल में उनकी जरूरत नहीं पड़ी।

टूर्नामेंट के सफर में भारत ने ग्रुप स्टेज में स्विट्जरलैंड और ब्राजील को 4-0 से हराया। क्वार्टर फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को 3-0 और सेमीफाइनल में दो बार के डिफेंडिंग चैंपियन मिस्र को 3-0 से मात देकर फाइनल में जगह बनाई। पूरी टीम ने लगन, इरादा और टीमवर्क का बेहतरीन नमूना पेश किया।

जयसूर्या की याद दिलाते हैं अभिषेक शर्मा, खौफ में होते हैं गेंदबाज : रॉबिन उथप्पा

नई दिल्ली । भारत के पूर्व क्रिकेटर रॉबिन उथप्पा ने ओपनर अभिषेक शर्मा की खूब तारीफ की। साथ ही उन्होंने तीसरे टी20 इंटरनेशनल में साउथ अफ्रीका के खिलाफ टीम की जीत में उनकी तेज पारी की तुलना श्रीलंका के पूर्व महान खिलाड़ी सनथ जयसूर्या से की। धर्मशाला के हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एचपीसीए) स्टेडियम में मेन इन ब्लू ने प्रोटियाज को सात विकेट से हराकर सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। भारतीय गेंदबाजी आक्रमण ने मैच पर दबदबा बनाया, क्योंकि हर गेंदबाज ने कम से कम एक विकेट लिया, जिससे मेहमान टीम 20 ओवर में सिर्फ 117 रन ही बना पाई। अभिषेक और टॉप-ऑर्डर के बल्लेबाजों ने 118 रन का लक्ष्य आसान बना दिया और भारत ने आसानी से जीत हासिल कर ली।

जियोस्टार पर बात करते हुए, रॉबिन उथप्पा ने अभिषेक शर्मा के टॉप ऑर्डर में आत्मविश्वास का विश्लेषण करते हुए कहा, ÷सीरीज से पहले भी, वह सैयद

मुश्ताक अली ट्रॉफी खेल रहे थे और टीमों को हरा रहे थे। इसलिए आपको पता था कि वह अच्छी फॉर्म में हैं। उन्होंने आगे कहा, यह वहां कुछ समय बिताने की बात है, और मुझे लगता है कि लुंगी एनगिडी की पहली गेंद ने उनके लिए सब कुछ सेट कर दिया। वहां से, उन्होंने पीछे मुड़कर नहीं देखा। वे समझ गए थे कि वे उन्हें मिडिल और लेग स्टंप पर टाइट लेंथ से रोक रहे थे, लेकिन अगर एनगिडी ने थोड़ी सी भी गलती की, तो वह उन्हें सजा देने के लिए तैयार थे। उथप्पा ने अभिषेक की छक्के मारने की क्षमता की भी तारीफ की, उन्हें एक %शक्तिशाली और गतिशील बल्लेबाज बताया। उन्होंने ओपनर की तुलना श्रीलंकाई दिग्गज जयसूर्या से की। उन्होंने कहा कि इस तरह की बल्लेबाजी विपक्षी गेंदबाजों को डराती है और केवल असाधारण फॉर्म वाला खिलाड़ी ही ऐसी शानदार पारी खेल सकता है।

उन्होंने कहा, उन्होंने टी20 क्रिकेट में पहले ही 300 से ज़्यादा छक्के लगाए हैं, जो बताता है कि वह कितने शक्तिशाली और तेज बल्लेबाज हैं। असल में, वह मुझे सनथ जयसूर्या की याद दिलाते हैं - एक ओपनिंग बल्लेबाज के तौर पर पूरी तरह से दबदबा। यह गेंदबाजों में डर और खौफ पैदा करता है, ऐसा कुछ जो आप तभी देखते हैं जब खिलाड़ी शानदार फॉर्म में होते हैं। उन्होंने कहा, उनका यह साल बहुत अच्छा रहा है। टीमें उनके लिए प्लान बना रही हैं, ऐसे एरिया में गेंदबाजी करने की कोशिश कर रही हैं जहां वह स्कोर नहीं करते, लेकिन उनके पास समाधान है। यह प्रोएक्टिव सोच काफी अद्भुत है।÷

उथप्पा ने कप्तान सूर्यकुमार यादव की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि गेंदबाजों का उनका रोटेशन और बदलाव अच्छी तरह से किया गया था और यह समझदारी भरी कप्तानी को दिखाता है। उन्होंने कहा, दोनों तेज गेंदबाजों के स्पेल को बढ़ाना सूर्यकुमार यादव की स्मार्ट कप्तानी थी।

ग्लोबल चैस लीग : अपग्रैड मुंबई मास्टर्स का दमदार आग़ाज़, डिफेंडिंग चैंपियन ट्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स की जीत

मुंबई, एजेंसी। ग्लोबल चेस लीग के तीसरे सत्र की शुरुआत बेहद रोमांचक रही, जहां 'होम टीम' अपग्रैड मुंबई मास्टर्स ने गंगा ग्रैंडमास्टर्स को 17-4 से करारी शिकस्त देकर पहले दिन ही अपने इरादे साफ कर दिए। वहीं, मौजूदा चैंपियन ट्रिवेणी कॉन्टिनेंटल किंग्स ने अल्पाइन एसजी पाइपर्स को 9-7 से हराकर अपने खिताब बचाव अभियान की सफल शुरुआत की। यह लीग टेक महिंद्रा और फ़ीडे की संयुक्त पहल है। मुंबई के रॉयल ओपेरा हाउस में खेले गए उद्घाटन मुकाबले में किंग्स और पाइपर्स आमने-सामने थे। मुकाबले का केंद्र आकर्षण अलिरेज़ा फ़िरोज़ा और फाबियानो कारुआना के बीच आइकन बोर्ड की टक्कर रही। कारुआना ने ब्लैक से आक्रामक सिसिलियन ड्रैगन चुना, लेकिन जोखिम भारी पड़ा। फिरोजा ने सामग्री बलिदान के जरिए मजबूत स्थिति बनाते हुए एंडगेम में शानदार जीत दर्ज की। इससे पहले पाइपर्स को शुरुआती बढ़त तब मिली जब निनो बात्सियाशविली ने ब्लैक से एलेक्ज़ेंड्रा कोस्तेनियुक को हराकर चार अहम अंक दिलाए।लेकिन किंग्स ने वेई यी के जरिए जोरदार वापसी की, जिन्होंने वियना गेम में सफेद मोहरों से अनिश गिरी को मात दी। बहुप्रतीक्षित भारतीय मुकाबले में विदित गुजराती और आर. प्रज्ञानन्दा के बीच बाज़ी ड्रॉ रही। निर्णायक प्रदर्शन के लिए अलिरेज़ा फिरोजा को 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।

दिन के दूसरे मुकाबले में अपग्रैड मुंबई मास्टर्स ने गंगा ग्रैंडमास्टर्स पर पूरी तरह दबदबा बनाया। काले मोहरों से खेलते हुए मैक्सिम वाशिए-लाग्रेव ने विश्वनाथन आनंद को हराकर टीम को शानदार शुरुआत दिलाई। प्रोडिजी बोर्ड पर बार्दिया दानेशवर ने रौनक साधवानी की गलती का फायदा उठाते हुए निर्णायक जीत दर्ज की और स्कोर 4-0 कर दिया। वेस्ली सो और विन्सेंट केमर के बीच मुकाबला साथ ड्रॉ रहा, लेकिन तब तक मास्टर्स टॉप बोर्ड्स पर बढ़त बना चुके थे।

सुपरस्टार खिलाड़ियों ने मुंबई की जीत को और पुख्ता किया। हरिका द्रोणावल्ली और शखरियार ममेद्यारोव ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर दबाव बढ़ाया। गंगा ग्रैंडमास्टर्स की ओर से एकमात्र जीत पोलिना शुवालोवा ने दर्ज की, जिन्होंने कोनेरू हम्पी को हराया। इसके बाद हरिका और ममेद्यारोव की जीत ने किसी भी संभावित वापसी की उम्मीद खत्म कर दी। जीसीएल में पदार्पण कर रहे वेस्ली सो को 'मैन ऑफ द मैच' चुना गया। पहले दिन के तीसरे मुकाबले में पीबीजी अलास्कन नाइट्स, जिसमें गुकेश डी और अर्जुन एरिगैसी की जोड़ी शामिल है, ने हिकारू नाकामुरा की अगुवाई वाली फायर्स अमेरिकन गैम्बिट्स का सामना किया।

राजीव जंजुआ ने सजोबा गोल्फ टूर्नामेंट-2025 में ओवरऑल ग्रॉस खिताब जीता

चंडीगढ़, एजेंसी। सेंट जॉन्स ओल्ड बॉयज़ एसोसिएशन (सजोबा) द्वारा आयोजित सजोबा गोल्फ टूर्नामेंट 2025 का समापन उत्साहपूर्ण माहौल में हुआ। यह टूर्नामेंट ओल्ड बॉय साहिल शर्मा की स्मृति में आयोजित किया गया, जिसमें राजीव जंजुआ ने 76 ग्रॉस के शानदार स्कोर के साथ प्रतिष्ठित ओवरऑल ग्रॉस विनर ट्रॉफी अपने नाम की। चंडीगढ़ गोल्फ क्लब (सीजीसी) में 18-होल टूर्नामेंट में विभिन्न पीढ़ियों के पूर्व छात्र गोल्फरों ने भाग लिया। उल्लेखनीय है कि सजोबा, चंडीगढ़ के प्रतिष्ठित सेंट जॉन्स हाई स्कूल, सेक्टर 26 की पूर्व छात्र एसोसिएशन है। पुरस्कार वितरण समारोह चंडीगढ़ गोल्फ एसोसिएशन (सीजीए) में आयोजित किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में दिप्रवा लाकड़ा, आईएएस, वित्त सचिव, चंडीगढ़ उपस्थित रहे। समारोह में अन्य विशिष्ट अतिथियों में रविबीर सिंह, प्रेसिडेंट, चंडीगढ़ गोल्फ क्लब तथा रंजीत पचनंदा, सेवानिवृत्त आईपीएस, प्रेसीडेंट, चंडीगढ़ गोल्फ एसोसिएशन शामिल थे। इस वर्ष सजोबा गोल्फ टूर्नामेंट का आयोजन 'पैशन फॉर एक्सीलेंस' और गोल्फ को ओलंपिक खेल के रूप में बढ़ावा देने की मजबूत प्रतिबद्धता रखने वाले संगठन जीबी लीजेंड्स के सहयोग से किया गया। कुल 104 गोल्फरों ने विभिन्न श्रेणियों में नेट और ग्रॉस खिताबों के लिए प्रतिस्पर्धा की। हैंडीकैप 0-9 श्रेणी में दिलशेर ग्रेवाल ने 36 अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया, जबकि साहिल सहगल 33 अंकों के साथ रनर अप रहे। हैंडीकैप 10-18 श्रेणी में कड़ा मुकाबला देखने को मिला, जहां मनु खोसला ने 33 अंकों के साथ जीत दर्ज की, जबकि समान अंक होने के बावजूद काउंटबैक (बीबी9) के आधार पर हरमन मंगत रनर अप रहे। हैंडीकैप 19-24 श्रेणी में मनराज सोही ने 30 अंकों के साथ जीत हासिल की और उदय महाजन 29 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहे।

सजोबा के प्रेसिडेंट कुणाल सेखड़ी ने कहा कि इस वर्ष का संस्करण युवाओं की भागीदारी की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित हुआ। खेल संस्कृति को बढ़ावा देने और भविष्य के गोल्फरों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चंडीगढ़ के छह प्रमुख स्कूलों के 7 से 17 वर्ष आयु वर्ग के 40 छात्र गोल्फरों को इस टूर्नामेंट में आमंत्रित किया गया। उनकी उत्साहपूर्ण भागीदारी ने मैदान में नई ऊर्जा भर दी और युवा खिलाड़ियों के लिए अवसरों के विस्तार के प्रति सजोबा की प्रतिबद्धता को दर्शाया।

जूनियर श्रेणी में जयवीर सिंह कंग ने 37 अंकों के साथ विजेता का खिताब जीता, जबकि 35 अंकों के साथ विराज सहगल रनर अप रहे। 60 वर्ष एवं उससे अधिक आयु वर्ग में ब्रिगेडियर एम. एस. धनोआ ने 34 अंकों के साथ जीत दर्ज की, जबकि विंग कमांडर जी. एस. पन्नू ने 32 अंकों के साथ रनर अप बने। प्रायोजक श्रेणी में एम. पी. सिंह ने 79 ग्रॉस के स्कोर के साथ शीर्ष सम्मान हासिल किया।

टूर्नामेंट के दौरान कई रोचक ऑन-कोर्स प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। वनीत खोसला ने उल्लेखनीय 2 इंच के साथ स्ट्रेटेस्ट ड्राइव का पुरस्कार जीता, करनदीप बजाज ने 321 गज की शानदार हिट के साथ लॉन्गेस्ट ड्राइव का खिताब अपने नाम किया, जबकि जयबीर सिंह कंग ने 4 फीट 11 इंच की सटीकता के साथ क्लोज़ेस्ट टू द पिन का पुरस्कार जीता।

आगे विचार साझा करते हुए कुणाल सेखड़ी ने कहा कि यह टूर्नामेंट केवल एक खेल आयोजन नहीं, बल्कि साझा विरासत और सामूहिक गौरव का उत्सव है। साहिल की स्मृति को एक ऐसे आयोजन के माध्यम से सम्मानित करना, जो ओल्ड बॉयज़ को एकजुट करे और युवा गोल्फरों को प्रेरित करे, सजोबा की सच्ची भावना को दर्शाता है।

सजोबा ने टूर्नामेंट की सफलता में योगदान देने वाले सभी प्रतिभागियों, पूर्व छात्रों, छात्रों और वालंटियर्स के प्रति आभार व्यक्त किया तथा 2025 संस्करण को और अधिक सशक्त एवं प्रतिष्ठित बनाने में सहयोग के लिए जीबी लीजेंड्स का विशेष धन्यवाद किया।

भारत बनाम साउथ अफ्रीका- हार्दिक पंड्या ने रचा इतिहास, टी20 क्रिकेट में बनाया महारिकॉर्ड

धर्मशाला, एजेंसी। साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले में भारतीय ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने इतिहास रच दिया है। पंड्या ने इस मैच में ट्रिस्टन स्टब्स का इक लौता विके ट हासिल किया। इसी के साथ पंड्या ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में विकेटों का शतक लगा दिया है। हार्दिक पंड्या टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 1,000 से ज्यादा रन और 100 विकेट हासिल करने वाले पहले सीमर बन गए हैं। उनके अलावा, तीन स्पिन बॉलिंग ऑलराउंडर शाकिब अल हसन, मोहम्मद नबी और सिकंदर रजा ने यह उपलब्धि हासिल की है। हार्दिक पंड्या इस फॉर्मेट में विकेटों का शतक लगाने वाले तीसरे भारतीय हैं। उनसे पहले अर्शदीप सिंह (109) और जसप्रीत बुमराह (101) ने यह मुकाम हासिल किया था। दूसरी ओर, वरुण चक्रवर्ती ने इस मुकाबले में 4 ओवर गेंदबाजी करते हुए महज 11 रन देकर 2 विकेट निकाले। चक्रवर्ती सबसे कम मुकाबलों में 50 टी20 अंतरराष्ट्रीय विकेट हासिल करने वाले दूसरे भारतीय बन गए हैं। उन्होंने 32 मुकाबलों में इस मुकाम को हासिल किया है, जबकि कुलदीप यादव 30 मुकाबलों में ऐसा कर चुके थे। रविवार को हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले में साउथ अफ्रीकी टीम टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 117 रन पर सिमट गई। मेहमान टीम 44 के स्कोर तक अपने 5 विकेट गंवा चुकी थी। इस बीच कप्तान एडेन मार्करम ने 46 गेंदों में 2 छक्कों और 6 चौकों के साथ 61 रन बनाए, लेकिन टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक नहीं पहुंचा सके।

गौरेला पेंड्रा मरवाही, स्टॉक से अधिक पाए जाने पर जप्त की गई 132 बोरी धान

गौरेला पेंड्रा मरवाही, एजेंसी। किसानों से समर्थन मूल्य पर धान खरीदी के दौरान अवैध रूप से धान के भंडारण एवं परिवहन पर कड़ी नजर रखी जा रही है। इसी कड़ी में शनिवार को तहसीलदार पेंड्रारोड शेषनारायण जायसवाल की उपस्थिति में जिला स्तरीय विशेष जांच दल द्वारा निरीक्षण के दौरान धोबहर स्थित अवधराम पाण्डेय के निवास में 132 बोरी (लगभग 53 क्विंटल) धान को तय स्टॉक से अधिक मात्रा में भंडारण के कारण जप्त कर उन्हीं की सुपुर्दगी में दिया गया। उक्त प्रकरण में मंडी अधिनियम के तहत कार्रवाई की जायेगी।

आश्रम-छात्रावास निर्माण कार्यों पर जिला प्रशासन ने स्पष्ट की वस्तुस्थिति

सुकमा, एजेंसी। कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, सुकमा द्वारा दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित 03 वर्षों से अधूरे पड़े हैं 10 आश्रम-छात्रावास संबंधी समाचार के संदर्भ में वास्तविक वस्तुस्थिति स्पष्ट की गई है। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार वित्तीय वर्ष 2021-22 एवं 2022-23 के दौरान जिले में कुल 19 आश्रम-छात्रावास भवनों के निर्माण कार्यों को विधिवत प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई थी। जिसमें से 04 आश्रम-छात्रावास भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण कर संबंधित विभाग को हस्तांतरित किया जा चुका है, जहां छात्र-छात्राओं के प्रवेश उपरांत संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त 04 भवनों में निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है तथा नवीन विद्युत कनेक्शन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है, जिसके पूर्ण होते ही तत्काल स्कूल संचालन प्रारंभ किया जाएगा। शेष 10 भवनों का निर्माण कार्य प्रगतिरत है, जिसे जिला निर्माण समिति, सुकमा द्वारा निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जा रहा है। जिला प्रशासन द्वारा भी स्पष्ट किया गया है कि समस्त प्रगतिरत निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कर सभी भवनों को विभाग को हस्तांतरित किया जाएगा। तत्पश्चात इन भवनों का शिक्षण एवं आवासीय प्रयोजन हेतु पूर्ण रूप से संचालन सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे दूरस्थ एवं आदिवासी अंचलों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण आवासीय एवं शैक्षणिक सुविधाएं सुलभ हो सकें।

आईटीआई सुकमा में हर बेटी को समान अधिकार मिले कार्यक्रम संपन्न

सुकमा, एजेंसी। महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला सुकमा द्वारा 12 दिसम्बर 2025 को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) सुकमा में हर बेटी को समान अधिकार मिले विषय पर शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी शिवदास नेताम के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान, लिंग चयन निषेध, मानव अधिकार, शिक्षा का अधिकार सहित मिशन शक्ति के अंतर्गत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ एवं मिशन वात्सल्य योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही बाल विवाह उन्मूलन एवं बेटियों को समान अधिकार दिलाने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर आईटीआई प्राचार्य श्री चूरामणि गुप्ता, शिक्षकगण, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में जागरूकता बढ़ाकर बालिकाओं के अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना रहा।

03 वर्षों से अधूरे पड़े 10 आश्रम-छात्रावास निर्माण कार्यों पर जिला प्रशासन की वस्तुस्थिति

सुकमा, एजेंसी। कार्यालय सहायक आयुक्त, आदिवासी विकास, सुकमा द्वारा दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित 03 वर्षों से अधूरे पड़े 10 आश्रम-छात्रावास संबंधी समाचार के संदर्भ में वस्तुस्थिति स्पष्ट की गई है। जिला प्रशासन के अनुसार वित्तीय वर्ष 2021-22 एवं 2022-23 के दौरान जिले में कुल 19 आश्रम-छात्रावास भवनों के निर्माण कार्यों को विधिवत प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई थी। प्राप्त जानकारी के अनुसार 04 आश्रम-छात्रावास भवनों का निर्माण कार्य पूर्ण कर संबंधित विभाग को हस्तांतरित किया जा चुका है, जहां छात्र-छात्राओं के प्रवेश उपरांत संचालन प्रारंभ कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त 04 भवनों में निर्माण कार्य पूर्ण हो चुका है तथा नवीन विद्युत कनेक्शन की प्रक्रिया अंतिम चरण में है, जिसके पूर्ण होते ही संचालन तत्काल प्रारंभ किया जाएगा। शेष 10 भवनों का निर्माण कार्य प्रगतिरत है, जिसे जिला निर्माण समिति, सुकमा द्वारा निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण किया जा रहा है।

जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि समस्त प्रगतिरत निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण कर सभी भवनों को विभाग को हस्तांतरित किया जाएगा। तत्पश्चात इन भवनों का शिक्षण एवं आवासीय प्रयोजन हेतु पूर्ण रूप से संचालन सुनिश्चित किया जाएगा, जिससे दूरस्थ एवं आदिवासी अंचलों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण आवासीय एवं शैक्षणिक सुविधाएं सुलभ हो सकें।

शासकीय नवीन महाविद्यालय कोंटा में 'जनजाति गौरव माह-2025' पर कार्यशाला आयोजित

सुकमा, एजेंसी। उच्च शिक्षा विभाग छत्तीसगढ़ शासन के निर्देशानुसार शासकीय नवीन महाविद्यालय कोंटा में 11 दिसंबर को 'जनजाति गौरव माह-2025' के अंतर्गत जनजाति समाज के गौरवशाली अतीत एवं योगदान विषय पर एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि पी. विजय ने कहा कि जनजातियों के विकास से ही बस्तर क्षेत्र का विकास संभव है। मुख्य वक्ता नैनी जागैय्या ने विद्यार्थियों को भगवान बिरसा मुंडा के जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि एसडीएम कोंटा सुभाष शुक्ला ने युवाओं को लक्ष्य निर्धारण एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु प्रोत्साहित किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्राचार्य डी. सुरेश बाबु ने की। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा जनजातीय संस्कृति पर आधारित नृत्य प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम का संचालन प्रो. दुष्यंत कुमार ने किया तथा आभार प्रदर्शन मुकेश कुमार पटेल ने किया।

दृष्टि बाधित विद्यार्थियों के लिए सुखद अनुभूति से भरा रामगढ़ और सैनिक स्कूल का शैक्षणिक भ्रमण

अम्बिकापुर, एजेंसी। कलेक्टर विलास भोसकर के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में आज मानव जीवन ज्योति दृष्टि बाधित विद्यालय, बतौली के दिव्यांग विद्यार्थियों को शैक्षणिक एवं भ्रमणात्मक यात्रा पर उदयपुर स्थित रामगढ़ पर्यटन केंद्र ले जाया गया। बच्चों को बस के माध्यम से सुरक्षित रूप से भ्रमण कराया गया। रामगढ़ पहुंचकर विद्यार्थियों को वहां स्थित विभिन्न पर्यटन स्थलों का परिचय कराया गया। भले ही दृष्टि बाधित बच्चे भगवान राम को नेत्रों से नहीं देख सके, लेकिन रामगढ़ की पावन हवा, वृक्षों की सरसराहट, बहते जल की मधुर ध्वनि, शीतल समीर और पक्षियों के मधुर कलरव में उन्होंने भगवान राम की उपस्थिति को आत्मिक रूप से महसूस किया। यह अनुभव बच्चों के लिए भावनात्मक और आध्यात्मिक रूप से अत्यंत प्रेरक रहा। भ्रमण के दौरान बच्चों के लिए खेलकूद एवं सांस्कृतिक गतिविधियों का आयोजन भी किया गया, जिसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इन गतिविधियों से बच्चों के आत्मविश्वास, आनंद और सामाजिक सहभागिता की वृद्धि होगी। इसके पश्चात विद्यार्थियों को सैनिक स्कूल अम्बिकापुर का भ्रमण कराया गया। यहां बच्चों को सैन्य अनुशासन, परिसर की जानकारी दी गई तथा टैंक और तोप जैसे सैन्य संसाधनों को स्पर्श कर उनके बारे में बताया गया, जिससे बच्चों में देशभक्ति और साहस की भावना विकसित हुई।

गाइडलाइन दरों में किये गये बड़े जनहितैषी सुधार: केदारनाथ गुप्ता

शहरों में इंक्रीमेंटल आधार पर गणना का प्रावधान समाप्त, जिला मूल्यांकन समिति भेजेंगी 31 दिसबर तक पुनरीक्षित प्रस्ताव

जगदलपुर, एजेंसी। अपेक्स बैंक के चेयरमैन व भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने रविवार को भाजपा जिला कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मार्गदर्शन व वित्त मंत्री ओपी चौधरी के निर्देश में समग्र छत्तीसगढ़ के विकास के लिए महत्वपूर्ण निर्णय लिए जा रहे है। इसी दिशा में राज्य में लागू नवीन गाइडलाइन दरों के संबंध में विभिन्न हितधारकों से सुझाव, ज्ञापन एवं प्रस्ताव प्राप्त हुए। जिन पर विचार कर महत्वपूर्ण फैसले लिए गए है।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने कहा कि नगरीय क्षेत्र में 1400 वर्ग मीटर तक भूखंडों के इंक्रीमेंटल आधार पर गणना के प्रावधान को समाप्त करते हुए पूर्व प्रचलित उपबंध अनुसार नगर निगम क्षेत्र में 50 डेसिमल तक, नगर पालिका में 37.5 डेसिमल तक, और नगर पंचायत में 25 डेसिमल तक स्लैब दर से मूल्यांकन के प्रावधान को यथावत लागू किए जाने का निर्णय लिया गया। वहीं बहुमंजिला भवनों में फ्लैट, दुकान, कार्यालय अंतरण होने पर सुपर बिल्ट अप एरिया के आधार पर बाजार मूल्य की गणना के प्रावधान को विलोपित किए जाने का निर्णय लिया गया। अब इनमें बिल्ट अप एरिया के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा। यह प्रावधान मध्य प्रदेश के समय से चला आ रहा था और राज्य में वर्टिकल डेवलपमेंट के लिए इसकी मांग लंबे समय से आ रही थी। इससे नगर योजना में भूमि का बेहतर उपयोग सुनिश्चित होगा। उन्होंने कहा कि बहुमंजिला भवन एवं कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में बेसमेंट एवं प्रथम तल पर 10 प्रतिशत कमी, द्वितीय तल एवं उससे ऊपर के तल पर 20 प्रतिशत कमी के साथ मूल्यांकन किया जाएगा। इससे मध्यम वर्ग को किफायती दर पर फ्लैट मिल पाएंगे।

अपेक्स बैंक चेयरमैन श्री गुप्ता ने कहा कि कमर्शियल कॉम्प्लेक्स में 20 मीटर पश्चात् स्थित संपति के लिए भूखंड की दर में 25 प्रतिशत कमी कर मूल्यांकन किया जाएगा। 20 मीटर दूरी की गणना कॉम्प्लेक्स के मुख्य मार्ग की ओर से निर्मित भाग से की जाएगी। जिला मूल्यांकन समिति द्वारा गाइडलाइन दरों के पुनरीक्षण के प्रस्ताव केन्द्रीय मूल्यांकन बोर्ड को भेजे जाते हैं जिनका विश्लेषण कर केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड नवीन गाइडलाइन दरें जारी करता है। जिला मूल्यांकन समिति को यह निर्देशित करने का निर्णय लिया गया कि हाल ही में हुई दरों में वृद्धि के पश्चात् प्राप्त ज्ञापनों, आपत्तियों एवं सुझावों का परिशीलन कर 31 दिसंबर तक गाइडलाइन दरों में पुनः पुनरीक्षण प्रस्ताव भेजें। उन्होंने कहा कि केंद्रीय मूल्यांकन बोर्ड के ये निर्णय दिनांक 8 दिसंबर से प्रभावशील हो गए हैं। इस दौरान पत्रकार वार्ता में बस्तर संभाग सहप्रभारी हरपाल सिंह भामरा, भाजपा जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय, पूर्व विधायक डा. सुभाऊ कश्यप, महापौर संजय पाण्डेय,जिला महामंत्री रजनीश पाणिग्रही, जिला उपाध्यक्ष नरसिंह राव,योगेन्द्र पाण्डेय, आलोक अवस्थी, कृष्ण कुमार शुक्ला, दिनेश केजी मौजूद रहे।

भाजपा प्रदेश प्रवक्ता केदारनाथ गुप्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय व वित्त मंत्री ओपी चौधरी के निर्देश पर पंजीयन प्रक्रिया को सरल एवं जन हितैषी बनाया जा रहा है। इसी क्रम में दिनांक 20 नवंबर को लागू गाइडलाइन दरों में कई महत्त्वपूर्ण जन हितैषी सुधार किए गए हैं।

कुछ महत्वपूर्ण फैसले: 1. नगरीय क्षेत्र में पहले नजूल, आबादी एवं परिवर्तित भूमि पर पूरी तरह वर्गमीटर दर लागू थी। अब कृषि भूमि के लिए लागू प्रावधान नजूल, आबादी एवं परिवर्तित भूमि पर भी लागू होंगे।

लाभः रायपुर में वार्ड क्रमांक 28 शहीद हेमू कल्याणी वार्ड में वर्ग मीटर दर रुपए 1,95,000 प्रति वर्ग मीटर एवं हेक्टेयर रेट रुपये 6 करोड़ प्रति हेक्टेयर निर्धारित है, इस क्षेत्र में 0.405 हेक्टेयर अर्थात एक एकड़ अथवा 4048 वर्ग मीटर भूमि का मूल्य पूर्व में रू 78 करोड़ रुपये होता अब नए उपबंध के अनुसार मूल्य रु 2.4 करोड़ रुपये होगा।

2. पहले ग्रामीण क्षेत्र में परिवर्तित भूमि के लिए सिंचित भूमि का ढाई गुना मूल्य लगता था, यह व्यवस्था समाप्त कर दी गई है। लाभः बिलासपुर के सेंदरी ग्राम में रु 1.60 करोड़ रुपए प्रति एकड़ दर निर्धारित है, इस ग्राम में एक एकड़ भूमि विक्रय होने पर पहले मूल्य रु 4 करोड़ रुपये होता अब नए प्रावधान अनुसार रु 1.60 करोड़ ही होगा।

3. दो फसली भूमि पर बाजार मूल्य पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त जोड़ने का प्रावधान हटाया गया। लाभः मोतीपुर में 1 हेक्टेयर जमीन की दर 2 करोड़ 44 लाख रुपये है, जो दो फसली होने पर वास्तविक गाडलाइन मूल्य 3 करोड़ 5 लाख होता। नए प्रावधान अनुसार बाजार मूल्य 2 करोड़ 44 लाख रुपए ही होगा।

आईटीआई सुकमा में हर बेटी को समान अधिकार मिले कार्यक्रम संपन्न

सुकमा, एजेंसी। महिला एवं बाल विकास विभाग, जिला सुकमा द्वारा 12 दिसम्बर 2025 को शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्था (आईटीआई) सुकमा में हर बेटी को समान अधिकार मिले विषय पर शपथ कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन कलेक्टर श्री देवेश कुमार ध्रुव के निर्देशानुसार एवं जिला महिला एवं बाल विकास अधिकारी श्री शिवदास नेताम के मार्गदर्शन में किया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को बाल विवाह मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान, लिंग चयन निषेध, मानव अधिकार, शिक्षा का अधिकार सहित मिशन शक्ति के अंतर्गत बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ एवं मिशन वात्सल्य योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही बाल विवाह उन्मूलन एवं बेटियों को समान अधिकार दिलाने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर आईटीआई प्राचार्य श्री चूरामणि गुप्ता, शिक्षकगण, महिला एवं बाल विकास विभाग के अधिकारी-कर्मचारी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का उद्देश्य युवाओं में जागरूकता बढ़ाकर बालिकाओं के अधिकारों के प्रति संवेदनशीलता विकसित करना रहा।

अब युक्त धारा पोर्टल से स्वीकृत , होंगे पंचायतों में मनरेगा के कार्य

जनपद पंचायतों कोंटा, छिंगदढ़ और सुकमा में युक्त धारा पोर्टल से एंट्री प्रक्रिया प्रारंभ

सुकमा, एजेंसी। महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत शासन के निर्देशानुसार युक्त धारा पोर्टल पर जीआईएस आधारित ग्राम पंचायत प्लान की एंट्री की जा रही है। सुकमा जिले में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए कलेक्टर श्री देवेश ध्रुव के निर्देशानुसार एवं मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकुन्द ठाकुर के मार्गदर्शन में प्रत्येक ग्राम पंचायत का युक्तधारा पोर्टल

के माध्यम से महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना के तहत कार्ययोजना तैयार किया जा रहा है। जिले के 03 जनपद पंचायतों कोंटा, छिंगदढ़ और सुकमा के ग्राम पंचायतों में प्राथमिकता के कार्यों को युक्त धारा पोर्टल में एंट्री प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। जिसमें बजट के कार्ययोजना में कृषि से संबंधित 60 प्रतिशत कार्य एवं जल संरक्षण से संबंधित 30 प्रतिशत के कार्यों को प्राथमिकता से कार्ययोजना में शामिल किया गया है। इसके साथ जिले में ग्रामीणों के मांग अनुसार डबरी, बकरी शेड, सुअर शेड तालाब आदि कार्यों को प्रमुखता से कार्ययोजना में लिया गया है। युक्तधारा पोर्टल के माध्यम से लिये जाने वाले परिसंपतियों का भौतिक सत्यापन करते हुए अत्याधुनिक तकनीक जैसे कि CLART APP माध्यम से कार्यों का चयन स्थल के उपयुक्ता के अनुसार किया जा रहा है। ग्राम पंचायत द्वारा तैयार कार्ययोजना के कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर युक्तधारा पोर्टल में अक्षांश एवं देशान्तर के साथ एंट्री की गई है।

इन सभी कार्यों को युक्त धारा पोर्टल में प्राथमिकता के क्रम में एंट्री की जा रही है। वर्ष 2026-27 से जो भी कार्य पंचायतों में प्रारंभ होंगे वह एंट्री के प्राथमिकता के क्रम में होंगे। इस तरह से शासन द्वारा एक बेहतरीन व्यवस्था लोगों की सुविधा के लिए लागू की गई है। इसके अलावा युक्त धारा पोर्टल में जो भी कार्यों की एंट्री होगी उनमें प्रत्येक कार्यों की अक्षांश एवं देशांतर की एंट्री भी की जा रही है, ताकि भविष्य में उनमें अभिसरण (समन्वय) के माध्यम से और भी कार्य कराया जा सके तथा पारदर्शिता भी बनी रहे। अब भविष्य में जो भी कार्य ग्राम पंचायत में होंगे। उन्हें इसी प्रकार 02 अक्टूबर को होने वाली ग्राम सभा से अनुमोदन कराकर युक्त धारा पोर्टल में एंट्री उपरांत ही की जाएगी।

उलनार के पाराओं में पहुँचा सुरक्षित पारा सुरक्षित लईकामन 3.0

बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और सुरक्षा पर हुआ व्यापक सर्वे

जगदलपुर, एजेंसी। शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय करीतगांव बकावंड, बस्तर की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा सुरक्षित पारा सुरक्षित लईकामन 3.0 परियोजना के तृतीय सप्ताह के अंतर्गत ग्राम उलनार के माँझिपारा, थानागुड़ीपारा, इंद्रावास, बेड़कापारा एवं बालूगुड़पारा में जागरूकता एवं सर्वेक्षण अभियान शनिवार को संचालित किया गया। इस दौरान स्वयंसेवकों ने ग्रामीण परिवारों एवं बच्चों से संवाद करते हुए स्वच्छता, बालकों के लिए पौष्टिक आहार, घर के भीतर संभावित लैंगिक हिंसा, बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य तथा सामाजिक व्यवहार परिवर्तन जैसे संवेदनशील विषयों पर जानकारी एकत्र की।

अभियान के दौरान स्वयंसेवकों ने बच्चों के शाला त्यागी होने के कारणों पर भी ग्रामीणों से विस्तार से चर्चा की। सर्वे में यह तथ्य सामने आया कि कुछ पाराओं में बच्चों एवं बालिकाओं की स्वास्थ्य समस्याओं और निरंतर उपचार के कारण उनकी विद्यालय में उपस्थिति कम हो रही है, जिससे शाला त्याग की स्थिति बनती जा रही है। स्वयंसेवकों ने इसे गंभीर सामाजिक समस्या मानते हुए ग्रामीण स्तर पर सकारात्मक पहल करने का संकल्प लिया।

परियोजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में बच्चों में कुपोषण, लैंगिक हिंसा और बाल विवाह जैसी कुरीतियों को समाप्त करना, उनके मानसिक स्वास्थ्य एवं सामाजिक व्यवहार में सकारात्मक परिवर्तन लाना तथा उन्हें स्वस्थ मानसिकता के साथ समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। इसी दिशा में स्वयंसेवकों ने प्रत्येक पारा के बालक-बालिकाओं को शारीरिक एवं मानसिक रूप से सशक्त बनाने और ग्रामीणों को बच्चों की शिक्षा, पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का निर्णय लिया।

अभियान के अंतर्गत उलनार ग्राम पंचायत के सरपंच श्री मधुसूदन नेताम से भी बच्चों के पोषण एवं स्वास्थ्य सुरक्षा विषय पर चर्चा की गई, जिसमें उन्होंने इस पहल को सराहनीय बताते हुए सहयोग का आश्वासन दिया।

सीखेगा बचपन एफएलएन मिडलाईन असेसमेंट आज

21,645 बच्चे होंगे शामिल

सुकमा, एजेंसी। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अंतर्गत निपुण भारत योजना एवं एफएलएन लक्ष्य मिशन 2026-27 के तहत जिले में 15 दिसम्बर को सीखेगा बचपन- एफएलएन द्वितीय असेसमेंट (मिडलाईन मूल्यांकन) का आयोजन किया जा रहा है। यह मूल्यांकन जिले की सभी शासकीय एवं अनुदान प्राप्त प्राथमिक शालाओं में कक्षा 1 से 3 तक के बच्चों के लिए होगा। जिला शिक्षा अधिकारी श्री जी.आर. मण्डावी ने बताया कि इस मूल्यांकन में कक्षा पहली के 6,653, दूसरी के 7,575 एवं तीसरी के 7,417 विद्यार्थी शामिल होंगे। इस प्रकार कुल 21,645 बच्चों की भाषा एवं गणित विषय में कक्षानुरूप दक्षता का आकलन किया जाएगा।

कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना के निर्देश पर समूह की दीदियों को लखपति बनाने की कार्ययोजना तैयार

कोंडागांव, एजेंसी। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन (बिहान) के अंतर्गत जिले में गठित स्वयं सहायता समूहों की दीदियों को लखपति दीदी बनाने के उद्देश्य से सुनियोजित कार्ययोजना पर अमल किया जा रहा है। समय-सीमा की बैठक में कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना द्वारा दिए गए निर्देशों के तारतम्य में, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री अविनाश भोई के मार्गदर्शन में यह अभियान संचालित किया जा रहा है। इस योजना के तहत फार्म एवं नॉन-फार्म आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए उत्पादक समूहों के संगठन अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं कैडर का चयन कर उन्हें विशेष प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। जिले की भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए कृषि, वनोपज आधारित गतिविधियों के साथ-साथ नॉन-फार्म सेक्टर में आजीविका के अवसर विकसित किए जा रहे हैं, ताकि दीदियों की आय में सतत वृद्धि हो सके।

इसी क्रम में जिले में कुल 185 उत्पादक समूहों का गठन किया गया है। प्रत्येक उत्पादक समूह 30 से 35 परिवारों को मिलाकर बनाया गया है, जिनका मुख्य उद्देश्य सामूहिक रूप से अपनी उपज का संग्रहण, क्रय-विक्रय कर बेहतर लाभ अर्जित करना है। इन उत्पादक समूहों के अध्यक्ष एवं सचिवों को प्रशिक्षण प्रदान किया गया है।

उत्पादक समूहों की आय बढ़ाने के लिए मिशन के माध्यम से जिले में दो फार्मर प्रोड्यूसर कंपनियों (एफपीओ) का गठन किया गया है। उड़ान महिला कृषक प्रोड्यूसर कंपनी, कोंडागांव द्वारा कोंडागांव, माकड़ी एवं फरसगांव विकासखंडों के महिला किसानों के साथ कार्य किया जा रहा है। वहीं, बड़ेराजपुर में 10 केएफपीओ के अंतर्गत मांझीनगढ़ फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी का गठन किया गया है, जो केशकाल एवं बड़ेराजपुर विकासखंडों में महिला किसानों को लाभान्वित कर रही है। इन कंपनियों के सीईओ के माध्यम से उत्पादक समूहों के अध्यक्ष एवं सचिवों को प्रशिक्षण दिलाया गया, ताकि आपसी समन्वय सुदृढ़ हो और कंपनियों के माध्यम से दीदियों को समय पर उचित मूल्य एवं सुविधाएं मिल सकें।

बिहान के दीदियों को समय पर जानकारी एवं आवश्यक संसाधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मिशन संचालक द्वारा निर्देशित किया गया है कि जिले में गठित संकुल स्तरीय संगठनों को आजीविका सेवा केंद्र के रूप में विकसित किया जाए। जिले के समूह के दीदियों द्वारा बनाये गये उत्पाद को भी आजीविका सुविधा केंद्र में भी रखा जाए जिससे सभी समूह की दीदियों को एक दुसरे के उत्पाद की जानकारी रहे और एक समूह दुसरे समूह की उत्पाद को बड़ी आसानी से खरीद बिक्री कर सकें। इस तरह से इन केंद्रों के माध्यम से कृषि, पशुपालन एवं नॉन-फार्म गतिविधियों से संबंधित सभी सुविधाएं एक ही स्थान पर उपलब्ध कराई जाएंगी। जिले में कुल 20 संकुल स्तरीय संगठनों को आजीविका सेवा केंद्र के रूप में स्थापित किया जा रहा है, प्रत्येक विकासखंड में चार-चार संकुल स्तरीय संगठन बनाए गए हैं।

कोंडागांव विकासखंड के चिपांवड संकुल स्तरीय संगठन सूर्या उदय महिला संकुल संगठन को कृषि विभाग द्वारा बीज लाइसेंस प्रदान कर सराहनीय पहल किया गया है। प्रयास किया जा रहा है कि शेष सभी संकुल स्तरीय संगठनों को भी शीघ्र बीज लाइसेंस प्राप्त हो, जिससे भविष्य में बीज एवं अन्य कृषि आदानों की सुविधा संगठन स्तर पर ही उपलब्ध हो सके।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक / प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा विप्र एक्सप्रे प्रेस सीपत रोड सरकंडा बिलासपुर छत्तीसगढ़ से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय वार्ड 14 हल्दीबाड़ी एमसीबी छत्तीसगढ़ से प्रकाशित,संपादक संदीप द्विवेदी आर .एन .आई नं . सी टी एच आई एन /25/ए 1478 फोन नं .7974467831,9589645803, mediaauditor1@gmail .com पीआइबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार , सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा